Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Friday, 07 June 2024 ● Year : 02 ● Issue : 139 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

दुनिया बड़ी भुलक्कड़ है। केवल उतना ही याद रखती है, जितने से उसका स्वार्थ सधता है। बाकी को फेंक कर आगे बढ़ जाती है।

Tejasswi Prakash Makes Fans...

SHARE

सेंसेक्स	:	75,074.51
निफ्टी	:	22,821.40

SARAFA

सोना	:	6,880
चांदी	:	96.02

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

कांग्रेस कार्यकारिणी समिति की बैठक आज

NEW DELHI : लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद कांग्रेस ने कार्यकारिणी समिति की बैठक बुलाई है। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बैठक को लेकर गुरुवार एक पत्र भी जारी किया है। इस पत्र के मुताबिक कांग्रेस कार्यकारिणी समिति की बैठक 8 जून शनिवार की सुबह 11 बजे कांग्रेस मुख्यालय में होगी। कांग्रेस मुख्यालय में इस बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे करेंगे।

चंद्रबाबू नायडू 12 जून को सीएम पद की लेंगे शपथ

AMRAWATI : तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू 12 जून को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। समारोह अमरावती में होगा। इसमें नरेंद्र मोदी और नए केंद्रीय कैबिनेट के कई मंत्री शामिल होंगे। नायडू का शपथ समारोह पहले 9 जून को होने वाला था। हालांकि, मोदी के शपथ समारोह के चलते इसे टाल दिया गया। चंद्रबाबू नायडू चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बनने जा रहे है। इससे पहले उन्होंने 1 सितंबर 1995, 11 अक्टूबर 1999 और 8 जून 2014 को तीन बार सीएम पद की शपथ ली थी।

मुंबई में बीएमसी कर्मचारी व पुलिस पर पथराव

MUMBAI : मुंबई के पवई में गुरुवार को अवैध अतिक्रमण हटाने गए बृहनमुंबई म्युनिसिपल कॉपोरेशन (बीएमसी) के कर्मचारियों और पुलिस टीम पर पर लोगों ने पथराव किया। इस हमले में 5 पुलिसकर्मियों घायल हुए हैं। घटना का वीडियो भी सामने आया है। वहीं, पथराव और हंगामे के चलते अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई को रोक दिया गया है। पवई के हीरानंदानी इलाके में कई साल पुरानी एक झुग्गी बस्ती है। नगर पालिका ने इन झोपड़ी मालिकों को नोटिस दिया था। नगर पालिका के अधिकारी और कर्मचारी वहां घुसे और अवैध रूप से बसी इस झुग्गी बस्ती को हटाने की कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के वक्त वहां बड़ी संख्या में पुलिस भी मौजूद थी।

सोने की तस्करी के आरोप में चार गिरफ्तार

NEW DELHI : इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 5.45 करोड़ रुपये मूल्य के सोने की तस्करी के आरोप में दो चीनी नागरिकों सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सीमा शुल्क विभाग ने यह जानकारी दी। हांगकांग से आने पर आरोपियों को हवाई अड्डे पर रोका गया। सीमा शुल्क विभाग ने बताया कि आरोपियों के सामान की गहन तलाशी के साथ ही उनकी जामा तलाशी भी ली गई। तलाशी के दौरान उनके पास से 8.2 किलोग्राम सोना बरामद हुआ जिसका मूल्य 5.45 करोड़ रुपये है।

सीमा शुल्क विभाग द्वारा जारी बयान

मोदी तीसरी बार बनेंगे देश के प्रधानमंत्री, 9 जून को लेंगे शपथ

पहले 8 जून को ही ओथ लेने की हो रही थी बात, लेकिन अचानक डेट में हुआ बदलाव

AGENCY NEW DELHI : 18वीं लोकसभा चुनाव के नतीजे सामने आ चुके हैं। भाजपा बहुमत से बहुत पीछे रह गई लेकिन नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस को बहुमत मिलने के बाद केंद्र में एक बार फिर सरकार गठन की तैयारी शुरू हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से खबर है कि निवर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 जून को पीएम पद की शपथ लेंगे। बता दें कि इससे पहले शपथ ग्रहण की तारीख 8 जून को तय की गई थी। लेकिन, अब तिथि में बदलाव कर इसे 9 जून कर दिया गया है। बीजेपी अपने गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर सरकार गठन कर सकती है। टीडीपी और जेडीयू का कहना है कि उन्हें हर चार सांसद पर एक मंत्री पद चाहिए। ऐसे में मोदी कैबिनेट 3.0 में अगर सरकार इस शर्त पर बनती है तो टीडीपी को चार और जेडीयू को तीन विभाग देना होगा। इसके अलावा जेडीएस के कुमारस्वामी भी दो मंत्री पद अपने बेटे और दामाद के लिए मांग रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से खबर है कि बीजेपी ने कहा है कि वो सहयोगी दलों की हर जायज मांग को मानेगी लेकिन किसी दबाव के आगे नहीं झुकेगी। बयान में कहा गया है कि बीजेपी गठबंधन धर्म का पालन करेगी। खबर है कि बीजेपी निर्दलीय और छोटे दलों के भी संपर्क में है। बीजेपी ने कहा है कि पार्टी गैर जरूरी मांगों के आगे नहीं झुकेगी।

खास बातें

- जेडीयू और टीडीपी मांग रही हैं बड़ी हिस्सेदारी
- 14 सहयोगी दलों के 53 सांसदों का समर्थन
- लोकसभा स्पीकर का पद अपने पास रखेगी भाजपा
- मंत्रिमंडल में महाराष्ट्र के 5-6 चेहरों को मिल सकती है जगह

जेपी नड्डा के आवास पर बैठक में हुई सरकार गठन पर चर्चा

नई सरकार के गठन को लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर गुरुवार को बीजेपी ने नेताओं ने बैठक की। बैठक में सरकार गठन को लेकर चर्चा की गई। बैठक में अमित शाह और राजनाथ सिंह समेत बीजेपी के कई नेता शामिल हुए। इस बैठक में भावी मंत्रिपरिषद के गठन में एनडीए के घटक दलों की भागीदारी सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटें मिली हैं। यह बहुमत के आंकड़े (272) से 32 सीटें कम हैं। हालांकि, एनडीए ने 293 सीटों के साथ बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया। एनडीए में भाजपा के अलावा 14 सहयोगी दलों के 53 सांसद हैं। गठबंधन में चंद्रबाबू की टीडीपी 16 सीटों के साथ दूसरी और नीतीश की जदयू 12 सीटों के साथ तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। दोनों ही पार्टियां इस वक्त भाजपा के लिए जरूरी हैं। इनके बिना भाजपा का सरकार बनाना मुश्किल है।

मैंने मंत्री पद की कोई मांग नहीं की : चिराग

एनडीए में शामिल लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने केंद्रीय मंत्रिमंडल में 2-3 पदों की मांग की खबरों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि मैंने ऐसी कोई मांग नहीं की है। ऐसी कोई मांग हो भी नहीं सकती क्योंकि हमारा लक्ष्य नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाना है। यह विशेष अधिकार प्रधानमंत्री के पास ही है कि वे अपने मंत्रिमंडल में किसको जगह देते हैं और किसको नहीं देते हैं।

पूर्व सीएम के फेसबुक पेज पर कल्पना ने शेयर किया पोस्ट

झारखंड को मणिपुर बनाने में जुटी है भाजपा, हेमंत को चिंता

PHOTON NEWS RANCHI : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भावना का इजहार इस रूप में सामने आया है कि हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव परिणाम झारखंड के 84 साल के जेसुइट पादरी और आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता फादर स्टेन स्वामी की हिरासत में अनुचित मौत का बदला है। उनकी मौत भारत के लोकतंत्र और मानवाधिकारों की स्थिति पर एक काला धब्बा है, उसका बदला लेने की यह शुरूआत है। भाजपा झारखंड को मणिपुर बनाने में जुटी है। यह बातें हेमंत के फेसबुक अकाउंट से उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने साझा की है। पोस्ट में कहा गया कि इस राज्य को मणिपुर बनाए जाने की आशंका है। हेमंत के फेसबुक अकाउंट पर लंबा-चौड़ा पोस्ट के साथ उनकी और फादर स्टेन स्वामी की फोटो भी अपलोड की गई है।

फादर स्टेन स्वामी की हिरासत में अनुचित मौत का बदला है लोकसभा चुनाव परिणाम

हेमंत के साथ भी ऐसा ही हो रहा है व्यवहार, हर झारखंडी को खड़े होने की जरुरत

समुचित चिकित्सक उपचार से स्टेन को रखा गया था वंचित

पोस्ट में आगे कहा गया कि दशकों से आदिवासी समुदायों के अधिकारों के लिए वकालत एवं लड़ाई लड़ने वाले फादर स्टेन के उच्च आयु और पार्किंसंस रोग के बावजूद उन्हें भाजपा सरकार द्वारा लगाये गए झूठे आतंकवाद के आरोपों पर जमानत और समुचित चिकित्सा उपचार से वंचित रखा गया। पानी पीने के लिए 25 पैसे का स्ट्रॉ नहीं दिया गया। स्वामी की मौत मानवधिकार कार्य का अपराधीकरण है। जेल की स्थितियों से बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण, फादर स्टैन की दुर्भाग्यपूर्ण मौत 5 जुलाई, 2021 को हिरासत में हो गयी। उनकी मौत आतंकवाद के बहाने से विपक्ष और आदिवासियों को दबाने और मानवाधिकार कार्य को अपराधीकरण करने की भाजपा की नीति का उदाहरण है। जैसे सबसे कमजोर वर्ग के लिए आवाज उठाने वाले फादर स्टेन को संस्थागत उपेक्षा और अन्याय से चुप कराया गया।

बाबूलाल मरांडी का हेमंत सोरेन पर पलटवार

जेल का खेल शुरू करने वाले खुद हो गए शिकार

RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेलों में कैदियों की बदतर और चिंताजनक स्थिति सम्बन्धी बयान के लिए पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर पलटवार किया है। बाबूलाल ने कहा है कि जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सत्ता के अहंकार में सैकड़ों निदोर्षों को जेल में डाला। तब उन्हें ना तो मानवाधिकार का ख्याल आया, ना जेल के अंदर के बदतर हालात का। बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर इस आशय का बयान साझा करते हुए कहा कि लोगों को उठा कर जेल में डालने की हेमंत की बड़ी तमन्ना थी। ईश्वर का न्याय देखिए कि जिस जेल के खेल को

उन्होंने शुरू किया, अपने कुकर्मों के कारण वह भी उसी का शिकार हो गए। बाबूलाल ने हेमंत को जेल में पर्याप्त सुविधाएं दिए जाने को लेकर भी बात रखी है। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि हेमंत सोरेन अब बेकार में ही मानवाधिकार और आदिवासी बंधुओं की चिंता में दुबले हुए जा रहे हैं।

शेयर बाजार में भारी गिरावट पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने पूछा सवाल

मोदी ने जनता को क्यों दी निवेश की सलाह : राहुल

AGENCY NEW DELHI : 18वीं लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद एनडीए को पूर्ण बहुमत मिला है। 9 जून को नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। इधर कांग्रेस का हमला भी जारी है। इसी कड़ी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक पीसी की जिसमें उन्होंने निवर्तमान पीएम मोदी पर जमकर हमला किया। राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव के समय नरेंद्र मोदी ने शेयर बाजार पर कमेंट किया था, राहुल गांधी ने सवाल करते हुए पूछा की उन्होंने जनता को निवेश की सलाह क्यों दी थी। गौरतलब है कि चुनाव के बाद शेयर बाजार धड़ाम हो गया था। इसको लेकर प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि पहली बार हमने देखा है कि चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री ने शेयर बाजार पर टिप्पणी की।

यह अडानी से कहीं ज्यादा व्यापक मुद्दा

राहुल गांधी ने पीसी में कहा कि यह अडानी मुद्दे से कहीं अधिक व्यापक मुद्दा है। यह अडानी मुद्दे से भी जुड़ा है, लेकिन यह बहुत व्यापक मुद्दा है। उन्होंने आरोप लगाया की इसकी जानकारी सीधे तौर पर प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री को है। वास्तविक चुनाव परिणामों पर डेटा, जिनके पास आईबी रिपोर्ट है, जिनके पास अपना डेटा है, जो खुदरा निवेशकों को स्टॉक खरीदने की सलाह दे रहे हैं, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है प्रधानमंत्री ने एक के बाद एक कई बार बड़ी दिलचस्प टिप्पणी करते हुए कहा है कि शेयर बाजार में तेजी आने वाली है, साथ ही उन्हें जानकारी है कि एग्जिट पोल गलत हैं ऐसा इसलिए होता है क्योंकि उनके पास आईबी डेटा है और उनकी अपनी पार्टी का डेटा भी है।

ऑपरेशन ब्लू स्टार की 40वीं बरसी

गोल्डेन टेंपल में लगे खालिस्तानी नारे

AMRITSAR : गुरुवार को पंजाब में ऑपरेशन ब्लू स्टार की 40वीं बरसी मनाई गई। इसके लिए अमृतसर स्थित गोल्डेन टेंपल में काफी संख्या में सिख समुदाय के लोगों की भीड़ जमा हुई। यहां भीड़ ने हाथों में तलवारें लहराते हुए खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। हाथ में ऑपरेशन ब्लू स्टार में मारे गए जरनैल सिंह भिंडरावाले के पोस्टर लेकर उसके समर्थन में भी नारे लगाए। पंजाब में 2 दिन पहले आए लोकसभा चुनाव परिणाम में 2 खालिस्तान समर्थक रिकॉर्ड वोटों से जीते। इनमें असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद खालिस्तान समर्थक अमृतपाल और इसी ऑपरेशन ब्लू स्टार के विरोध में पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की हत्या करने वाले उनके सिक्योरिटी गार्ड बेअंत सिंह का बेटा सर्बजीत सिंह खालसा शामिल है। गोल्डन टेंपल में अमृतपाल की मां और फरीदकोट से सांसद चुने गए सर्बजीत खालसा भी पहुंचे। अमृतपाल की मां बलविंदर कौर पहले ही वहां से चली गईं, लेकिन सांसद खालसा गोल्डन टेंपल में रुके रहे। बरसी को देखते हुए पुलिस भी हाई अलर्ट पर रही। अमृतसर में पैरामिलिट्री और पुलिस की सुरक्षा तैनात की गई। इस दौरान अमृतसर के बाजार बंद रहे। सिखों के सर्वोच्च श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघवीर सिंह के संबोधन के बाद समागम को खत्म कर दिया गया। जिसके बाद गोल्डन टेंपल में जमा भीड़ वापस लौट गई।

अमावस्या पर भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल का हुआ विशेष श्रृंगार

AGENCY UJJAIN : विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के मंदिर में गुरुवार को ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल का रजत मुकुट, रुद्राक्ष की माला से श्रृंगार किया गया। भगवान महाकाल को शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुण्डमाल, रुद्राक्ष की माला के साथ सुगंधित पुष्प से बनी फूलों की माला धारण कराई की और फल व मिष्ठान का भोग लगाया गया। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन कर पुण्य लाभ कमाया। परम्परा के मुताबिक गुरुवार को तड़के चार बजे महाकालेश्वर मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का दूध, दही, घी, शक्कर, पंचामृत और फलों के रस से जलाभिषेक किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को नवीन मुकुट, मुंड माला धारण करवाई गई। अमावस्या तिथि पर भस्मआरती में भगवान महाकाल के शीष पर सर्प विराजमान कराकर कुछ ऐसा श्रृंगार किया गया कि सभी श्रद्धालु देखते रह गए।

गुजरात के श्रद्धालुओं ने भेंट की चांदी की दो सिल्लियां

गुरुवार को भस्म आरती में शामिल होने गुजरात के मेहसाणा से आए श्रद्धालु सिद्धराज सिंह चावड़ा ने भगवान महाकाल के दर्शन किए। साथ ही सतू गुरुजी की प्रेरणा से चांदी की दो सिल्लियां (वजन लगभग एक किलोग्राम) भगवान को अर्पित की। श्रद्धालु सिद्धराज सिंह ने बताया कि वे नियमित अंतराल से भगवान के दर्शन के लिए उज्जैन आते हैं। यहां उन्हें भगवान की साक्षात अनुभूति होती है और असीम शांति मिलती है। मंदिर के सहायक प्रशासनिक अधिकारी आरके तिवारी ने दानदाता का विधिवत रसीद प्रदान कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

गुरुवार को वट सावित्री पर्व के अवसर पर सुहागिनों ने अपने अखंड सौभाग्य के लिए पूजा-अर्चना की। एक-दूसरे को सुहाग की शुभकामना देतीं महिलाएं।

संबंधित खबर पेज 02 पर।

बिल्कुल नए यान बोइंग स्टारलाइनर पर शुरू की यात्रा

सुनीता विलियम्स ने तीसरी बार अंतरिक्ष में भरी उड़ान

स्पेस ट्रैवल

AGENCY NEW DELHI : अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। दुनिया को अंतरिक्ष यात्रा का एक बिल्कुल नया नजारा देखने का अवसर मिला। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री कैप्टन सुनीता विलियम्स एक बार फिर अंतरिक्ष में उड़ान भरी है। यह उनकी तीसरी अंतरिक्ष यात्रा है। एक अन्य सहकर्मी के साथ बुधवार को (फ्लोरिडा के समय के अनुसार) तीसरी बार अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी। इसके साथ ही दोनों ने बोइंग कंपनी के स्टारलाइनर यान से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले पहले सदस्य बनकर इतिहास रच दिया।

इस तरह के मिशन पर जाने वाली पहली महिला के रूप में रचा इतिहास

'केप कैनवेरल स्पेस फोर्स स्टेशन' से रवाना

विलियम्स और बुच विल्मोर को लेकर बोइंग का 'क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन' कई बार के विलंब के बाद फ्लोरिडा के 'केप कैनवेरल स्पेस फोर्स स्टेशन' से रवाना हुआ। विलियम्स ने इस तरह के मिशन पर जाने वाली पहली महिला के रूप में भी इतिहास रचा। भारतीय समय के अनुसार गुरुवार की देर रात को यान को अंतरिक्ष स्टेशन में पहुंचना है। एक समय में वह एक महिला अंतरिक्ष यात्री के तौर पर अधिकतम स्पेसवॉक समय का रिकॉर्ड रखती थीं, क्योंकि उन्होंने सात स्पेसवॉक में 50 घंटे और 40 मिनट बिताए थे।

थोड़ी नर्वस जरूर, मगर कोई घबराहट नहीं : सुनीता

उड़ान भरने के पहले सुनीता ने कहा कि वो थोड़ी नर्वस जरूर हैं। नए अंतरिक्ष यान में उड़ान भरने को लेकर कोई घबराहट नहीं है। लॉन्च पैड पर प्रशिक्षण के दौरान विलियम्स ने कहा, 'जब मैं अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचूंगी, तो यह घर वापस जाने जैसा होगा।' डॉ. दीपक पंड्या और बोनी पंड्या के घर जन्मी सुनीता, नए मानव-रेटेड अंतरिक्ष यान के पहले मिशन पर उड़ान भरने वाली पहली महिला बनकर इतिहास रचेंगी। एक योग्य नौसेना परीक्षण पायलट के तौर पर वह 2006 और 2012 में दो बार अंतरिक्ष में उड़ान भर चुकी हैं। और नासा के आंकड़ों के अनुसार, 'सुनीता ने अंतरिक्ष में कुल मिलाकर 322 दिन बिताए हैं।'

दो बार जा चुकी हैं स्पेस में

सुनीता पहली बार 9 दिसंबर 2006 को अंतरिक्ष में गई थीं। उन्हें इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में भेजे गए 14वें शटल डिस्कवरी के साथ रवाना किया गया था। इसके बाद 2012 में उनकी दूसरी अंतरिक्ष यात्रा शुरू हुई थी। तब उन्होंने कजाकिस्तान के बैकोनूर से रूसी रॉकेट सोयूज टीएमए-05एम से उड़ान भरी थी। नासा से जुड़ने से पहले वो अमेरिका की नौसेना में काम करती थीं। उस समय उन्होंने 30 से ज्यादा विभिन्न विमानों में 3000 से ज्यादा उड़ान घंटे दर्ज किए थे। अब सुनीता विलियम्स ने तीसरी अंतरिक्ष में उड़ान भरी है।

चंडीगढ़ की घटना, किसानों पर बयान से थी नाराज

एयरपोर्ट पर कंगना को महिला सीआईएसएफ ने जड़ दिया थप्पड़

AGENCY CHANDIGARH : कंगना रनोट को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर तैनात सीआईएसएफ की महिला जवान ने थप्पड़ मारा है। कंगना को थप्पड़ मारने वाली जवान का नाम कुलविंदर कौर बताया जा रहा है। मामले में कुलविंदर का बयान सामने आ चुका है, वो कंगना के किसान आंदोलन पर दिए गए बयान से आहत थी। वहीं कंगना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया है कि महिला ने उन्हें थप्पड़ मारने के साथ गाली भी दी है। कंगना रनोट चुनाव जीतने के बाद भाजपा की बैठक में शामिल होने के लिए विस्तारा एयरलाइन की फ्लाइट यूके707 से दिल्ली के लिए निकल रही थीं, तभी सिक्योरिटी चेक के दौरान उनकी

महिला सीआईएसएफ जवान

महिला जवान से कहासुनी हो गई। कंगना ने मामले की शिकायत कर महिला जवान को नौकरी से हटाने और उसके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। कंगना रनोट ने घटना के बाद एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने कहा, 'मेरे पास बहुत सारे फोन कॉल्स आ रहे हैं, मैं आपको बताना चाहूंगी कि मैं फिलहाल सेफ हूं।

BRIEF NEWS

जमशेदपुर के बिड़ला मंदिर में लगाए गए पौधे

JAMSHEDPUR : विश्व पर्यावरण दिवस पर व्यायस ऑफ एनवायर्नमेंट व सत्यम शिवम ट्रस्ट ने पौधारोपण अभियान की शुरूआत की, जिसमें केबुल टाउन स्थित बिड़ला मंदिर परिसर में फलदार पौधे लगाए। परिसर की साफ-सफाई की गई। इस अवसर पर डॉ. प्रियंका झा, कंचन सिंह, मंजू सिंह सहित अन्य पर्यावरणप्रेमी शामिल हुए। संस्था की पहल को विधायक सरयू राय ने भी सराहा।

आदित्यपुर में 'सामर्थ्य' ने किया पौधारोपण

ADITYAPUR : विश्व पर्यावरण दिवस पर सामर्थ्य वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से आदित्यपुर स्थित धीराजगंज, साईं कल्पना सोसाइटी, जुलुमटांड़, सतबहिनी इलाके में पौधारोपण की शुरूआत हुई। अध्यक्ष पल्लवी दीप ने बताया कि 'आओ पर्यावरण बचाएं' प्रोजेक्ट पूरे मानसून तक चलेगा। वॉलंटियर मनीष तोमसय ने 'हमारी भूमि हमारा भविष्य' का नारा देते हुए वहां उपस्थित सभी बच्चों के साथ पौधारोपण किया तथा इसकी देखभाल करने की शपथ ली। इस मौके पर पी. अनीता, उत्कर्षा, मनीषा तोमसय, धनसिंह तोमसय, विजय कुमार सुवर्णो, दिलीप गिरि आदि भी सक्रिय रहे।

टाटा स्टील यूआईएसएल डेंगू पर करा रही क्विज

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील यूटीलिटीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज लिमिटेड ने डेंगू के खिलाफ शहरवासियों को सशक्त बनाने के लिए क्विज करा रही है। कंपनी सभी लोगों को इस डेंगू रोकथाम अभियान में शामिल होने के लिए आर्मंत्रित कर रही है, जिसमें आप न केवल अपने घर-मोहल्ले को डेंगू से सुरक्षित कर सकते हैं, बल्कि कंपनी के क्यूआर कोड को स्कैन करके उपहार भी प्राप्त कर सकते हैं। विशेष जानकारी के लिए [corp-comm.tatasteeluisl@tatasteel.com] पर संपर्क कर सकते हैं।

अबुआ आवास योजना के लाभुक से 8 हजार रुपये रिश्वत लेते मुखिया गिरफ्तार, एसीबी ने की कार्रवाई

सादे वेश में बैठी थी टीम, घूस की राशि लेते ही रंगेहाथ दबोचा, इलाके में चर्चा का बाजार गर्म

PHOTON NEWS GIRIDIH: झारखंड सरकार के अबुआ आवास योजना के लाभुक से रिश्वत ले रहे एक मुखिया को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने गिरफ्तार किया है। गिरिडीह जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एसीबी ने मुखिया को रंगे हाथ धर दबोचा।

गिरिडीह के चरघरा पंचायत में एसीबी ने की कार्रवाई : एसीबी की टीम ने गुरुवार को जमुआ प्रखंड के चरघरा पंचायत के मुखिया महावीर दास को 8 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया। मुखिया की गिरफ्तारी के बाद इलाके में तरह-तरह की चर्चा हो रही है।

मुखिया ने सिमराटांड़ की महिला से मांगी थी 10 हजार की रिश्वत: जानकारी के अनुसार, चरघरा पंचायत के मुखिया महावीर दास ने प्रखंड के सिमराटांड़ गांव की रहने वाली मुन्नी देवी से अबुआ आवास योजना का लाभ दिलाने के नाम पर 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। रिश्वत की राशि नहीं दे पाने के कारण मुन्नी देवी का अबुआ आवास योजना पास नहीं हो रहा था।

मुनिया देवी ने एसीबी धनबाद से की शिकायत : मुनिया देवी को जब कोई रास्ता न सूझा, तो उसने एसीबी धनबाद की टीम को इसकी सूचना दी। एसीबी की टीम ने योजना बनाकर जाल बिछाया और मुखिया को रिश्वत लेते रंगे हाथ धर दबोचा। उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया गया।

जमुआ से ऐसे हुई मुखिया महावीर दास की गिरफ्तारी

गुरुवार को दोपहर मुखिया महावीर दास महिला मुनिया देवी से घूस की राशि लेने के लिए जमुआ के कैनरा बैंक के समीप स्थित एक दुकान में बैठा था। इसी बीच महिला वहां पहुंची और बैंक से 8 हजार रुपए निकाल कर सीधे मुखिया के हाथों में दे दिया। जैसे ही मुखिया ने महिला से 8 हजार रुपए लिये, सादे वेश में वहां पहले से मौजूद एसीबी की टीम ने मुखिया महावीर दास को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

कोडरमा स्टेशन से अफीम के साथ चतरा का युवक गिरफ्तार

आरपीएफ व जीआरपी ने की कार्रवाई

गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देते पुलिस अधिकारी • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KODERMA: कोलकाता-नई दिल्ली ग्रैंड कॉर्ड लाइन पर स्थित कोडरमा जंक्शन के रास्ते मादक पदार्थों की तस्करी थमने का नाम नहीं ले रही है. पड़ोसी राज्य बिहार में शराब की तस्करी के साथ-साथ अब रेल नेटवर्क से गांजा, अफीम सहित अन्य मादक पदार्थों की तस्करी भी शुरू हो गई है।

झारखंड के रास्ते शराब के बाद अब गांजा व अफीम की तस्करी : गांजा, अफीम जैसे मादक पदार्थों की तस्करी कर उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा तक भेजा जाता है। आरपीएफ व जीआरपी कोडरमा ने एक ऐसे ही मामले में कार्रवाई करते हुए 3 किलो अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दशरथ कुमार राणा (20) पिता विनोद राणा निवासी बाखरडीह थाना जोरी जिला चतरा के रूप में हुई है.

धनबाद मुख्यालय से मिली सूचना के आधार पर हुई कार्रवाई : आरपीएफ इंस्पेक्टर दीपक कुमार ने बताया कि धनबाद मुख्यालय से मिली सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई. उन्होंने बताया कि सूचना पर जीआरपी प्रभारी उपेंद्र पासवान, आरपीएफ के उप निरीक्षक जितेंद्र कुमार, आरक्षी रामबाबू यादव के साथ कोडरमा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4 पर संयुक्त जांच अभियान चलाया गया.

काले रंग के पिट्ठू बैग के साथ संदेह के आधार पर हुई गिरफ्तारी: इस दौरान नए फूट ओवरब्रिज के नीचे काले रंग के पिट्ठू बैग के साथ एक व्यक्ति को संदेह के आधार पर शाम 7:30 बजे पकड़ा गया. पूछताछ करने पर आरोपी ने बैग में अफीम होने की बात कही. अंचल अधिकारी कोडरमा गिजेंद्र टुटी की मौजूदगी में बैग की तलाशी ली गई और बैग से प्लास्टिक में छिपाकर रखे अफीम को बरामद किया गया।

पिट्ठू बैग में मिला अफीम : इलेक्ट्रॉनिक मशीन से अफीम का वजन किया गया, तो यह 2.922 किलोग्राम निकला। बाजार में इसकी अनुमानित कीमत 4 लाख रुपये बताई जा रही है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह रात में किसी ट्रेन की जेनरल बोगी में बैठकर टुंडला तक जाता। वहीं इसको बेचना था। इस संबंध में जीआरपी थाना में कांड संख्या 32/24 दर्ज कर लिया गया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि इस प्रकार के अपराध की रोकथाम के लिए जीआरपी और आरपीएफ की तरफ से कार्रवाई की जा रही है।

बारिश के दिनों में घर में कैद हो जाते 500 परिवार, तीन वर्ष से हैं परेशान

नावाडीह में 8 लेन सड़क के किनारे बने अपार्टमेंट व घरों में जलजमाव से स्थिति नारकीय

PHOTON NEWS DHANBAD: जलनिकासी की समस्या कितनी भयावह हो सकती है, इसका अनुमान उन 500 परिवारों को देख कर लगाया जा सकता है, जो बारिश के दिनों में अपने घर में कैद हो जाते हैं। बात हो रही है धनबाद के नावाडीह इलाके की। नावाडीह में आठ लेन सड़क के निर्माण के बाद किनारे पर बसे अपार्टमेंट और घरों में रहने वाले लोग पिछले तीन वर्ष से समस्या झेल रहे हैं। बुधवार को करीब 20 मिनट की बरसात ने एक बार फिर नावाडीह के नंदन रेसीडेंसी के 60 फ्लैट, आसपास के आधा दर्जन घर और अन्य अपार्टमेंट के लगभग 500 परिवारों को घर में कैद होने के लिए विवश कर दिया। नावाडीह में आठ लेन वाली सड़क के किनारे बने इन फ्लैट और घर में बरसात का पानी घुस गया। अपार्टमेंट का निचला हिस्सा पूरी तरह से जलमग्न है। आठ लेन सड़क किनारे भी पानी जमा रहा। यह स्थिति गुरुवार तक बनी रही है। यह सिर्फ 20 मिनट की बरसात का असर है, अभी पूरी बरसात बाकी है। यहां के लोग न तो आफिस जा सके और न ही अपना-अपना व्यवसाय कर सके। कुछ लोगों ने निकलने का प्रयास भी किया तो पानी में गिर पड़े। गनीमत है कि स्कूल बंद है, वरना बच्चों को जूता-मोजा खोल कर पार करना पड़ता। अधिक बरसात होने पर तो यहां नारकीय स्थिति बन जाती है। घर से निकलना मुश्किल हो जाता है। आठ लेन सड़क निर्माण के दौरान एजेंसी ने ड्रेनेज की सही व्यवस्था ही नहीं की है। इसकी वजह से थोड़ी देर की बारिश में ही यहां जलजमाव हो जाता है। पानी निकासी का रास्ता ही नहीं है। स्थानीय लोगों ने कई बार सड़क निर्माण करने वाली एजेंसी, पथ निर्माण विभाग और नगर निगम से भी शिकायत की। इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।

इलाके में जलजमाव से घरों में कैद हुए लोग • फोटोन न्यूज

प्रोफेसर चयन के लिए साक्षात्कार की तिथि की गई घोषित

DHANBAD: बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए आवश्यकता आधारित सहायक प्रोफेसर बहाली की प्रक्रिया चल रही है। इस क्रम में 11 जून को राजनीति विज्ञान के लिए आवेदकों का साक्षात्कार लिया जाएगा। इस विषय के लिए अब तक कुल 17 आवेदन विश्वविद्यालय को प्राप्त हुए थे। स्क्रूटनी के बाद सभी को साक्षात्कार के लिए विश्वविद्यालय में आर्मंत्रित किया गया है। साक्षात्कार निर्धारित तिथि पर सुबह 8 बजे से आरंभ होगा। वहीं वाणिज्य, अर्थशास्त्र, जूलाजी, मनोविज्ञान, खोरठा, लाईफ साइंस, बंगाली, बॉटनी, फिजिक्स, उर्दू, पर्यावरण विज्ञान, आपदा प्रबंधन व मास कम्पयूनिकेशन विषयों के लिए साक्षात्कार कार्य पूरा कर लिया गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म के बाद हत्या, पोस्टमार्टम के लिए चार दिन बाद कब्र से निकाला गया शव

PHOTON NEWS PALAMU: पलामू जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव में दुष्कर्म कर हत्या किए जाने की शिकायत पर एक 13 साल की किशोरी का शव उसके कब्र से गुरुवार को निकाला गया। एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद की मौजूदगी में एवं चैनपुर के अंचलाधिकारी चंद्रशेखर कुणाल की देखरेख में थाना प्रभारी निलेश कुमार ने डेड बॉडी को कब्र से बाहर निकाला और जरूरी प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बता दें कि गत तीन जून को ही किशोरी का शव दफनाया गया था। बताया जाता है कि नावाडीह गांव की ही 13 साल की किशोरी गांव के अन्य लोगों के साथ 8 महीने पहले बिहार के सासाराम के आलमपुर में ईंट भट्ठे पर काम करने गई थी। ठेकेदार नरेश कोरवा किशोरी को ईंट भट्ठे पर काम करने के लिए ले गया था। बरसात के पहले सारे लोगों के घर आने की संभावना थी। इसी बीच 3 जून को ठेकेदार नरेश कोरवा किशोरी की डेड बॉडी लाकर उसके परिजनों को दिया। किशोरी की मां ने ठेकेदार पर हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की थी। इस बीच डेड बॉडी को दफना दिया गया, लेकिन उसकी मां और गांव के अन्य लोग किशोरी का शव कब्र से निकाल कर पोस्टमार्टम कराने की मांग कर रहे थे। रामगढ थाना प्रभारी द्वारा कब्र के शव निकालने में सुस्ती बरतने पर एसपी कार्यालय घेरने की तैयारी थी। इस बीच मेदिनीनगर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मणि भूषण प्रसाद को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने टीम बनाकर डेड बॉडी को कब्र से बाहर निकाला।

पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में शव को बाहर निकालता मजदूर • फोटोन न्यूज

बड़कागांव में शिव भक्तों ने किया धुरिया लोटन

HAZARIBAG : हजारीबाग जिले के बड़कागांव प्रखंड में शिव भक्तों ने धुरिया लोटन किया. गुरुवार की सुबह शिव भक्तों ने अहले सुबह भगवान शंकर एवं माता पार्वती की पूजा-अर्चना करने के बाद धुरिया लोटन किया. शिव भक्त शिव मंदिर से लेकर हरदरा नदी (सूर्य मंदिर) तक 800 मीटर तक लोटते हुए पहुंचे और नदी में स्नान किया. इसके बाद गंगा स्तुति करके वैतरणी पार की. बेंत की लकड़ी को मोड़कर बालू में गाड़कर एक गोल रिंग बना दिया. इसके अंदर से शिव भक्त इस पार से उस पार तक गए और जलाशय में डूबकी लगाकर अपनी भक्ति और शक्ति का परिचय दिया. इसे देखने के लिए हजारीबाग जिले के हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी. संजत के मौके पर शिव भक्तों ने नहाय खाय किया. गुरुवार की रात को खरना करके 24 घंटे का उपवास पर कर रहे हैं। शुक्रवार को शाम में मेला लगेगा. 8 जून को शिव भक्त अपने हठयोग का परिचय देंगे और झूलेंगे. इसके पहले 7 जून की रात को भगवान शंकर एवं पार्वती का विवाह कार्यक्रम होगा. 8 जून को तड़के 3:00 बजे शिव भक्त दहकते अंगारों पर चलकर अपनी भक्ति का प्रदर्शन करेंगे. इसके बाद भक्त 7 बार नदी में जाकर स्नान करेंगे.

लोहरदगा में एएसआई का हत्यारोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS LOHARDAGA: एएसआई धर्मेंद्र सिंह हत्याकांड के आरोपित सिपाही अनंत सिंह मुंडा को पुलिस ने करीब 12 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गुरुवार सुबह गिरफ्तार कर लिया। साथ ही एएसआई के शव को भी बरामद कर लिया गया। पुलिस ने एएसआई के शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। बताया जाता है कि घटना के बाद सिपाही ने खुद को रूम में बंद कर लिया था। लोहरदगा एसपी हरिश बिन जमा और पुलिस की टीम ने 10 घंटे के कड़ी मशक्कत के बाद सिपाही पर काबू पाया और उसे गिरफ्तार किया।

बताया जाता है कि लोकसभा चुनाव खत्म कराने के बाद वापस लौटे सिपाही अनंत मुंडा ने एएसआई धर्मेन्द्र सिंह को गोली मार दी थी। यह घटना बुधवार की देर रात जिले के सदर थाना क्षेत्र स्थित एसपी आवास के पीछे में घटी थी। गोली लगने से एएसआई धर्मेन्द्र सिंह की मौके पर ही मौत हो गयी थी। घटना की रात अनंत मुंडा ने अपनी पत्नी और बच्चों को घर में बंद कर दिया था। उसकी सर्विस राइफल उसके साथ थी। जब साथी पुलिसकर्मियों ने उसे राइफल वापस लेने की कोशिश की तो उसने मना किया। काफी मशक्कत के बाद उसने कमरे का दरवाजा खोला।

एमबीएनएस इंस्टीट्यूट के छात्रों ने निकाली पर्यावरण रैली

JAMSHEDPUR : एमबीएनएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरुकता रैली निकाली। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में लगभग 50 पौधे लगाए गए, जिसकी शुरूआत अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने की। पर्यावरण और पर्यावरण के संरक्षण के बारे में प्राचार्य पिंकी सिंह, सहायक प्रोफेसर दीपिका भारती, सपना कुमारी रॉय, भबतारण भकत आदि ने अपने विचार रखे।

वट सावित्री की पूजा कर सुहागिनों ने मांगा अखंड सौभाग्य का वरदान

रांची, जमशेदपुर, खूंटी व हजारीबाग सहित पूरे राज्य में वट सावित्री का त्योहार गुरुवार को पूरे श्रद्धा और विधि-विधान से मनाया गया। वट सावित्री पर्व मनाने को लेकर ऐसी धार्मिक मान्यता है कि सतयुग में अश्वपति नामक एक राजा थे। उनकी सावित्री नामक एक अत्यंत सुंदर कन्या थी। जन्म के समय ही नारद मुनि ने राजा अश्वपति को बता दिया था विवाह के एक साल बाद ही सावित्री के पति की मृत्यु हो जायेगी। यह सुनकर राजा विचलित हो गये। नारद ने सावित्री के पति की मौत की भविष्यवाणी करते हुए बताया था कि उसकी मौत ज्येष्ठ महीने की अमावश्या तिथि को होगी। अश्वपति ने सावित्री को अपना पति खुद चुनने को कहा। उसी समय अपने राज्य से निष्कासित राजा द्युमेत्सेन जंगल में रहते थे। दोनों नेत्रहीन थे। उनका एक पुत्र था जिसाका नाम सत्यवान था। सत्यवान को देखते ही सावित्री उस पर मोहित हो गई और अपने पिता से सत्यवान से विवाह कराने का अनुरोध किया। विवाह कें साल बाद जब ज्येष्ठ महीने की अमावश्याा तिथि पहुंचने लगी, तो सावित्री ने अन्न-जल का त्याग कर भगवान की भक्ति में लीन रहने लगी। नीयत समय पर वट वृक्ष से लकड़ी काटने के दौरान सत्यवान मुर्छित हो गये। यह देख सावित्री ने अपने पति के सरि को गोद में रख लिया और उसी अवस्था में सत्यवान की मृत्यु हो गई। यमराज उनके प्राण लेंने के लिए पहुचे, पर सती सावित्री के पास जाने की उनकी हिम्मत नहीं हुई। उन्होंने सावित्री से पति का मोह छोड़ देने का अनुरोध किया, पर सावित्री टस से मस नहीं हुई। अंतत: यमराज ने कहा कि सत्यवान के प्राण के बदले तुम तीन वरदान मांग सकती हो। सावित्री ने पहला वरदान मांगा कि उसके नेत्रहीन सास-ससुर की आंखों की ज्योति वापस आ जाए। दूसरा वरदान उन्होंने ससुर का राज्य वापस पाने का वरदान मांगा। अंतिम वरदान में सावित्री ने पुत्रवती होने का वरदान माग लिया। इस पर यमराज के मुंह से तथास्तु निकल गया। इस पर सावित्री ने कहा कि आप यदि मेरे पति को ले जाएंगे, तो पुत्रवती कैसे बनूंगी। हार कर यमराज ने सत्यवान कें प्राण वापस कर दिये और वरदान दिया कि ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि को वट सावित्री का व्रत करनें वाली महिलाओं का अखंड सौभाग्य की प्रापित होगी। इसलिए सभी सुहागिनों को इस व्रत को जरूर करना चाहिए।

रांची में महिलाओं ने की वट वृक्ष की पूजा, अखंड सौभाग्य का मांगा वर

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में गुरुवार को वट सावित्री का पर्व धूमधाम से मनाया गया। सुहागिन महिलाएं सुबह में स्नान करने के बाद वटवृक्ष के नीचे एकत्रित हुईं और विधि विधान से पूजा कर कच्चे धागे को पेड़ में बांधते हुए अखंड सौभाग्य के लिए अपने पति के दीघार्यु होने की कामना की।

रांची के पहाड़ी मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में भी सुहागिन महिलाओं ने पूजा-अर्चना कर वट सावित्री की कथा सुनी। इस दौरान दान पुण्य देकर अखंड सौभाग्य की कामना की। महिलाओं ने एक दूसरे को सिंदूर लगाकर और बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की रक्षा और वैवाहिक सुख के लिए व्रत रखती हैं और वट वृक्ष के चारों ओर धागा बांधकर 108 बार परिक्रमा करती हैं। इसका बहुत महत्व बताया जाता है। हिंदू धर्म की मान्यता के अनुसार ज्येष्ठ मास की अमावस्या के दिन वट सावित्री की पूजा की जाती है। इस दिन महिलाओं द्वारा उपवास रखा जाता है, जो बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं। शास्त्रों के अनुसार वट सावित्री व्रत को करवा चौथ जितना ही महत्वपूर्ण बताया गया है।

खूंटी में जगह-जगह वट वृक्ष में बांधा गया लाल धागा, हुई पूजा-अर्चना

वट सावित्री की पूजा करतीं महिलाएं • फोटोन न्यूज

KHUNTI : वट सावित्री के पावन मौके पर सुहागिन महिलाओं ने गुरुवार को वट वृक्ष की पूजा-अर्चना कर और पेड़ में रक्षा सूत्र बांधकर अखंड सौभाग्य का वरदान मांगा। जिला मुख्यालय के अलावा तोरपा, कर्रा, रनिया, मुरहू और अड़की प्रखंड के कस्बाई और ग्रामीण इलाकों में वट सावित्री का त्योहार पूरे श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाया गया। वट सावित्री को लेकर सुबह से ही मंदिरों और वट वृक्षों के पास सुहागिनों की भीड़ उमड़ने लगी थी। शहरी क्षेत्र में तो महिलाओं को पूजा करने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। सुहागिनों ने पूजा-अर्चना के बाद पडितों से सावित्री और सत्यवान की कथा सुनी और पति की लंबी उम्र की कामना की।

जमशेदपुर में महिलाओं ने रखा व्रत पति की लंबी आयु के लिए की प्रार्थना

पोटका में पूजा-अर्चना के बाद एक दूसरे को सिंदूर लगातीं महिलाएं • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के अलग-अलग इलाकों में वट सावित्री का त्योहार पूरे हर्षोल्लास से मनाया गया। मानगो, कदमा, सोनारी, परसुडीह, सिदगोड़ा, बारीडीह में जगह-जगह पूजा-अर्चना हुई। इसके अलावा पोटका, पटमदा, घाटशिला, बहरागोड़ा, चाकुलिया में भी महिलाओं ने व्रत रखकर प्रार्थना की। साईं परिवार विश्व सेवा संस्थान, जमशेदपुर के तत्वाधान में श्री साईंनाथ देवस्थानम, घोड़ाबांधा, टेल्को में गुरुवार को वट सावित्री पूजा एवं शनि जयंती के अवसर पर नवग्रह पूजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुरोहित नंदलाल मिश्रा द्वारा नवग्रह पूजन, शनि देव की अष्टोत्तर नाम, नवग्रह स्तोत्र पारायण, आरती एवं पुष्पांजलि की गई।

हजारीबाग की डीसी ने पति की लंबी उम्र के लिए रखा वट सावित्री व्रत

HAZARIBAG : हजारीबाग जिला सहित प्रखंड मुख्यालय में गुरुवार को वट सावित्री का पर्व धूमधाम से मनाया गया। उपायुक्त नैंसी सहाय ने भी अपने पति की दीघार्यु के लिए वट सावित्री की पूजा कर कथा को सुना। जिले के अलग-अलग प्रखंडों में सुहागिन महिलाएं सुबह में स्नान करने के बाद वटवृक्ष के नीचे एकत्रित हुई और विधि विधान से पूजा कर कच्चे धागे को पेड़ में बांधते हुए अपने पति के दीघार्यु होने की कामना की। इस दौरान महिलाओं ने वट सावित्री व्रत कथा का कथा वाचन एवं श्रवण किया। इसके बाद अपने पति आशीर्वाद लिया। ज्ञात हो कि वट सावित्री का व्रत महिलाएं अपने पति के दीघार्यु के लिए करती हैं। वट सावित्री को लेकर बाजारों में बुधवार को काफी चहल पहल देखी गई। वहीं गुरुवार को वट वृक्ष के नीचे महिलाओं की भीड़ देखी गई। पूजा-अर्चना के लिए सुबह से ही महिलाएं एकत्र होने लगीं थीं। दोपहर तक यह सिलसिला जारी रहा।

पूजा करतीं उपायुक्त नैंसी सहाय

BRIEF NEWS

विवादित जमीन का मामला कोर्ट में चलने के बावजूद चल रहा है काम

RANCHI : राजधानी रांची में बीते दिनों कई हत्याकांड जमीन मामले को लेकर हुआ है. रांची एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने खुद सभी थाना प्रभारियों से जमीन माफियाओं को चिन्हित कर और विवादित जमीन पर कार्रवाई करने का आदेश दिया था. ऐसा ही मामला बुंडू इलाका का है जहां पर विवादित जमीन का मामला कोर्ट में चलने के बाद भी उक्त जमीन पर काम चालू है. जमीन विवाद को लेकर किष्टो लायक कोर्ट गए हैं लेकिन उनका जमीन पर अवैध रूप से जमीन माफियाओं ने कब्जा कर लिया है. जमीन माफिया जेसीबी से काम करा रहा है. किष्टो लायक के जमीन का खाता संख्या 1346 और प्लाट संख्या 2450 व 2451 है. यह मामला फिलहाल हाई कोर्ट में लंबित है. हाई कोर्ट में मामला रहने के बावजूद जमीन माफिया ने जबरन रूप से जमीन कब्जा कर अपना काम कर रहा है.

आर्किटेक्ट की जमानत पर सुनवाई 19 जून को

RANCHI : रांची में जमीन घोटाला मामले में बड़गाई की 8.5 एकड़ जमीन कब्जा मामले में आरोपित विनोद सिंह की अग्रिम जमानत पर गुरुवार को पीएमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में ईडी की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए कोर्ट से समय की मांग की गई। कोर्ट ने उनके आग्रह को स्वीकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई 19 जून निर्धारित की है। विनोद सिंह ने रांची पीएमएलए (धन शोधन निवारण अधिनियम) की विशेष अदालत में अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की है।

विधायक के खिलाफ कोर्ट में सुनवाई 20 जून को

RANCHI : सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा से जुड़े महिला के साथ दुर्व्यवहार करने और जान से मारने की धमकी देने से संबंधित मामले में शिकायतकर्ता रश्मि संचिता एक्का की याचिका पर गुरुवार को अभियोजन पक्ष कोर्ट में जवाब दाखिल नहीं किया जा सका। एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 20 जून को निर्धारित की है। सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा के खिलाफ दर्ज की गई शिकायतवाद (कंप्लेन केस) में कुछ अतिरिक्त अपराधिक धाराओं को जोड़ने के लिए शिकायतकर्ता ने कोर्ट में आवेदन दाखिल किया है।

एक्स्ट्रीम बार के संचालक समेत अन्य को मिली बेल

RANCHI : रांची सिविल कोर्ट ने एक्स्ट्रीम बार के संचालक विशाल सिंह, उदय सिंह, पंकज अग्रवाल और रवि कुमार को जमानत दे दी है। विशाल को न्यायिक दंडाधिकारी शम्भू महतो की कोर्ट ने जमानत की सुविधा प्रदान की है। दरअसल 26 मई की देर रात एक्स्ट्रीम बार में जमकर मारपीट के बाद गोली चली थी। जिसमें बार के डीजे संदीप प्रमाणिक की मौत हो गयी थी। इसके बाद 28 मई को पुलिस ने मारपीट के आरोप में बार के मालिक उदय शंकर सिंह, बार का लीज होल्डर विशाल सिंह सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया था।

झारखंड में अभी भीषण गर्मी से नहीं मिलेने वाली है राहत

PHOTON NEWS RANCHI :

- 10 जून तक 16 जिलों में हीटवेव की चेतावनी, आईएमडी ने जारी किया अलर्ट
- अधिकतर जगहों पर अधिकतम तापमान तीन दिनों में 3 डिग्री बढ़ेगा

थोड़ा उतार-चढ़ाव के बाद भी अभी झारखंड में गर्मी अपने पूरे देवर में दिख रही है। मौसम केंद्र के प्रमुख अभिषेक आनंद ने कहा है कि शुक्रवार 7 जून से 10 जून के बीच झारखंड के अधिकतर जिलों में लू का प्रकोप देखा जाएगा. झारखंड के उत्तर-पश्चिमी, मध्य, दक्षिणी तथा उससे सटे उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं हीट वेव की स्थिति देखी जाएगी. हालांकि, इसी दिन दक्षिण एवं मध्य भागों में कुछ जगहों पर तेज हवाओं के साथ वज्रपात होने की भी संभावना है. मौसम केंद्र के प्रमुख के मुताबिक, 8 से 10 जून तक राज्य के उत्तर-पश्चिमी, मध्य, दक्षिणी और उससे सटे उत्तर-पूर्वी भागों में कुछ जगहों पर लू चलेगी. उत्तर-पश्चिमी हिस्से में 6 जिले आते हैं. दक्षिणी हिस्से में 4 और मध्य झारखंड में 6 जिले आते हैं. इस तरह 16 जिलों में 8 से 10 जून तक ल्एअळ हअश्ए (उष्ण लहर या लू) चलने की संभावना है. मौसम विभाग से मिल रही जानकारी के अनुसार, राज्य के 14 जिलों में बुधवार को पारा 40 डिग्री के पार रहा। गुरुवार को भी तपिश का मिजाज इसी तरह का बना हुआ है। सबसे विकट स्थिति पलामू (मेदिनीनगर) और गढ़वा में देखी जा रही है। गढ़वा में पारा 43.9 डिग्री, मेदिनीनगर में 43 डिग्री और सरायकेला में 43.2 डिग्री दर्ज किया गया। उमस के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। राज्य के जिन जिलों में गुरुवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री से अधिक रहा। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया है कि पलामू और आसपास के जिलों में अगले तीन दिन लू का प्रकोप जारी रहेगा।

रांची में 7 जून से बढ़ जाएगा तापमान, लू चलने की संभावना

लगातार हो रहा मौसम में बदलाव

मौसम विभाग की ओर से बताया गया है कि पश्चिमी हवा का प्रवाह झारखंड की ओर है। वहीं समय-समय पर बंगाल की खाड़ी से होकर आनेवाली हवा के कारण राज्य के मौसम में लगातार बदलाव हो रहा है। यही वजह है कि कभी तेज गर्मी पड़ रही है तो कभी बादल और हवा के कारण राहत भी मिल रही है। सात से नौ जून तक संथाल के जिलों को छोड़कर राजधानी समेत राज्य के सभी जिलों में गर्मी जहां बढ़ेगी, वहीं पलामू, गढ़वा, चतरा और पश्चिमी भाग को छोड़कर रांची समेत कोल्हान के विभिन्न इलाकों में मौसम के बदलाव का सिलसिला जारी रहेगा।

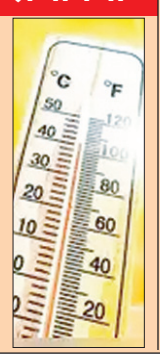

ट्रैफिक पुलिस के लिए एसएसपी ने किया विशेष प्रबंध

राजधानी रांची में कई दिनों से सूरज की तपिश कम नहीं हो रही है। कड़ी धूप के कारण सभी को परेशानी हो रही है लेकिन ट्रैफिक पुलिस के जवान धूप के कारण सबसे ज्यादा परेशान हैं । इस प्रचंड गर्मी में भी रांची की यातायात पुलिस शहर की यातायात व्यवस्था को संभाल रही है। प्रचंड गर्मी से बचाव के लिए एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने यातायात व्यवस्था में तैनात ट्रैफिक पुलिस के लिए विशेष प्रबंध किया है। ट्रैफिक पुलिस को धूप वाला चश्मा, ग्लूकोन डी, हॉट एंड कोल्ड बोतल और ओआरएस दिया गया है। इसके साथ ही इस भीषण गर्मी में तैनात ट्रैफिक पुलिस के कामकाजों को सराहा गया है। चंदन कुमार सिन्हा ने बताया कि कर्मियों को पहले जो गॉगल्स मिले थे, वे पुराने हो गए थे, इसलिए उनके लिए नए चश्मे मंगवाए गए थे, जिन्हें गुरुवार को सभी ट्रैफिक कर्मियों के बीच वितरित किया गया। ड्यूटी करते समय गॉगल्स पहनने से कर्मियों को धूप से राहत मिलेगी और सड़क पर उड़ने वाली धूल से भी उनकी आंखें सुरक्षित रहेंगी।

कोतवाली थाना क्षेत्र की पुरानी रांची में देर रात दो गुटों के बीच हुई घटना

जमीन विवाद को लेकर मारपीट व फायरिंग, एक को लगी गोली

PHOTON NEWS RANCHI :

कोतवाली थाना क्षेत्र के पुरानी रांची में जमीन विवाद को लेकर जमकर मारपीट हुई। इस मारपीट में दोनों पक्षों ने फायरिंग भी की। फायरिंग में आकाश नाम के युवक को गोली लगी है, जिसका इलाज रिम्स में चल रहा है। घटना बुधवार देर रात की है। जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मारपीट और फायरिंग की घटना गगन और आकाश गुट के बीच हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों अलग-अलग बिल्डर के लिए जमीन पर कब्जा करने का काम करते हैं। गगन ने एक बिल्डर के लिए बाउंड्रीवाल बनवाई थी जिसे दूसरे पक्ष ने देर रात तोड़ दिया, जिसके बाद हंगामा शुरू हो गया और फिर मारपीट और फायरिंग भी हुई। मारपीट में कुछ अन्य लोग भी घायल हुए है। इलाके में अभी भी स्थिति तनावपूर्ण है, एहतियात के तौर पर पुलिस बल तैनात किया गया है। फायरिंग में घायल युवक को अस्पताल भेजने के बाद सड़क पर लोगों ने हंगामा किया। मामले की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पहुंची और लोगों को शांत कराया। आक्रोशित लोगों ने कोतवाली थाने में भी जमकर हंगामा किया, यहां तक की कोतवाली डीएसपी से धक्का-मुक्की भी की गई। किसी तरह पुलिस ने मामले को शांत कराया। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि आपसी विवाद के बाद दो पक्षों में मारपीट हुई है।

आदिवासी संगठनों ने कोतवाली थाना घेरा, आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

RANCHI : पुरानी रांची में बीती रात हुए गोलीकांड के विरोध में विभिन्न आदिवासी संगठनों के लोगों ने आज गुरुवार को कोतवाली थाना का घेराव किया. इस दौरान आदिवासी संगठनों ने गोली चलाने वाले जमीन दलाल को जल्द से गिरफ्तार करने की मांग की. थाना घेरने आये लोगों ने कोतवाली थाना हाय-हाय, पैसा लेकर निर्दोष को गिरफ्तार करना बंद करो के नारा लगाये. आदिवासी संगठनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर रांची बंद करने की भी चेतावनी दी. सामाजिक कार्यकर्ता आकाश बेग ने कहा कि जमीन दलाल माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं. वे खुलेआम आदिवासी समाज के लोगों पर गोली चला रहे हैं. गोलीकांड के करीब 12 घंटे हो गये हैं, लेकिन आरोपी की अबतक गिरफ्तारी नहीं हुई है. कहा कि जिस जमीन को लेकर गोलीबारी हुई है, वह डाली कतारी नेजर का है. इसलिए इस जमीन खरीद बिक्री नहीं हो सकती है. लेकिन जमीन कारोबारी कानून ताक पर रखकर धार्मिक जमीन को खरीदने और बेचने का काम कर रहे हैं. आदिवासी जनपरिषद के अध्यक्ष प्रेमशाही मुंडा ने कहा कि 12 घंटा से ज्यादा हो गया है. लेकिन अभी तक भू-माफिया पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी है. अगर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो रांची बंद करेंगे. बता दें कि पुरानी रांची के अखाड़ा चौक के पास बुधवार की देर रात गगन और आकाश गुट के बीच मारपीट और गोलीबारी की घटना हुई थी. बताया जा रहा है कि दोनों गुट अलग-अलग बिल्डर के लिए जमीन पर कब्जा करने का काम करते हैं. गगन ने एक बिल्डर के लिए बाउंड्रीवाल बनवायी थी, जिसे दूसरे पक्ष ने देर रात तोड़ दिया. जिसके बाद हंगामा शुरू हुआ.

कोतवाली थाने का घेराव करते आदिवासी संगठनों के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

डीजीपी ने मादक पदार्थों को ले की समीक्षा बैठक

अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते डीजीपी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह ने गुरुवार को पुलिस मुख्यालय में मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम के लिए राज्य के आला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक में डीजीपी ने मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए कारगर ढंग से कार्रवाई करने तथा तस्कर गिरोह के गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन करते हुए कड़ी कार्रवाई करने को कहा। वहीं मादक पदार्थ से सम्बंधित दर्ज मामलों का नियमानुकूल अनुसंधान करते हुए साक्ष्य संकलित करने का भी निर्देश दिया। समीक्षा में स्कूल एवं कॉलेजों के छात्र एवं युवाओं पर इसके दुष्प्रभाव के रोकथाम के लिए स्कूल, कॉलेज के आसपास की दुकानों पर नजर रखने को कहा है। तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई में लापरवाही बरतने वाले पुलिस पदाधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनिक करवाई का निर्देश दिया। डीजीपी ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो एवं राज्य पुलिस के बीच आपसी समन्वय बढ़ाने एवं बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए तैयार किए गए एसओपी का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित दर्ज कांडों के गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान, जप्ती सूची तैयार करने सहित उसका सैंपल तैयार करना तथा उनके विनिष्टिकरण के लिए मानक बिंदुओं का अनुपालन कराने के लिए जिला स्तर पर पुलिस पदाधिकारियों को प्रशिक्षित करने का निर्देश दिया। समीक्षा बैठक में डीजीपी अजय कुमार सिंह, सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता, एडीजी मुख्यालय आरके मल्लिक, रांची रेंज के आईजी अखिलेश झा, आईजी प्रोविजन पंकज कम्बोज, आईजी सीआईडी असीम बिक्रांत मिंज, एसपी विशेष शाखा चन्दन कुमार झा एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रक्षेत्रीय आईजी, क्षेत्रीय डीआईजी, एसएसपी, एसपी ने भाग लिया।

सिल्लीगुड़ी से स्कूटी चोरी कर पहुंचा रांची, दो धराए

RANCHI : बैंक में बैठ कर घंटों रेकी कर लूट करनेवाले गिरोह का रांची पुलिस ने खुलासा किया है. गिरोह के आधा दर्जन लोग करीब तीन माह से झारखंड में रह कर घटना को अंजाम दे रहे थे. आरोपी सिल्लीगुड़ी से चोरी की स्कूटी से रांची पहुंचे थे. रांची में स्कूटी में फर्जी नम्बर लगा कर रेकी करते थे. गिरोह के लोग टारगेट सेट करके उनका पैसा उड़ा देते थे. रांची के सुखदेवनगर थाना पुलिस ने गिरोह के दो लोगों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों में आनंद ग्वाला और बिजेंद्र ग्वाला के नाम शामिल हैं. दोनों बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के राजगंज थाना क्षेत्र स्थित फातलफुकुल के रहनेवाले हैं. आरोपी तीन दिन पूर्व बोकारो में भी लूट की घटना को अंजाम दिया था. गिरोह के लोग ग्राहक बन कर बैंक में बैठ कर रेकी करते थे.

जज्बा हाशिम अब्दुल्लाह ट्रस्ट ने बांटा ग्लूकोज और पानी

PHOTON NEWS RANCHI :

गुरुवार को फिरायालाल में जज्बा हाशिम अब्दुल्ला ट्रस्ट की ओर से रांची के विभिन्न ट्रैफिक पोस्ट पर ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों के बीच भीषण गर्मी को देखते हुए उनके लिए ग्लूकोज, पानी बोतल, एनर्जी ड्रिंक, गमछा, खाने के लिए बिस्कुट, आदि जरूरी सामग्री का वितरण किया गया। इस मौके पर रांची के ट्रैफिक डीएसपी प्रमोद केशरी उपस्थित होकर जज्बा ट्रस्ट को बधाई दी और कहा कि इंसान के अंदर इसी तरह सेवा भाव करने की जज्बा होने की जरूरत है, ताकि मानवता जिंदा उन्होंने सभी सिपाही और आप जनता के बीच राहत सामग्री का भी वितरण किया। ओडिशा के अग्रणी सामाजिक संगठन, जज्बा हाशिम अब्दुल्लाह ट्रस्ट, ने 2018 से अपनी सेवाओं के माध्यम से समाज के हर वर्ग की सहायता करने का नेक काम शुरू किया।

जंगल में मिली अधेड़ महिला की डेड बॉडी

PITHAURIA : पिठोरिया थाना क्षेत्र के ओखरगड़ा जंगल मे एक अधेड़ महिला की लाश मिली है। ग्रामीणों की सूचना पर पिठोरिया पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। शव की पहचान पिठोरिया थाना क्षेत्र के मदनपुर टंगरा टोली निवासी महादेव उरांव की पत्नी काली उरांव (61) के रुप में हुई है। इस संबंध में मृतका का बेटा बुदु उरांव ने पिठोरिया थाना क्षेत्र के ओखरगढ़ा निवासी छोटू करमाली को नामजद आरोपी बनाया है। आरोप है कि तीन जून को अपराह्न 4 बजे उसकी मां काली उरांव को छोटू करमाली अपनी बाइक में कुम्हरिया बाजार ले गया था।उसी दिन से उसकी मां लापता थी और 6 जून को मेरी मां की लाश मिली।आवेदन में पुत्र ने दुष्कर्म कर हत्या करने का आरोप लगाया है।

युवक को बेइज्जत करने वाले सीओ को बर्खास्त करें : विजय

PHOTON NEWS RANCHI :

गुरुवार को संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड प्रभारी विजय शंकर नायक ने कहा कि नगड़ी अंचल के सीओ राकेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा नगड़ी निवासी युवक निकू महतो द्वारा कैरक्टर सर्टिफिकेट पर हस्ताक्षर कराने के लिए अंचल पदाधिकारी के पास पहुंचा था, लेकिन पदाधिकारी ने उसके सर्टिफिकेट पर हस्ताक्षर तो नहीं किया, उल्टे युवक को बेइज्जत कर कार्यालय से बाहर निकाल दिया। ऐसे अधिकारी को मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन तुरंत बर्खास्त करें। आगे कहा की सोशल मीडिया में वीडियो के वायरल होने पर उसके बाद सीओ ने उसको युवक को बुलाकर उसके कैरक्टर सर्टिफिकेट पर हस्ताक्षर किया, जो निंदनीय विषय है। इसे बर्दाश्त नही किया जाएगा। मुख्यमंत्री जी ऐसे पदाधिकारी को संरक्षण नहीं देकर ऐसे पदाधिकारी को तुरंत सेवा से बर्खास्त किया जाना चाहिए, ताकि जनता और पदाधिकारी के बीच में एक संदेश दिया जा सके कि जनता से बड़ा पदाधिकारी नहीं हो सकता है। ऐसे पदाधिकारी को यह भी सोचना चाहिए कि उन्हें जनता के काम करने के लिए ही उन्हें पद दिया गया है और जनता के दिए गए टैक्स के पैसे से ही उन्हें वेतन का भुगतान किया जाता है।

झारखंड आज भी भूख से मुक्त नहीं हो पाया : मुफ्ती

RANCHI : गुरुवार को झारखंड नवनिर्माण मोर्चा की एक हम बैठक लोअर बाजार थाना क्षेत्र फूल बागान के केंद्रीय कार्यालय में हुई। अध्यक्षता मोर्चा के संयोजक मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर कासमी ने की और मोर्चा के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कहा कि झारखंड राज्य का 24 साल पूरा हो गया। लेकिन, झारखंड का सपना अभी अधूरा है। झारखंडियों ने जो सपना देखा था, उसको कुचलना के लिए सभी पॉलिटिकल पार्टियों ने कोई कसर नहीं छोड़ी। झारखंड आज भी भूख और भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं हो पाया। जल, जंगल, जमीन का अपने-अपने तौर पर सभी पॉलिटिकल पार्टियों ने सौदा किया। अब तो झारखंड की अस्मिता ही खतरे में है। एससी एसटी ओबीसी और माइनॉरिटी आज भी भुखमरी, बेरोजगारी का शिकार है।

नगड़ी सीओ ने युवक के साथ किया था दुर्व्यवहार, लोगों ने विरोध में जमकर किया हंगामा

अंचल कार्यालय में ग्रामीणों ने काटा बवाल

PHOTON NEWS PISKANAGRI :

नगड़ी प्रखंड सह अंचल कार्यालय में बुधवार को आम दिनों की तरह समय में खुला पर नगडी प्रखंड सह अंचल कार्यालय खुलने की जानकारी मिलते ही नगडी चौक में ग्रामीण जुट होकर भाजपा नेता शिव चरण कुशवाहा और भाजपा नेता चुड़ामनी महतो के नेतृत्व में नगडी प्रखंड सह अंचल कार्यालय पहुंचे और अंचल कार्यालय का घेराव किया । बुधवार को नगड़ी सीओ के द्वारा एक युवक से दुर्व्यवहार के कारण नगड़ी प्रखंडवासी आक्रोशित हैं नगड़ी के दर्जनों ग्रामीण गुरुवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय नगड़ी पहुंचे और खूब हंगामा किया और ग्रामीणों ने नगड़ी अंचलाधिकारी राकेश कुमार श्रीवास्तव के विरोध में नारेबाजी करने लगे नगड़ी सीओ होश में आओ ऐसी दादागिरी नहीं चलेगी नगड़ी सीओ को बर्खास्त करो सहित कई मांगो के साथ लोगों ने करीब चार घंटा लगातार नगड़ी प्रखंड सह अंचल कार्यालय का घेराबंदी कर नारा लगाते रहे। मौके पर उपस्थित नगड़ी प्रखंड मुखिया समिति के अध्यक्ष संजय उरांव ने कहा कि नगड़ी अंचलाधिकारी का लोगों के प्रति व्यवहार एक अफसरशाही है। सीओ के इस दुर्व्यवहार की निंदा की गई। मुखिया समिति के अध्यक्ष सीओ के ऐसे व्यवहार का विरोध किया सीओ के विरुद्ध लिखित शिकायत जिला के वरीय अधिकारियों के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी एक ज्ञापन सौंपकर सीओ को तत्काल बर्खास्त की मांग रखेंगे। नगड़ी प्रखंड के सभी मुखियागण एक स्वर में सीओ को तत्काल नगड़ी अंचल से मुक्त करने की मांग की है। । मौके पर नगड़ी निवासी भाजपा प्रदेश कार्य समिति के सदस्य शशि भूषण भगत ने सीओ के प्रमाण पत्र बनाने गए युवक के साथ कि गयी दुर्व्यवहार निंदा की है। अभिलंब ऐसे अधिकारी को पदमुक्त कर देना चाहिए हम सरकार से इसके कार्यकाल में हुए तमाम कार्यों का जांच की मांग करते हैं और यह अधिकारी अगर एक सप्ताह के अंदर नहीं हटे तो नगड़ी प्रखंड सह अंचल कार्यालय में उनके विरुद्ध में अनिश्चितकालीन घेराबंदी सह पूर जोर आंदोलन किया जाएगा। मौके पर अंचल कार्यालय पहुंचे नगरी अंजुमन इस्लामिया के सदर दिलरुबा हुसैन ने कहा कि संस्कार विहीन यह जब से नगड़ी में सी ओ के पद में ज्वाइन किया है। तब से लगातार दुर्व्यवहार और भ्रष्टाचार की शिकायतें हम लोगों को सुनने को मिल रही है यह सिर्फ नगड़ी में सिर्फ और सिर्फ पैसा कमाने के ही मकसद से आया है बिना पैसा के एक भी काम सीओ नहीं करता है इस पर कार्रवाई होना चाहिए।

अंचल कार्यालय में हंगाम करते ग्रामीण। ● फोटोन न्यूज

करीबी बनकर खाते से उड़ा लिए 20.21 लाख

PHOTON NEWS GIRIDIH :

रिटायर्ड प्रोफेसर का करीबी बनकर उनके खाते से 20.21 लाख रूपया का निकासी कर लिया गया। इसे लेकर रोहित सिन्हा नाम के व्यक्ति ने जगन्नाथपुर थाना में शिकायत दर्ज करवाया है। दर्ज कराए गए शिकायत में कहा गया है कि मेरी बुआ भारती सिन्हा हेसाग में रहती है। घर में गिर जाने से उनका दायां पैर टूट गया है और शारीरिक रूप से बहुत कमजोर है। मेरी बुआ भारती सिन्हा की नजर कमजोर है और वह कान से भी कम सुनती हैं। जिस कारण बैंक, बाजार, डॉक्टर, निर्मला कॉलेज या फिर अन्य काम से आने जाने के लिए एक ऑटो चालक सुनील साहू का सहयोग लेती थी। सुनील साहू हटिया स्टेशन रोड में रहता है। लगातार मेरी बुआजी के संपर्क में रहने के कारण बुआजी सुनील साहू पर पूरा भरोसा करती थी। एसबीआई के डोरंडा शाखा में मेरी बुआ का खाता है। अलग-अलग दिनों में सुनील साहू ने मेरी बुआ के घर पर बैठ कर उनके ही मोबाइल नंबर से 20.21 लाख रूपया दूसरे खाता में ट्रांसफर कर दिया।

पूर्वी सिंहभूम के पोटका प्रखंड में दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो की गई जान

पेड़ से टकराई तेज रफ्तार बाइक, युवक की मौत

PHOTON NEWS POTKA: पूर्वी सिंहभूम जिला के पोटका प्रखंड स्थित कोवाली थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक तेज रफ्तार बाइक पेड़ से टकरा गई, जिससे बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार एक युवती सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना कुटसुरी में रात लगभग 2 बजे की है। बताया जाता है कि एक बाइक पर एक युवती समेत तीन लोग सवार होकर तेज रफ्तार से कोवाली की ओर जा रहे थे। इस बीच बाइक कुटसुरी के समीप सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। घटना की सूचना स्थानीय

पिंटू सरदार की फाइल फोटो

लोगों द्वारा कोवाली थाना की पुलिस को दी गई, जिसके बाद कोवाली पुलिस द्वारा घायलों को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल भेजा गया। मृतक पिंटू

- एक बाइक पर सवार थे युवती समेत तीन लोग, अब तक लड़की की नहीं हो सकी है पहचान

सरदार (23) हल्दीपोखर पूर्वी पंचायत के बलाईडीह का रहने वाला है एक अन्य घायल युवक निकास सरदार सुंदरनगर का रहने वाला है, जबकि युवती की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। मृतक के माता-पिता का देहांत पहले ही हो चुका है। परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। बहन ही अपने भाई पिंटू सरदार की देखभाल करती थी।

मिट्टी के ढेर में दबकर 8 वर्षीय मासूम ने तोड़ा दम

POTKA: पूर्वी सिंहभूम जिला के पोटका प्रखंड स्थित कोवाली थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर से दबकर 8 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। बताया जाता है कि कुटसुरी निजी तालाब से मिट्टी लाकर महुलडीहा में एक गड्ढा को भरा जा रहा था। इस दौरान छात्र शिवराज मंडल मिट्टी के ढेर के पास खड़ा था, जिसे ट्रैक्टर चालक नहीं देख पाया और ट्रॉली की मिट्टी गिरा दी। इसी मलबे में छात्र दब गया। घटना के तुरंत बाद चालक ट्रैक्टर छोड़कर भाग गया। परिजनों द्वारा आनन-फानन में सदर अस्पताल लाया गया, जहां

शिवराज मंडल की फाइल फोटो

चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृत छात्र महुलडीहा के ग्राम प्रधान विधान मंडल का इकलौता

- ट्रैक्टर चालक की गलती से गई बच्चे की जान, थाने में दर्ज कराई गई लिखित शिकायत, हो रही जांच

पुत्र था। इस घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है। विधान मंडल ने बताया कि कुटसुरी के सरकारी तालाब से मिट्टी बेचने का कार्य कई दिनों से चल रहा था। विधानमंडल ने परसुडीह थाना में ट्रैक्टर चालक के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। मामले की जांच हो रही है।

लाल बाबा फाउंड्री केबल गोदाम में लगी आग

बर्मामाइंस में अगलगी से मची अफरातफरी

PHOTON NEWS JSR: बर्मामाइंस थाना अंतर्गत लाल बाबा फाउंड्री स्थित एक केबल गोदाम में गुरुवार दोपहर अचानक आग गई। आग लगने से वहां काम कर रहे कर्मचारियों के बीच अफरातफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना तुरंत गोदाम मालिक गौतम जायसवाल ने अग्निशमन विभाग को दी। सूचना पाकर झारखंड अग्निशमन विभाग की एक और टाटा स्टील की एक दमकल मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास में जुट गई। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। जानकारी देते हुए गौतम जायसवाल ने बताया कि

आग लगने के बाद उठतीं लपटें

केबल गोदाम में कर्मचारियों द्वारा केबल को छीला जा रहा था। उसी बीच आंधी आने से उससे निकली चिंगारी से रबर में आग लग गई, फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है।

समाचार सार

मानगो के वंचित बच्चों ने देखा चिड़ियाघर

JAMSHEDPUR : गर्मी छुट्टी में मानगो के वंचित बच्चों ने गुरुवार को जुबिली पार्क का आनंद उठाया। समाजसेवी जितेंद्र साव की देखरेख में बच्चों ने चिड़ियाघर का भी भ्रमण किया। भाजपा नेता विकास सिंह को समाजसेवी जितेंद्र साव ने बताया कि गर्मी छुट्टी समाप्त होने को है और ये बच्चे पैसे के अभाव में कहीं भी घूमने नहीं जा सके हैं। अगली बार इन बच्चों को स्विमिंग पूल भी ले जाया जाएगा। विकास सिंह ने बताया कि पूरे क्षेत्र में संपर्क कर बच्चों की सूची अभिभावकों की मर्जी से तैयार की गई है।

एनएमएल में 90 यूनिट हुआ रक्तदान

JAMSHEDPUR : अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान व विकास के क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले सीएसआईआर-एनएमएल के वैज्ञानिकों, तकनीकी शोधकताओं, प्रशासनिक स्तर के कार्मिकों, विद्यार्थियों, अस्थाई कार्मिकों एवं उनके परिजनों ने गुरुवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में भाग लिया, जिसमें कुल 90 यूनिट रक्तदान हुआ। सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी के निर्देशन में अदित्य मैनाक, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं विप्लव विशाल, प्रशासनिक अधिकारी के मार्गदर्शन से आयोजित रक्तदान शिविर को सफल बनाने में एनएमएल स्टाफ क्लब के डॉ. एमएम हुमने, डॉ. कृष्ण कुमार, परमार्थ सुमन, नईम अंसारी, अभिषेक कुमार सिंह, डॉ. अंजनी कुमार साहू एवं वेद प्रकाश ने उल्लेखनीय योगदान दिया।

गणेश हांसदा की स्मृति में 16 को रक्तदान शिविर

JAMSHEDPUR : वर्ष 2020 में चीनी सैनिकों के साथ गलवान घाटी में शहीद हुए गणेश हांसदा की स्मृति में 16 जून को रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। आदिवासी युवा रक्तदाता राजेश मार्डी ने बताया कि यह शिविर बहरागोड़ा प्रखंड के बांसदा स्थित प्राथमिक विद्यालय में होगा।

साकची बाजार में लगाया वाटर कूलर

JAMSHEDPUR : मारवाड़ी युवा मंच, टाटानगर अचीवर्स शाखा ने साकची बाजार स्थित बाल मंदिर पूजा स्थल, बताशा लाइन में वाटर कूलर लगाया है। इसका उद्घाटन गुरुवार को किया गया, जिसमें अमृतधारा के प्रायोजक सन्नी संघी, सनी सिंह और हरप्रीत सिंह के अलावा शाखा अध्यक्ष अंशुल रिंगासिया, बाल मंदिर के संस्थापक सह सचिव सुमन अग्रवाल भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा सचिव विजय सोनी, शाखा कोषाध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, सन्नी संघी, हरप्रीत सिंह, अमित अग्रवाल, सौरव अग्रवाल, प्रांतिया अमृतधारा संयोजक मोहित मूनका, रिंकू जालुका, बजरंग अग्रवाल, गौरव अग्रवाल, अमिश अग्रवाल, अश्विनी अग्रवाल का योगदान रहा।

सर्पदंश से भाई की मौत, बहन की हालत गंभीर

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिले के बणई थाना क्षेत्र के काटूरीधुआ गांव में रात में सांप के डसने से एक बालक की मौत हो गयी, जबकि बहन की हालत गंभीर है। परिवार एक साथ सो रहा था तो भाई संदीप ओराम (4) और बहन अलीशा ओराम (12) को एक जहरीले सांप ने काट लिया। इलाज के दौरान भाई की मौत हो गई, जबकि बहन की हालत गंभीर होने के कारण उसे राउरकेला ले जाया गया।

शनिदेव जयंती पर झारखंड शांति यज्ञ में किया गया हवन-पूजन

पूजा-अर्चना करते पुजारी • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: जुगसलाई में दुखु मार्केट के पास रेलवे लाइन किनारे सत्यनारायण मंदिर रोड स्थित शनिदेव मंदिर में गुरुवार को झारखंड शनि शांति यज्ञ (हवन) हुआ।

पूजा-अर्चना दामोदर शनि बाबा के नेतृत्व में पं. ज्ञानी शर्मा व अशोक शर्मा सहित 11 पुरोहितों ने कराई। अनुष्ठान की शुरूआत सूर्य पुत्र शनि देव के पूजन से हुई। आमवस्या के शुभ अवसर पर गुरूवार को प्रातःकाल 7 बजे से नवग्रह पूजा एवं हवन आरंभ हुआ, जो संध्या 6 बजे तक चला। संध्या 5 से 6 बजे तक विशेष नागरिकों द्धारा हवन-पूजन किया गया। दोपहर 11 बजे से प्रसाद का वितरण आरंभ हुआ, जो संध्या 5 बजे तक चला। इस अवसर पर शाम 7 बजे से भजन संध्या हुई,

- जुगसलाई के दुखु मार्केट में स्थित मंदिर में हुआ आयोजन

जिसमें स्थानीय गायक प्रेम अग्रवाल एंड टीम के भजनों पर श्रद्धालु रात भर झूमे।

इस मौके पर अतिथि के रूप में विधायक सरयू राय व मंगल कालिंदी, पूर्व विधायक मेनका सरदार, जिला पार्षद सदस्य कविता परमार, समाजसेवी सुदीप्तो डे राणा, शंभू सिंह, राजेंद्र प्रसाद, मनोज पुरिया, विमल अग्रवाल, अरविंद मिश्रा, विष्णु सोनकर, अनमोल वर्मा, शंभू जायसवाल, कुणाल भालोटिया, प्रवीण भालोटिया, अरूण गोयल, संगम गर्ग, गिरिराज महेश्वरी, अंकित गर्ग, सौरव अग्रवाल, आनन्द गोयल, आदि शामिल हुए।

टाटानगर से पटना और रांची से पटना के बीच कल चलेगी परीक्षा स्पेशल ट्रेन

CHAKRADHARPUR: दक्षिण पूर्व रेलवे 8 जून को टाटानगर से पटना और रांची के बीच परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। बताया जाता है कि 8 जून को ट्रेन नंबर 08109 टाटानगर-पटना परीक्षा स्पेशल और 09 जून को ट्रेन नंबर 08110 पटना-टाटानगर परीक्षा स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। वहीं, रांची से 8 जून को ट्रेन नंबर 08639 रांची-पटना परीक्षा स्पेशल और पटना से 9 जून को 08640 पटना-रांची परीक्षा स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा।

टाटानगर-पटना-टाटानगर परीक्षा स्पेशल : ट्रेन नंबर 08109 टाटानगर पटना स्पेशल ट्रेन टाटानगर स्टेशन से 8 जून को शाम के 4.15 बजे प्रस्थान करेगी और 9 जून की अहले सुबह 3 बजे पहुंच जाएगी। वहीं, वापसी के क्रम में ट्रेन नंबर 08110 पटना- टाटा परीक्षा स्पेशल ट्रेन पटना स्टेशन से 9 जून की रात 9.15 बजे प्रस्थान करेगी और विभिन्न स्टेशनों पर रूकते हुए टाटानगर 10 जून की सुबह 7.15 बजे पहुंचेगी। टाटानगर-पटना-टाटानगर परीक्षा स्पेशल ट्रेन का ठहराव चांडिल, पुरुलिया, भोजूडीह और महुदा, गोमो,

कोडरमा और गया स्टेशन पर होगा। इस ट्रेन में जेनरल क्लास के 3 कोच, स्लीपर टू टीयर श्रेणी के 12 कोच, थर्ड एसी के 3 कोच, सेकेंड एसी के 2 कोच तथा दिव्यांग के लिए 2 कोच लगाए जाएंगे।

रांची-पटना-रांची परीक्षा स्पेशल : ट्रेन नंबर 08639 रांची- पटना स्पेशल ट्रेन रांची से 8 जून को दोपहर 2.10 बजे रवाना होगी और विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए 8 जून की रात 11 बजे पटना पहुंच जाएगी। वापसी क्रम में ट्रेन नंबर 08640 पटना- रांची स्पेशल ट्रेन पटना से 9 जून की रात 9 बजे खुलेगी और विभिन्न स्टेशनों रूकते हुए 10 जून को सुबह 5.30 बजे रांची पहुंचेगी।

इस ट्रेन का ठहराव मुरी, बोकारो स्टील सिटी, गोमो, कोडरमा और गया स्टेशनों पर होगा। रांची-पटना-रांची परीक्षा स्पेशल ट्रेन में जेनरल क्लास के 5 कोच, स्लीपर टू टीयर श्रेणी के 4 कोच, थर्ड एसी के 1 कोच, प्रथम सह द्वितीय एसी श्रेणी के 1 कोच, 1 जेनरेटर कोच तथा दिव्यांग के लिए 01 कोच लगे होंगे।

आज से 14 जून तक टाटानगर-एर्नाकुलम का परिचालन रद्द

CHAKRADHARPUR: संबलपुर रेल मंडल के सरला स्टेशन में 7 से 15 जून तक प्री एनआई और एनआई कार्य किया जाएगा। इस वजह से रेलवे ने चक्रधरपुर रेल मंडल अंतर्गत आने वाले राउरकेला व झारसुगुडा स्टेशनों से खुलने वाली 6 ट्रेनों को विभिन्न तिथियों में रद्द करने की घोषणा की है। दो एक्सप्रेस ट्रेनों को परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। वहीं रेलवे ने ट्रेन नंबर 18189 व 18190 टाटानगर-एर्नाकुलम-टाटानगर एक्सप्रेस का परिचालन 7 से 14 जून तक चक्रधरपुर, गोइलकेरा, राउरकेला, झारसुगुडा, संबलपुर से बोबिली स्टेशनों के बीच रद्द कर दिया है।

टाटानगर-एर्नाकुलम - टाटानगर एक्सप्रेस इन तिथियों में परिवर्तित मार्ग से चलेगी।

ये ट्रेनें इन तिथियों में रद्द रहेगी

07-14 जून तक ट्रेन नंबर 18125 राउरकेला-पुरी एक्सप्रेस का परिचालन रद्द रहेगा।
08-15 जून तक ट्रेन नंबर 18126 पुरी-राउरकेला एक्सप्रेस का परिचालन रद्द रहेगा।
07-14 जून तक ट्रेन नंबर 08169 झारसुगुड़ा-संबलपुर पैसेंजर स्पेशल का परिचालन रद्द रहेगा।
07-14 जून तक ट्रेन नंबर संबलपुर-झारसुगुड़ा पैसेंजर स्पेशल का परिचालन रद्द रहेगा।
07-14 जून तक ट्रेन नंबर झारसुगुड़ा-संबलपुर पैसेंजर स्पेशल का परिचालन रद्द रहेगा।
07-14 जून तक ट्रेन नंबर संबलपुर-झारसुगुड़ा पैसेंजर स्पेशल का परिचालन रद्द रहेगा।

ये ट्रेनें इन तिथियों में परिवर्तित मार्ग से चलेगी:

07 से 14 जून तक ट्रेन नंबर 18189 टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग टाटानगर-जरोली-जखापुरा-कटक-खुर्दा रोड-विजयनगरम होते एर्नाकुलम तक जाएगी। इन तिथियों में टाटानगर-एर्नाकुलम एक्सप्रेस का परिचालन चक्रधरपुर, गोइलकेरा, राउरकेला, झारसुगुडा, सबलपुर से बोबिली स्टेशनों के बीच रद्द रहेगा।

06 से 12 जून तक ट्रेन नंबर 18190 एर्नाकुलम-टाटानगर एक्सप्रेस का परिचालन परिवर्तित मार्ग विजयनगरम-खुर्दा रोड-कटक-जखापुरा-जरोली-टाटानगर स्टेशन तक होगा। इस ट्रेन का परिचालन इन तिथियों में बोबिली से चक्रधरपुर स्टेशनों के बीच रद्द रहेगा।

परशुराम जयंती के लिए नारी शक्ति समिति महिलाओं से कर रही संपर्क

- शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में घूमकर लोगों को कार्यक्रम के लिए दिया जा रहा बुलावा

PHOTON NEWS JSR: बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में 9 जून को परशुराम जयंती का भव्य आयोजन होना है। इसके लिए शहर व आसपास के ब्राह्मणों को आमंत्रित किया जा रहा है। इसी क्रम में परशुराम जन्मोत्सव समिति से संबद्ध ब्राह्मण नारी शक्ति की सदस्य शहर के अलग-अलग क्षेत्र में ब्राह्मण समाज की महिलाओं को विशेष रूप से आमंत्रित कर रही हैं। इसी को लेकर नारी शक्ति समिति की बैठक गुरुवार को जुबिली पार्क में हुई। इसमें

आमंत्रण पत्र के साथ महिलाएं • फोटोन न्यूज

आयोजन को सफल बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति की सदस्यों ने बताया कि आयोजन को लेकर सभी महिलाओं में काफी उत्सुकता दिख रही है।

परशुराम जन्मोत्सव में महिलाएं बढ़-चढ़ कर भाग लेंगी। आज की बैठक में मीरा तिवारी, ब्यूटी तिवारी, अन्नु चौबे, अनीता पांडे, रंजना पांडे, विभा चतुवेर्दी, रिंकू दुबे, रंजना तिवारी, समृद्धि चौबे, नीलम द्विवेदी आदि शामिल थीं।

एमजीएम अस्पताल में बाइक चोरों को दबोचा, पुलिस को सौंपा

JAMSHEDPUR : कोल्हान के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एमजीएम के बाहर पार्किंग से गुरुवार सुबह दो चोरों को होमगार्ड जवानों ने धर दबोचा। पकड़े गए चोरी के आरोपी दुर्गा महतो और प्रदीप महतो आदित्यपुर के रहने वाले हैं। होमगार्ड नवीन कुमार सिंह ने बताया कि एमजीएम अस्पताल में लगातार बाइक चोरी की घटना हो रही थी। जून में दो बार पार्किंग से बाइक चोरी हुई है। गुरुवार को भी ये दोनों आरोपी बाइक चोरी की फिराक में बैठे थे। तभी इन्हें अन्य होमगार्ड जवानों के सहयोग से पकड़ा गया। सीसीटीवी फुटेज देख कर इनकी पहचान की गई है। ये वही दो बाइक चोर हैं, जिन्होंने लगातार दो बार एमजीएम की पार्किंग से बाइक चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

काले की माता बलजीत कौर खनूजा की अंतिम अरदास में शामिल होने पहुंचे लोग

अरदास में शामिल लोग • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले की माता स्व. बलवंत कौर खनूजा की आत्मा की शांति के लिए गुरुवार को साकची गुरुद्वारा साहेब में अंतिम अरदास संपन्न हुई। इसमें झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, धनबाद के पूर्व सांसद पशुपति नाथ सिंह, जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय, जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी, सीजीपीसी के प्रधान भगवान सिंह, चेयरमैन सरदार शैलेन्द्र सिंह, साकची गुरुद्वारा के प्रधान निशान सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, उनकी धर्मपत्नी मीरा मुंडा, रांची के भाजपा नेता गुरविंदर सिंह सेठी, जिप उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, अध्यक्ष बारी मुर्मू, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु ओझा मौजूद रहे।

सरायकेला-खरसावां में हुई जिला समन्वय समिति की बैठक, विभिन्न विभागों के लिए निर्धारित किया गया लक्ष्य

योग्य लाभुकों को हर हाल में मिले योजनाओं का लाभ : उपायुक्त

PHOTON NEWS SARAIKELA: लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद समाहरणालय सभागार में उपायुक्त रविशंकर शुक्ला की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला समन्वय समिति की बैठक हुई। इस दौरान उपायुक्त ने विभागवार संचालित विभिन्न योजनाओं-कार्यो की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को कार्य योजना निर्धारित कर योजनाओं को निर्धारित समयावधी में पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं, ऐसी योजना जिसमें कार्य प्रगति धीमी पाई गई, उसमें सुधारात्मक प्रगति लाने, क्षेत्रीय पदाधिकारियों की जवाबदेही तय कर योजनाओं के उद्देश्य को पूर्ण करने तथा योजनाओं के नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। इस दौरान उपायुक्त नें विभिन्न माध्यम से

बैठक को संबोधित करते सरायकेला-खरसावां के डीसी • फोटोन न्यूज

सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा विभिन्न योजनाओं के तहत लंबित आवेदनों का निष्पादन कर सभी योग्य लाभुकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा आपूर्ति विभाग, कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, उद्योग विभाग, श्रम नियोजन, पशुपालन, जेएसएलपीएस, राजस्व समेत विभिन्न विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की क्रमवार समीक्षा हुई।

समय पर राशन वितरण करने का निर्देश

आपूर्ति विभाग की समीक्षा करते हुए निर्धारित समयावधि में राशन वितरण सुनिश्चित कराने तथा राशन वितरण में अनियमितता सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों पर जांचोपरांत कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं, जिला योजना कार्यालय अंतर्गत अनटायर्ड एवं डीएमएफटी मद से संचालित कार्य में तेजी लाने, भूमि प्रतिवेदन से संबंधित लंबित मामलों का यथाशीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। वहीं, स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा कर लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने, नियमित स्वास्थ्य जांच शिविर लगाने तथा विभिन्न माध्यम से प्राप्त सोचनाओं पर अग्रतर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कल्याण विभाग की समीक्षा के क्रम में विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं के तहत प्राप्त आवेदनों का निष्पादन करनें, वनपट्टा के लंबित मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। राजस्व विभाग की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि बिना किसी वास्तविक कारण के म्यूटेशन संबंधित मामलों का रिजेक्शन ना हो यह सुनिश्चित करें, लंबित मामलों का यथाशीघ्र निष्पादन करने के निर्देश दिए।

कृषि ऋण माफी के लिए केवाईसी जल्द करें

कृषि विभाग की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त नें मुख्यमंत्री कृषि ऋण माफी योजना के तहत चिन्हित लाभुकों का केवाईसी कराने के निर्देश दिए। इस दौरान उपायुक्त नें पूर्व की बैठक में विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्र एवं विद्यालयों में पेयजल शौचालय एवं विद्युत की उपलब्धता के संबंध में दिए गए दिशा-निदेर्शों की समीक्षा करते हुए संचालित कार्य में तेजी लाते हुए सभी आंगनबाड़ी केंद्र एवं विद्यालय में पेयजल, शौचालय एवं विद्युत-आपूर्ति की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ये रहे उपस्थित

बैठक में उप विकास आयुक्त प्रभात कुमार बरदियार, प्रशिक्षु आईएएस कुमार रजत, निदेशक डीआरडीए, निदेशक-आईटीडीए, अपर उपायुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सरायकेला, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी एवं सभी कार्यपालक अभियंता उपस्थित रहे।

एग्रिको ट्रांसपोर्ट मैदान में तुलसी पौधे का वितरण

तुलसी का पौधा भेंट करते बस्ती विकास समिति के लोग • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR: बस्ती विकास समिति जमशेदपुर की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पर्यावरण सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में, गुरुवार को बस्ती विकास समिति द्वारा एग्रिको ट्रांसपोर्ट मैदान में पर्यावरण प्रेमियों के बीच पांच सौ से अधिक तुलसी पौधे का वितरण कर उन्हें तुलसी की महत्ता से अवगत कराया गया। इस दौरान समिति के अध्यक्ष खेमलाल चौधरी ने समिति के ऑनलाईन चित्रांकन प्रतियोगिता में 'पर्यावरण चुनौती एवं समाधान' विषय पर 5 वर्ष से 8 वर्ष एवं 8 वर्ष से 11 वर्ष की आयु वाले बच्चे-बच्चियां को भाग लेने की अपील की। जिसके लिए पेंटिंग को वाट्सएप 9431373471/ 70046 50614 पर भेजा जा सकता है। 9 जून को दोनों आयु वर्गों में सर्वश्रेष्ठ तीन पेंटिंग को भालुबासा में पुरस्कृत किया जाएगा।

BRIEF NEWS

बिहार में 10 जून से नए समय पर खुलेंगे स्कूल

PATNA : बिहार में भीषण गर्मी के चलते छात्र-छात्राओं के लिए बंद किए गए स्कूल 10 जून से वापस खुलने जा रहे हैं। राज्यभर में सोमवार से नए समय पर स्कूलों का संचालन किया जाएगा। शिक्षा विभाग ने इस स्कूलों की टाइमिंग बदल दी है। अब स्कूल सुबह 6.30 बजे खुलेंगे और 11.30 बजे छुट्टी कर दी जाएगी। एसीएस एस सिद्धार्थ के निर्देश पर शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में गुरुवार को आदेश जारी कर दिया गया। स्कूलों की नई टाइमिंग आगामी 30 जून तक प्रभावी रहेगी।

जांच करने गए सीओ से गाली-गलौज व हाथापाई

CHAMPARAN : जिले के गोविंदगंज थाना क्षेत्र में जमीनी विवाद की जांच करने गए अरेराज सीओ के साथ एक पक्ष ने हाथापाई और गलौज की है। सीओ के आवेदन पर गुरुवार को एक नामजद सहित पांच अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने सीओ के साथ हाथापाई करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया। घटना गोबिंदगज थाना के रढिया गांव का बतायी गयी है। जहां दो लोगो के बीच जमीनी विवाद के आवेदन पर जांच के लिए अरेराज सीओ उदय प्रताप सिंह गोबिंदगज थाना पुलिस के साथ पहुंचे थे। जांच के दौरान एक पक्ष उग्र होकर सीओ के साथ गाली गलौज करते हुए हाथापाई शुरू कर दिया ।

हत्याकांड मामले में दो शूटर गिरफ्तार, बाइक बरामद

BHAGALPUR : भागलपुर के सिटी एसपी श्रीराज ने गुरुवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि बीते 17 अप्रैल की रात्रि में नाथनगर थाना क्षेत्र अन्तर्गत चौकी नियामतपुर के रहने वाले निरंजन कुमार को बंगाली टोला में अज्ञात लोगों के द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में दो शूटर सुशील कुमार मंडल को मुंगेर से और दूसरे संजय मंडल को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। साथ ही घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद किया गया। उल्लेखनीय हो कि इस कांड में एक व्यक्ति को पूर्व में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चूका है।

तालाब में डूबकर युवक की मौत, मचा कोहराम

BHAGALPUR : जिले के सनोखर थाना क्षेत्र के अगैया गांव निवासी महेन्द्र यादव के 24 वर्षीय पुत्र अमित कुमार यादव की तलाब में डूबने से मौत होने के बाद पुलिस ने मृतक के शव को गुरुवार को पोस्टमार्टम के लिए भागलपुर भेज दिया है। अमित कुमार यादव की मौत बीते बुधवार को तालाब में डूबकर हो गई थी। मृतक के परिजन ने बताया कि मंगलवार सुबह आमित अपने भैंस को लेकर बहियार चराने के लिए गया था। दोपहर बारह बजे के आसपास गांव के ही बगल में स्थित तलाब में प्रत्येक दिन भैंस को नहलाता था और एक बजे के बाद घर आ जाता था। लेकिन समय पर घर नहीं आया तो परिजन उसे ढूंढने के लिए तलाब के पास गए तो देखा कि भैंस पानी में बैठा हुआ है, लेकिन इसका चरवाहा वहां नहीं है। इसके बाद इधर-उधर अमित का खोजबीन किया गया।

केंद्र में बनने वाली नयी सरकार में भूमिका को लेकर हर पहलू पर किया गया विचार

सीएम नीतीश ने जेडीयू सांसदों के साथ दिल्ली में किया मंथन

- लोजपा (आर) के मुखिया चिराग पासवान ने आज बुलाई है संसदीय दल की बैठक

AGENCY PATNA : लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे आने के बाद एनडीए की सरकार के गठन से पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपनी पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के सांसदों से मंथन कर रहे हैं। जेडीयू अध्यक्ष नीतीश एनडीए की बैठक में शामिल होने बुधवार को दिल्ली पहुंचे। वे फिलहाल राष्ट्रीय राजधानी में ही रुके हैं। गुरुवार को जेडीयू के कई सांसद सीएम से मिलने दिल्ली स्थित उनके आवास पर पहुंचे। नीतीश कुमार ने शुक्रवार सुबह दिल्ली में जेडीयू संसदीय दल की बैठक बुलाई है। दूसरी ओर, चिराग पासवान ने भी अपनी पार्टी लोजपा रामविलास के संसदीय दल की बैठक बुलाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक एनडीए संसदीय दल की बैठक गुरुवार सुबह 11 बजे बाद संसद भवन के सेंट्रल हॉल में होगी। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गठबंधन का नेता चुना जाएगा। इससे पहले एनडीए के विभिन्न घटक दल अपने-अपने सांसदों के साथ अलग से बैठकें करेंगे। जेडीयू और लोजपा रामविलास ने शुक्रवार सुबह 9.30 बजे अपने-अपने सांसदों को बुलाया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दो दिनों से दिल्ली में ही रुके हैं और अपनी पार्टी के नेताओं से लगातार विचार-विमर्श कर रहे हैं। इससे पहले बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर हुई एनडीए की पहली बैठक में जेडीयू, लोजपा रामविलास समेत सभी दलों ने एनडीए सरकार के गठन के लिए अपना समर्थन दिया। 12 सीटें पाकर किंगमेकर की भूमिका में आई जेडीयू नई सरकार के गठन से पहले मोलभाव की स्थिति में है। सूत्रों के मुताबिक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नई सरकार में पांच मंत्री पद, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और देशभर में जाति जनगणना कराने जैसी डिमांड रखी है। जेडीयू की रेलवे, ग्रामीण विकास, जल संसाधन जैसे अहम मंत्रालयों पर भी नजर है। चिराग पासवान ने कहा कि प्रधानमंत्री जो देंगे वे उसमें ही संतुष्ट हैं।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेंगे 2025 का विधानसभा चुनाव : सम्राट

लोकसभा चुनाव के बाद सियायी उठापटक और बयानबाजी और तेज हो गई है। इस बीच आज बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ा बयान दिया। उन्होने कहा कि हम 2025 का विधानसभा चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ेंगे। 1996 से हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चल रहे हैं। आगे भी चलेंगे इसमें परेशानी क्या है। दरअसल आज बिहार बीजेपी की बैठक थी। जिसके खत्म होने के बाद सम्राट चौधरी ने ये बयान दिया। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में 75 फीसदी सीटें जनता ने हमें जिताई हैं। ये हमारे कुशल चुनाव प्रबंधन का नतीजा है। और जिन 25 फीसदी सीट पर हार मिली है। उनकी समीक्षा कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 2025 का चुनाव हम लोग नीतीश कुमार के नेतृत्व और मार्गदर्शन में ही लड़ेंगे। हालांकि इससे पहले सम्राट चौधरी कहते आए हैं कि बिहार में 2025 का चुनाव बीजेपी अपने दम पर लड़ेगी और किसी को कंधा नहीं चढ़ाएगी। लेकिन अब सम्राट चौधरी के तेवर बदले-बदले लग रहे हैं। आपको बता दें इससे पहले बुधवार को जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा था कि 2024 के लोकसभा इलेक्शन रिजल्ट ने 2025 में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव का मार्ग भी प्रशस्त कर दिया है। 2025 का चुनाव बिहार में सीएम नीतीश के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। अब वही बात बीजेपी के सम्राट चौधरी कह रहे हैं। मतलब 2025 का चुनाव बिहार में एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। इससे पहले कल यानि बुधवार को प्रधानमंत्री आवास पर हुई राजग की बैठक में घटक दलों ने मोदी के नेतृत्व पर विश्वास जताया। बैठक में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार, तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष चंद्रबाबू नायडू समेत 15 दलों के 21 नेता मौजूद रहे।

पटना में पूर्व मुखिया के भाई को गोलियों से भूना

घटना स्थल पर जुटी लोगों की भीड़।

- नेउरा थाने के समीप अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम
- जांच में जुटी पुलिस, शीघ्र गिरफ्तारी का दिया आश्वासन

AGENCY PATNA : बेखौफ बदमाशों ने पटना से सटे बिहटा में एक युवक को सरेआम गोलियों से भून डाला। तीन गोली लगने के बाद युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना नेउरा थाना क्षेत्र मखदुमपुर गांव के पास की है। मृतक की पहचान बेचू टोला निवासी रमेश यादव के 25 वर्षीय बेटे राकेश उर्फ अमलेश कुमार के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही मौके पर नेउरा थाने की पुलिस समेत विभिन्न थानों की पुलिस टीम पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और छानबीन में जुट गई है। राकेश गोनवां पंचायत के पूर्व मुखिया का भाई था। कुछ साल पहले राकेश के दादा-दादी की भी हत्या कर दी गई थी। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि राकेश पटना से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान मखदुमपुर गांव के पास पहले से घात लगाए बदमाशों ने उसके ऊपर फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी की इस घटना में तीन गोलियां लगने के बाद राकेश की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर नेउरा थाने की पुलिस समेत विभिन्न थानों की पुलिस टीम पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

किरायेदार के हत्या मामले में मकान मालिक को आजीवन कारावास की सजा

- मोतिहारी शहर के छतौनी थाना क्षेत्र के छोटा बरियारपुर गांव में हुई थी घटना

AGENCY CHAMPARAN : किराए के मकान में रहकर अपने छोटे-छोटे बच्चो को पढ़ा रही महिला किरायेदार को उनके बच्चों के सामने ही गोली मार हत्या कर देने के चर्चित मामले में द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार तिवारी ने दोषी पाते हुए नामजद अभियुक्त को आजीवन कारावास एवं पंद्रह हजार रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाया है। सजा मोतिहारी शहर के छतौनी थाना अंतर्गत छोटा बरियारपुर निवासी मकान मालिक संजय कुमार सिंह को हुई। न्यायाधीश ने मृतका शैल देवी के नाबालिग पुत्र नितेश कुमार,विशाल कुमार एवं पुत्री अनुप्रिया को विक्टिम कम्पनसेशन एक्ट के तहत सहायता का पात्र मानते हुए निर्देशित किया है कि निर्णय की प्रति के साथ डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विस अथॉरिटी कार्यालय के समक्ष सहायता राशि के लिए आवेदन करें। घटना के चश्मदीद गवाह 13 वर्षीय पुत्र नितेश कुमार हैं जो अपने छोटे भाई बहनों के साथ गोली लगने के बाद छटपटा कर मरते देख भयभीत होकर दरवाजा बंद कर बिछावन के नीचे दुबके रहे। दूसरे दिन गांव से पहुंची उसकी चाची चंद्र ज्योति देवी का आवाज पहचानने के बाद घर का दरवाजा खोला। सूचना पर पहुंची छतौनी पुलिस ने प्राथमिक दर्ज कर अनुसन्धान शुरू की। घटना की रात ही आरोपी ने एक अन्य किराएदार को भी जख्मी किया था। गिरफ्तार मकान मालिक के साथ बरामद पिस्टल एवं मृतक के शरीर से निकला पिलेट के प्रयुक्त होने की पुष्टि फोरेंसिक जांच में हुई थी।

चरस तस्करी मामले में एक को दस वर्ष की सजा

एनडीपीएस कोर्ट-1 के विशेष न्यायाधीश नूर सुल्ताना ने चरस तस्करी मामले में दोषी पाते हुए एक नामजद अभियुक्त को दस वर्षो का कठोर कारावास एवं दो लाख रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाई है। अर्थ दंड नहीं देने पर तीन महीने की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा नेपाल नारायणी थाना के जलेश्वर जनकपुर निवासी गुलाब बाबू मंडल को हुई है। मामले में रक्सौल पनटोका एसएसबी कैंप के अधिकारी अरूण कुमार सिंह ने प्राथमिकी दर्ज कराया था।

कल से 15 जुलाई तक चलेगी इग्नू सत्रांत परीक्षा

KISHANGUNJ : इग्नू शिक्षार्थी सहायता केन्द्र- 86011, मारवाड़ी कॉलेज, किशनगंज में इग्नू सत्रांत परीक्षा, 07 जून से शुरू होगी और 15 जुलाई तक चलेगी। दोनों पालियों में होने वाली इस परीक्षा में कुल 13561 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। उक्त जानकारी गुरुवार को देते हुए समन्वयक-सह-केंद्राधीक्षक डॉ अश्विनी कुमार ने बताया कि देश-विदेश में इग्नू की परीक्षा 07 जून से शुरू हो रही है, जिसमें 9 लाख 10 हजार 881 परीक्षार्थी शामिल होंगे। किशनगंज जिले में मारवाड़ी कॉलेज को एकमात्र इग्नू परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डा. मिर्जा नेहाल अहमद बेग एवं प्रधानाचार्य-सह-एच.ओ.आई प्रो.(डा.) संजीव कुमार के दिशा-निर्देश पर सारी तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थियों को अपने साथ हॉल टिकट और इग्नू द्वारा जारी फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य है।

अग्निवीर व यूसीसी पर जदयू का बड़ा बयान, फिर से विचार करने की जरूरत

- बोले जेडीयू महासचिव और प्रवक्ता केसी त्यागी चुनाव में देखा गया है इसका असर

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी ने साफ कह दिया है कि बिहार को स्पेशल स्टेटस का दर्जा मिलना चाहिए। यह मांग जदयू के प्रवक्ता और पार्टी के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने की है। उन्होंने कहा कि कहा है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड पर हमारा रुख आज भी जस का तस है। जेडीयू महासचिव और प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि हमने तब भी कहा था कि इस मामले पर सभी स्टेक होल्डर को साथ लेकर चलने की आवश्यकता है। केसी त्यागी ने कहा कि हमने तब भी कहा था कि इस मामले पर सभी स्टेट होल्डर को साथ लेकर उनके विचारों को समझने की जरूरत है। यूसीसी पर नीतीश कुमार ने विधि आयोग के अध्यक्ष को चिट्ठी लिखी थी और कहा था कि हम इसके खिलाफ नहीं हैं लेकिन इसमें व्यापक विचार विमर्श की आवश्यकता है। अग्निवीर योजना का जिक्र करते हुए केसी त्यागी ने कहा कि अग्निवीर योजना को लेकर के बहुत विरोध हुआ था और चुनाव में भी उसका असर देखने को मिला है। इस पर दोबारा से विचार करने की जरूरत है। अग्निवीर योजना को नए तरीके से सोचने की आवश्यकता है। जो सुरक्षाकर्मी थे सेना में तैनात थे और जब भी अग्निवीर योजना आई तो बड़े तबके में असंतोष था। मेरा ऐसा मानना है कि उनके परिवार जनों ने भी चुनाव में विरोध जारी किया, इसलिए आज इसमें नए तरीके से विचार विमर्श की जरूरत है। जदयू प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि जहां तक एक देश एक चुनाव की बात है, हम उसके समर्थन में हैं। केसी त्यागी ने कहा कि हम एनडीए के मजबूत हिस्सेदार के रूप में सामने आए हैं। हम अटबिहारी की एनडीए सरकार में कई अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

चलती बाइक से बदमाशों ने पूर्व सैनिक की पत्नी के गले से छीनी सोने की चेन

- सीसीटीवी में कैद हो गई बदमाशों की तस्वीर जांच में जुटी पुलिस

AGENCY ARARIYA : फारबिसगंज शहरी थाना से महज कुछ दूरी पर गुरुवार दोपहर में बाइक पर सवार पूर्व सैनिक की पत्नी के गले से बाइक सवार दो बदमाशों ने सोने का चेन छीन लिया। पूर्व सैनिक पंकज कुमार वर्तमान समय में फारबिसगंज थाना में डायल 112 में पदस्थापित हैं।वह अपनी पत्नी लीला देवी को बाइक पर बैठाकर थाना से आगे बगीचा चौक की ओर से निकले ही थे कि गौशाला के पास में पीछे से बाइक पर सवार दो बदमाश नजदीक आकर चलती गाड़ी से महिला के गले से सोने का चेन छीनकर भाग निकला।हालांकि बाइक सवार पूर्व सैनिक ने कुछ दूर तक पीछा करने की भी कोशिश की,लेकिन सड़क पर जाम और सामने से एक गाड़ी के आ जाने के कारण बदमाश तेजी से भाग निकला। बाइक पर सवार दोनों बदमाशों में आगे वाला हेलमेट पहना हुआ था, जबकि पीछे वाला अपने चेहरे को रुमाल से ढके हुए था। बदमाशों द्वारा चेन छिनतई की घटना अगल बगल के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गई है। जानकारी के बाद पुलिस सीसीटीवी कैमरा के फुटेज को खंगालने में जुटी है। पूर्व सैनिक पंकज कुमार ने बताया कि वह अपनी पत्नी को बाइक पर बिठाकर बगीचा चौक स्थित रिचार्ज सेंटर की ओर जा रहा था। इसी क्रम में गौशाला के पास पीछे से बाइक पर सवार दो बदमाश नजदीक आए और चलती गाड़ी से पत्नी के गले से सोने का चेन छीन कर भाग गया।उन्होंने काफी दूर तक पीछा करने की भी बात कही।

निर्जला व्रत रख सुहागिनों ने सुहाग की रक्षा और पति की दीर्घायु को लेकर की वट सावित्री की पूजा

- मंदिरों व बरगद के पेड़ के नीचे सुबह से पहुंचने लगी थीं व्रती, चढ़ाए गए नैवेद्य व ठेकुआ

AGENCY ARARIYA : अररिया समेत पूरे जिले में जेठ अमावस्या गुरूवार को सुहागिन महिलाओं ने अपने सुहाग की रक्षा और पति के दीर्घायु की कामना को लेकर वट सावित्री का निर्जला व्रत रख पूजा अर्चना की। वट वृक्ष की पूजा अर्चना करते हुए सुहागिन महिलाओं ने अखंड सौभाग्य का वर मांगा। वट सावित्री पूजा को लेकर वट वृक्ष यानी बरगद के तले सुबह से ही व्रती महिलाओं का तांता लगा रहा। सुहागिन महिलाओं ने कच्चा सूत बांध परिक्रमा कर वट वृक्ष की विधि विधान से पूजा की। इससे पूर्व वट पूजा को लेकर सुहागिनों द्वारा सुबह होने से पहले घरों में पूजा की तैयारी की गई। आटे व गुड़ की बरगद, पूड़ी, ठकुआ, पुआ आदि का नैवेद्य भोग का प्रसाद बनाय गया। कच्चे सूत की माला बनाई गई और पूजा का थाल सजाया गया। सुहागिन महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर देवी गीत गाते हुए घर से बरगद के पेड़ का रास्ता तय किया। सुहागिनों ने वट वृक्ष की परिक्रमा कर बरगद, पूड़ी, पकवान, पुआ, सुहाग सामग्री, हाथ का पंखा, आम, लीची का फल इत्यादि चढ़ाएं तथा हल्दी से रंगे कच्चे सूत की माला वट वृक्ष को चढ़ा कर सुहागिनों ने अचल अहिवात का वर मांगा। घर आकर पति को हाथ के पंखे से हवा कर पैर छूए एवं घर के बड़े बुजुर्ग से आशीर्वाद ले व्रत खोला। वट सावित्री पूजा को लेकर जगह जगह उत्साह का माहौल देखा गया। सुहागिन महिलाओं ने बताया कि न केवल धार्मिक, सांस्कृतिक रूप से ही वट वृक्ष का महत्व है, बल्कि साइनटिफिक और इकोसिस्टम को लेकर भी वट वृक्ष का बड़ा महत्व है।

वट सावित्री पर्व पर पूजा-अर्चन करतीं व्रती।

नरेंद्र मोदी की सभा में जानकी जी, विद्यापति महाराज व मैथिली भाषा में भाषण ने किया था प्रभावित

मिथिलांचल से एनडीए की सर्वाधिक जीत

- समस्तीपुर से शाम्भवी चौधरी सबसे कम उम्र की सांसद बनकर मिथिलांचल का बढ़ाया यश

AGENCY MADHUBANI : जिला मुख्यालय में बुद्धिजीवी मंच के संयोजक के नेतृत्व में गुरुवार को विमर्श मंथन हुआ। कार्यक्रम में दरभंगा प्रमण्डल के एनडीए सभी विजयी उम्मीदवारों को शुभकामनाएं दी गई। प्रो सुवीर चन्द्र मिश्र ने बताया कि गंगा नदी के इस पार मिथिलांचल परिसीमन है। मिथिलांचल परिक्षेत्र में एनडीए घटक दल उम्मीदवारों की जीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लहर का साफ प्रतिफल रहा। जिला के दोनों संसदीय क्षेत्र मधुबनी व झंझारपुर सहित गंगा के इस पार की सभी जगहों पर एनडीए की अन्तर समर्पित भाव व हवा मतदाताओं के बीच अंततः रहा। भाजपा विधान पार्षद सुनील चौधरी ने कहा कि दरभंगा में नरेन्द्र मोदी की सभा में जानकी जी विद्यापति महाराज दरभंगा व मिथिलांचल की चर्च मैथिली भाषा में काफी प्रभावित हुआ। समस्तीपुर के भाजपा विधान पार्षद तरूण कुमार ने बताया कि दरभंगा में नरेन्द्र मोदी का चरणस्पर्श प्रणाम व उनका आशीर्वाद से ही शाम्भवी चौधरी सबसे कम उम्र की सांसद बनकर मिथिलांचल से कीर्तिमान बनाया। यहां के मोदी समर्पित मतदाताओं ने दरभंगा, समस्तीपुर, हाजीपुर उजियारपुर, वैशाली, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, सुपौल, मधेपूरा, अररिया में एनडीए घटक दल के उम्मीदवारों को विजयी बनाया। आइएनडीआईए महागठबंधन का सुफरा साफ कर दिया। महागठबंधन के सभी प्रत्याशियों को एनडीए घटक दल के उम्मीदवारों द्वारा चारों मुंहखाने चित्त कर दिया गया। पूर्व मंत्री बिनोद नारायण झा, मंत्री नीतीश मिश्रा सहित एनडीए घटक दल के सभी विधायक चुनाव में समर्पित रहे। बुद्धिजीवी संगठन के संयोजक विमल सिंह ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री ऋतुराज सिन्हा, पूर्व मंत्री राणा रणधीर सिंह, मधुबनी नगर निगम के मेयर अरूण राय, देवेन्द्र प्रताप सिंह मुन्ना, हितेन्द्र ठाकुर नुनु, अविनाश गौड सहित अन्य कद्दावर भाजपा नेताओं ने बिना इफ- वट सभी क्षेत्रों में एनडीए उम्मीदवारों के पक्ष में कैम्पेन करता रहा।बुद्धिजीवी संवाद कार्यक्रम के तहत नरेन्द्र मोदी की विकास योजनाओं व मिथिलांचल की सांस्कृतिक धरोहर की संरक्षण संवर्धन व अक्षुण्णता रखने में नरेन्द्र मोदी की दत्तचित सार्वजनिक करतब का बखान करता रहा।

होम्योपैथी छात्र का कमरे में फंदे पर लटका मिला शव

MUZAFFARPUR : मुजफ्फरपुर में उस समय हड़कंप मच गया, जब होम्योपैथी के एक छात्र की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई है। इस मामले की जानकारी के बाद मौके पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। मामला सदर थाना क्षेत्र के आरडीएस कॉलेज के समीप का है। जहां होम्योपैथी के छात्र की संदिग्ध मौत हो गई। वह आरडीएस कॉलेज के समीप किराए के मकान में रहता था। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भिड़ जुट गई। लोगों ने मामले की जानकारी सदर थाने की पुलिस को दी। सूचना पर सदर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कमरे का दरवाजा खोला। कमरे के अंदर घुसने पर देखा गया कि छात्र का शव फंदे से लटका है। जिसके बाद उसके शव को उतारा गया। इस दौरान कमरे की तलाशी ली गई।

नदी तट पर मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

AGENCY KAIMUR : बहेरी गांव के कुनकुनहिया नदी के तट से एक युवक का शव बरामद किया गया है। परिजनों ने आशंका जताई है कि युवक की हत्या की गई है। क्योंकि मृतक के शरीर पर कई जगह कटने फटने के निशान बने हुए हैं। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भभुआ सदर अस्पताल में भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक बताया जाता है कि मृतक युवक भभुआ थाना क्षेत्र के बहेरी गांव निवासी रामविलास यादव के एकलौते 21 वर्षीय पुत्र बलजीत कुमार हैं। वहीं भभुआ सदर अस्पताल पहुंचे मृतक के परिजन और भभुआ जिला परिषद सदस्य विकास सिंह उर्फ लल्लू पटेल ने बताया कि युवक ने बीएससी का पेपर दिया था, जो कल भभुआ लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए गया हुआ था। जहां से दोपहर 12:00 बजे वह घर लौटा था, जिसके बाद घर से बिना बताए कहीं चला गया। जहां काफी देर होने के बावजूद भी घर वापस नहीं आया तो घर वाले परेशान होकर खोजने लगे, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। वहीं आज सुबह बहेरी गांव के कुनकुनहीया नदी के रास्ते से जा रहे एक व्यक्ति ने देखा तो एक युवक का शव पड़ा है, जिसके बाद उसने शोरगुल किया।

शव देखने के लिए जुटी भीड़।

दुश्मनों के लिए जासूसी करने वालों को हो सीधे फांसी की सजा

लोकसभा चुनाव के नतीजों के कोलाहल में बीते दिनों पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले एक देश के दुश्मन को दी गई उम्र कैद की सजा की खबर लगभग दब सी गई। ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व इंजीनियर निशांत अग्रवाल को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप साबित होने पर आजीवन कारावास की सजा नागपुर जिला न्यायालय ने सुनाई। अग्रवाल को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की ओर से जासूसी गतिविधियों के लिए आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत दोषी ठहराया गया। आजीवन कारावास के साथ-साथ उन्हें 14 साल के कठोर कारावास और उन पर 3,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया गया। देश के गद्दारों को इसी तरह की सख्त सजा मिलनी चाहिए , ताकि कोई मातृभूमि के साथ गद्दारी करने के बारे में सोचे भी नहीं। आपको याद होगा कि छह साल पहले 2018 में इस मामले ने पूरे देश में हलचल मचा दी थी । क्योंकि , यह ब्रह्मोस एयरोस्पेस से जुड़ा जासूसी का पहला मामला था। अग्रवाल दो फेसबुक अकाउंट नेहा शर्मा और पूजा रंजन के जरिए संदिग्ध पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के संपर्क में था। इस्लामाबाद से चलाए जा रहे इन अकाउंट्स के बारे में माना जाता है कि इन्हें पाकिस्तान के खुफिया एजेंट चला रहे थे। ब्रह्मोस मिसाइल की जानकारी लीक करने के आरोप में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र एटीएस और मिलिट्री इंटेलिजेंस ने अग्रवाल को गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसियों ने दावा किया कि उसके कंप्यूटर और अन्य डिजिटल उपकरणों की जांच की गई और पाया गया कि संवेदनशील डेटा ट्रांसफर किया गया था। यह कौन नहीं जानता कि हमारे यहां सेना की जासूसी करने वाले जयचंद और मीर जाफर भी जगह-जगह मौजूद हैं। इनमें सेना के अंदर ही छुपे कुछ गद्दारों, सरकारी अफसरों से लेकर तथाकथित पत्रकार आदि भी बहुरूपिये शामिल हैं, जो दिखते कुछ और हैं और करते कुछ और हैं। ये आरटीआई के माध्यम से धीरे-धीरे सूचनाएं निकालने की जुगाड़ में लगे रहते हैं। इन्हें अपने आकाओं से मोटा पैसा जो मिलता है। इसलिए ये अपनी मातृभूमि का भी सौदा करने से पीछे नहीं हटते। इनका जमीर मर चुका है। दरअसल सूचना के अधिकार (आरटीआई) की आड़ में भारतीय सेना की तैयारियों को लेकर कुछ देश विरोधी ताकतें सूचनाएं निकालने की फिराक में रहते हैं। यह ही तत्व सेना से संबंधित जानकारियां सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत मांगते हैं। यह सवाल इसलिए अहम हो जाता है , क्योंकि इधर देखने में आ रहा है कि कुछ तत्व सेना की अति संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण जानकारियों को हासिल करने में भी अनावश्यक दिलचस्पी लेने लगे हैं। केन्द्रीय कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में हुई एक बैठक 28 अप्रैल, 2022 को हुई थी जिसमें इस बात पर गंभीर चिंता जताई गई थी कि आरटीआई के नाम पर सेना की अहम जानकारियां मांगी जा रही हैं। यह बैठक सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे के रिटायर होने से दो दिन पहले ही हुई थी। देश के नागरिकों को आरटीआई कानून के तहत सूचना पाने के अधिकारों की सीमाएं भी हैं। सूचना अधिकार के द्वारा राष्ट्र अपने नागरिकों को, अपने कार्य को और शासन प्रणाली को सार्वजनिक करता है। लोकतंत्र में देश की जनता अपनी चुनी हुए व्यक्ति को शासन करने का अवसर प्रदान करती है और यह अपेक्षा करती है कि सरकार पूरी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्वों का पालन करेगी। लेकिन, आम जनता को यह अधिकार तो कतई नहीं दिया जा सकता कि वह देश की सुरक्षा और शत्रु का मुकाबला के लिए की जा रही तैयारियों की ही जानकारियां मांगने लगे। पाकिस्तान और चीन की तरफ से लगातार यह कोशिश बनी रहती है कि उन्हें हमारी रक्षा तैयारियों की जानकारी हासिल होती रहे। इसलिए यह दोनों देश हमारे नागरिकों को तरह - तरह के लालच देकर सूचनाएं लेते रहते हैं। अब माधुरी गुप्ता की कहानी जान लें। वह भारतीय विदेश सेवा की ह्यग्रुप बीह्व श्रेणी की अधिकारी थी। अपनी 27 वर्षों की लम्बी सेवा में माधुरी ने इराक, लाइबेरिया, मलेशिया, क्रोएशिया और पाकिस्तान में नौकरी की। उर्दू पर अच्छी पकड़ और सूफियाना मिजाज वाली माधुरी साहित्यिक गतिविधियों में भी सक्रिय रहती थी। खुले ख्यालों वाली माधुरी धूम्रपान, शराब-सेवन, गुटका खाने और पुरुष-मित्रों से सम्बन्ध बनाने के लिए खास तौर पर जानी जाती थी। कुछ साल पहले इस्लामाबाद-स्थित भारत के उच्चायोग में द्वितीय सचिव के रूप में पोस्टिंग के दौरान माधुरी को उर्दू पर अच्छी पकड़ होने के कारण पाकिस्तानी मीडिया को मॉनिटर करने का काम सौंपा गया था। पाकिस्तान में पोस्टिंग के बमुश्किल छह महीने बीतते-बीतते माधुरी जमशेद, जिसका कोड नाम जिम था, के द्वारा फंसा ली गई। भारत सरकार के अधिकारियों को जब आभास हुआ कि माधुरी शत्रु के जासूसी षड्यंत्र में फंस गई है तो पुष्टि के लिए उसके माध्यम से एक गलत सूचना जानबूझ कर भेजी गई। परिणामस्वरूप, खुफिया सूचनाओं को लीक करने का माधुरी के कारनामों का पक्का यकीन हो गया। भूटान में आयोजित होने वाले सार्क समिट की तैयारियों के बहाने माधुरी गुप्ता को भारत वापस बुलाया गया। 22 अप्रैल 2010 को वह वह ज्यों ही दिल्ली के हवाई अड्डे पर उतरी तो खुफिया एजेंसी के लोगों ने उसे अपनी पकड़ में ले लिया। पूछताछ से पता चला कि वह आईएसआई के दो जासूसों झ्र मुन्नवर रजा राना और जमशेद उर्फ जिमी से सांठगांठ करके उन्हें खुफिया सूचनाएं सप्लाई करती थी।

लोक आकांक्षा ही सर्वोपरि!

ANALYSIS

गिरीश्वर मिश्र

इस चुनाव में एक ओर दस सालों से काबिज राजसत्ता को कायम रखने के लिए उद्यत एनडीए था तो दूसरी ओर उसे सत्ता से बेदखल करने की फिराक में जुटा फुटकर दलों का फौरी इंडी गठजोड़ था । सत्ता-संघर्ष के नाटक के हर अंक में विविध दृश्यों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही कथानक के केंद्रविंदु बने रहे। इसके लिए आक्रामक रुख अपनाते और धिक्कारते स्वर में इंडी गठबंधन विकास कार्यों, आर्थिक प्रगति, गरीबों तथा पिछड़े तबकों की उन्नति के उपायों और आधार-संरचना के तीव्र विकास को झुठलाता रहा। भारत की आर्थिक उन्नति, निखरती अंतरराष्ट्रीय छवि और राष्ट्रीय गौरव बोध से भी उनका कोई वास्ता नहीं रहा। कांग्रेसी अगुआई में विपक्षी जोड़-तोड़ का एकल एजेंडा था मोदी से मुक्ति । इसलिए वे मोदी सरकार की उपलब्धियों को सिरे से खारिज करते रहे पर उनके पास भारत के लिए अपना कोई रचनात्मक खाका नहीं था। चालू योजनाओं में फेरबदल कर वे अपनी घोषणाएं पेश करते रहे।

दो महीने के दुरंत निदाघ-काल में सात चरणों में फैला लोकसभाई चुनाव नेताओं, चुनाव कर्मियों और वोटरों सबके लिए घोर तपस्या से कम न था। विश्व के विशालतम आम चुनाव के दौरान देश की जनता को अपने भारतीय लोकतंत्र की चाल-ढाल की विलक्षण छटाएं देखने को मिलीं। ग्यारह लाख और आठ लाख से ज्यादा के अंतर से लोग जीते तो नोटा का भी एक जगह डेढ़ लाख वोटरों ने इस्तेमाल किया। निर्वाचन आयोग पर तोहमतें लगती रहीं पर उसने मुस्तैदी और निष्पक्षता से कार्य किया । इस चुनाव में एक ओर दस सालों से काबिज राजसत्ता को कायम रखने के लिए उद्यत एनडीए था तो दूसरी ओर उसे सत्ता से बेदखल करने की फिराक में जुटा फुटकर दलों का फौरी इंडी गठजोड़ था । सत्ता-संघर्ष के नाटक के हर अंक में विविध दृश्यों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ही कथानक के केंद्रविंदु बने रहे। इसके लिए आक्रामक रुख अपनाते और धिक्कारते स्वर में इंडी गठबंधन विकास कार्यों, आर्थिक प्रगति, गरीबों तथा पिछड़े तबकों की उन्नति के उपायों और आधार-संरचना के तीव्र विकास को झुठलाता रहा। भारत की आर्थिक उन्नति, निखरती अंतरराष्ट्रीय छवि और राष्ट्रीय गौरव बोध से भी उनका कोई वास्ता नहीं रहा। कांग्रेसी अगुआई में विपक्षी जोड़-तोड़ का एकल एजेंडा था मोदी से मुक्ति । इसलिए वे मोदी सरकार की उपलब्धियों को सिरे से खारिज करते रहे पर उनके पास भारत के लिए अपना कोई रचनात्मक खाका नहीं था । चालू योजनाओं में फेरबदल कर वे अपनी घोषणाएं पेश करते रहे । चुनावी सरगर्मी कभी नर्म-गर्म रही तो कभी तल्ख हुई। एक ओर से अतिरेक का उत्तर भी अतिरेक से ही दिया जाता

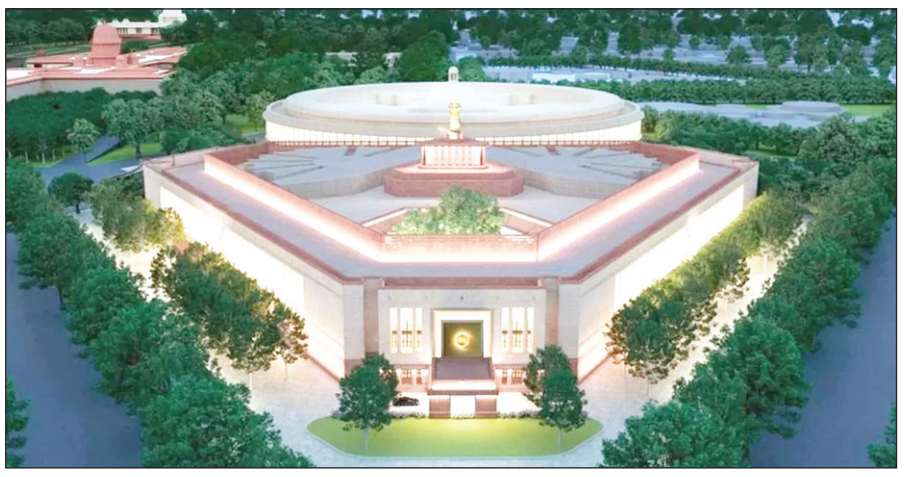

रहा। ऐसे क्षण भी आए जब शिष्टाचार की मयार्दाएं टूटती नजर आईं और निर्वाचन आयोग ने प्रचारकों को सख्त हिदायत दी और कुछ को प्रचार कार्य से अलग भी किया । सत्ताधारी दल में ज्यादा ही आत्मविश्वास था कि चार सौ से अधिक सीटों को जीतेंगे परंतु उसे सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा तो मिला पर पिछले बार से कम सीटें ही मिल सकीं। लगातार दस वर्षों का कार्यकाल नेता और जनता दोनों को थका, उबा कर संतृप्त करने वाला भी होता है। मोदी काल में कई मोर्चों पर सक्रियता दिखती रही। उसी का फल है कि छह दशकों पहले का इतिहास दुहराते हुए एनडीए तीसरी बार लगातार सरकार बनाने की ओर अग्रसर हो रही है। कांग्रेस ने पिछले चुनाव की तुलना में अच्छा प्रदर्शन किया। चुनाव के दौरान तरहझ्तरह के सवाल उठाए जाते रहे। सनातन और राम-मंदिर निर्माण को लेकर भी अनर्गल प्रश्न उछालते रहे। जनता-जनार्दन ने जिस उत्साह से राम-मंदिर का स्वागत किया और तीन महीने में ही डेढ़ करोड़ लोग दर्शन करने पहुंचे वह भावनात्मक एकता और मंदिर की बिना शर्त स्वीकृति का प्रमाण है। इस दौरान हिंदू और हिंदुत्व के कई रूप बनते-बिगड़ते दिखे। यह खेद की बात है कि हिंदू जीवन दृष्टि या जीवनशैली जो करोड़ों हिंदू आज भी जी रहे हैं वह सिद्धांत ही नहीं व्यवहार में भी इतना समावेशी है कि सारी विविधताओं को समेट कर धारण करता है। संशयात्मक आत्मबोध देश के गौरव और स्वाभिमान के रास्ते में भी अड़चन खड़ा करता है। इसके चलते 'भारतीय' कहलाना और 'भारतीयता' की बात करना संकुचित मानसिकता को बतलाता है । सीमित क्षेत्रीय बनाम व्यापक राष्ट्रीय आकर्षणों के बीच की रस्साकसी चलती रही। पड़ोसी देश की चिंता न करने का हवाला भी दिया गया । कहा गया उसके पास आणविक हथियार है। विपक्षी पार्टियों ने अपनी शक्ति-सामर्थ्य के विंदु गिनाने में जितना श्रम किया उससे अधिक विरोधी के छिद्रान्वेषण करने में लगाया और परिहास किया । शक्ति और सामर्थ्य के नाम पर दिवास्वप्न सरीखे प्रलोभनों की लम्बी सूची जरूर तैयार की जाती रही कि अगर सरकार बन गई तो किस-किस समुदाय को क्या-क्या दिया जाएगा । चुनाव के बीच अल्पसंख्यक बनाम बहुसंख्यक के विवाद को भी तूल दिया गया। बहुसंख्यक होने से हिंदू और हिंदुत्व को संशयग्रस्त पहचान के रूप में स्थापित करना और अल्पसंख्यक के लिए खतरे से रक्षा का नाटक अपने वोट सुरक्षित करने के लिए किया जाता रहा। इसे राष्ट्रबोध और देश, संस्कृति सभ्यता सबको हाशिए पर धकेलने का उपक्रम बन गया। इसी तरह जाति को लेकर टिकट बांटने और मतदाताओं को अपने पक्ष में लेने की कोशिश सब दलों ने की । जाति समाज की एक सच्चाई है और सभी दल उसकी निंदा करते हैं परंतु उसी का सहारा भी लेना चाहते हैं, आरक्षण भी देना चाहते हैं। इसका राजनैतिक लाभ लेने की कोशिश ताजा उदाहरण पश्चिम बंगाल से आया है जहां 77 समुदायों को टीएमसी की सरकार ने गलत ढंग से ओबीसी की श्रेणी में डाल दिया था जिसे उच्च न्यायालय ने गैर संवैधानिक पाकर निरस्त कर दिया था । चुनावी नतीजों ने जाति के बनते बिगड़ते समीकरणों की भूमिका फिर दिखा दी। अब चौसठ करोड़ जनता के वोट के आधार पर नतीजे आ चुके हैं। ये नतीजे बताते हैं कि छोटे क्षेत्रीय दलों की स्थिति डांवाडोल हुई है और राष्ट्रीय दलों के साथ आपसी तालमेल कमजोर रही। विभिन्न क्षेत्रों में स्थानीय मुद्दे छाए रहे पर सबके मन में केंद्र में एक मजबूत सरकार लाने की इच्छा थी । भाजपा को इससे लाभ मिला । भाजपा दक्षिण भारत में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में सफल रही। मोदी ने जातियों से ऊपर उठ कर सनातन जैसे उदार और समावेशी विचार को आगे बढ़ाया जिसमें सभी जातियों के लोग जुड़ सके। भाजपा के संकल्प-पत्र में देश के समग्र विकास की योजना की झलक थी जिसे उत्साह के साथ जनता के साथ बार-बार साझा किया गया। चुनाव के परिणाम जनता के विश्वासमत की पुष्टि करते हैं। चुनावी परिणाम प्रधानमंत्री की जनस्वीकृति पर राष्ट्रीय स्तर पर मुहर लगा रहे हैं। कभी व्यक्ति और कभी पार्टी को लेकर तोहमतें लगने के दौर भी लगातार चलते रहे । इसी तरह से न्याय व्यवस्था और उसके कायदे कानून तकनीकी दृष्टि से बड़े पेचीदे, बेहद खचीर्ले और अनावश्यक रूप से समयसाध्य बने हुए हैं जिनसे न्याय पाने में बिलंब होता है और लोग बेवजह सताए जाते हैं। इनमें जरूरी बदलाव अत्यंत आवश्यक है। इसी तरह व्यवस्थागत सुधार ले आने की आवश्यकता भी सभी महसूस करते हैं। गरीबी से जो निकल रहे हैं उनका पुनर्वास भी जरूरी है। नौकरशाही के जोर के आगे उसमें बदलाव लाना टेढ़ी खीर है पर उसे करने के अलावा कोई चारा भी नहीं है । विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच की चौड़ी खाई पाटना भी सरल नहीं है। भारत जैसे विविधतापूर्ण और विशाल देश की आकांक्षाओं को आकार देने का ऐतिहासिक कार्य प्रभावी नेतृत्व की प्रतीक्षा कर रहा है। आशा है नई सरकार इन प्रश्नों पर वरीयता से ध्यान देगी और कार्रवाई करेगी।

लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।

स्मृति ईरानी अमेठी को क्यों नहीं समझ पाईं

अठारहवीं लोकसभा चुनाव में अमेठी से स्मृति ईरानी की हार ने सबको चौंका दिया। कारण, उन्होंने अपनी जीत का दावा बढचढ़कर किया था और राहुल गांधी को सीधे मुकाबले के लिए ललकारा था। स्मृति ईरानी को पराजय का स्वाद गांधी परिवार के उस करीबी किशोरी लाल शर्मा से चखना पड़ा है जिन्हें उम्मीदवार बनाए जाने के बाद उन्होंने कोई महत्व ही नहीं दिया था। उनके इस दंभ का जवाब जनता ने ईवीएम का बटन दबा कर दिया। उन्होंने राहुल गांधी को 2019 के चुनाव में जितने वोटों से हराया था, उससे दोगुने से ज्यादा वोटो से गांधी परिवार के करीबी किशोरी लाल शर्मा ने उन्हें परास्त कर दिया। चुनाव परिणाम जानने के बाद लोगों की जिज्ञासा अब यह जानने में हो गई है कि जिस अमेठी पर स्मृति ईरानी को पांच साल में ही नाज हो गया था, आखिरकार उसने इतनी जल्दी उन्हें खारिज क्यों कर दिया। इसके एक नहीं अनेक कारण खोजे और गिनाए जा सकते हैं। पहले तो यह कि स्मृति ईरानी को यह अंदाज नहीं था कि राहुल गांधी अमेठी छोड़ देंगे। इसीलिए वह अमेठी में अपने काम गिनाने की बजाय पिछले 5 साल में गांधी परिवार और खास तौर पर राहुल गांधी को कोसने में ही लगी रहीं। अमेठी के लोगों में इसीसे उनकी नकारात्मक छवि बनी और चुनाव आते-आते यह नकारात्मक छवि नाराजगी में तब्दील हो गई। वोटरों के इस नाराजगी को ईरानी और उनके प्रबंधक आखिर तक पहचान ही नहीं पाए। मतदान के पहले और मतदान के बाद भी ईरानी के लोगों की मनमानी जारी रही। किशोरी लाल शर्मा समेत कई लोगों पर दबाव बनाकर एफआईआर दर्ज कराई गईं। इनमें दो तो यूट्यूबर थे। गांधी परिवार को हल्के में लेना स्मृति ईरानी की रणनीतिक भूल रही। गांधी परिवार ने 40 साल से रायबरेली-अमेठी के लोगों के अपने माध्यम से सेवा कर रहे किशोरी लाल शर्मा की छवि और काम को आगे करके स्मृति ईरानी को जवाब देने की रणनीति बनाई और प्रियंका गांधी ने उस रणनीति को अपने

धुआंधार प्रचार से धार दी। यह ध्यान में रखने वाली बात है कि प्रियंका गांधी ने जितना समय भाई के लिए रायबरेली में दिया उतना ही समय अपने परिवार की प्रतिष्ठा से जुड़ी सीट अमेठी में पार्टी प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा के लिए भी दिया। किशोरी लाल शर्मा ने भी अपने प्रचार के दौरान गांधी परिवार से रिश्तों और विकास की कहानी ही बताई, स्मृति ईरानी का एक बार नाम भी नहीं लिया। चुनाव में उनकी अपनी यह रणनीति कारगर रही। मतदाताओं ने उनके इस व्यवहार को पसंद भी किया। प्रियंका गांधी की एग्रेसिव कैंपेनिंग तो काम आई ही साथ ही स्मृति ईरानी की अपनी गलतियां भी उनको पराजय के द्वार तक ले जाने में मददगार बनीं। 2019 में राहुल गांधी को हराने वाली स्मृति ईरानी शायद आत्मविश्वास के अतिरेक का शिकार हो गईं। संगठन के कार्यकताओं को दरकिनार करके दूसरे दलों के एक वर्ग विशेष के नेताओं को तवज्जो देना भी उनके लिए चुनाव में घातक साबित हुआ। इन बड़े स्थानीय नेताओं से घिरे रहने की वजह से अमेठी के आम लोग उनसे दूर ही होते गए। अमेठी की ग्राउंड रिपोर्टिंग के दौरान मैंने यह खुद महसूस किया कि आम लोग स्मृति ईरानी से केवल इसलिए नाराज थे कि वह बड़े लोगों को ही पहचानती हैं। उन्हीं के घर आती जाती हैं और आम लोगों से उनका कोई वास्ता नहीं। उनके इसी व्यवहार ने भाजपा के कट्टर समर्थकों तक को पार्टी से दूर कर दिया। ऐसा एक बड़ा वर्ग इस बार ईरानी को सबक सिखाने के लिए ही किशोरी लाल शर्मा या कांग्रेस के पक्ष में खुद-ब -खुद चला गया। ईरानी की हार में उनके प्रतिनिधि विजय गुप्ता भी एक बड़ा कारण बने। विजय गुप्ता का व्यवहार किसी मंत्री के रसूख से भी ज्यादा था। अमेठी के लोग तो यह भी कहते हैं कि ईरानी उसी से बात करती थीं जिसकी तरफ विजय गुप्ता इशारा करते थे। अमेठी में स्मृति से नाराजगी की वजह एक गैरसरकारी संगठन 'उत्थान' भी बताया जा रहा है। अमेठी में चुनाव के दौरान कुछ कार्यकताओं ने दबी जुबान से बताया कि सरकार और सांसद निधि से होने वाले सारे काम ह्यउत्थानह्न संस्था के मार्फत ही कराए जाते हैं। इससे कार्यकताओं के लिए कोई अवसर ही नहीं है। इस आरोप में कितनी सचाई है, जांच का विषय है। स्मृति ईरानी ने अमेठी की परंपरा कही जाने वाली एक किंवदंती को भी नजरअंदाज किया। वह यह कि गांधी परिवार के अलावा अमेठी की जनता ने किसी भी उम्मीदवार दोबारा मौका नहीं दिया। अमेठी में यह चर्चा आम थी, लेकिन स्मृति ईरानी और उनके प्रतिनिधि के कानों तक नहीं पहुंची या उन्होंने अनसुना कर दिया। अगर जनता की इस बात को ही ईरानी ने गंभीरता से लिया होता तो परिणाम आज ऐसा न होता। अमेठी की जनता ने गैर गांधी परिवार के राजेंद्र प्रताप सिंह को 1977, कैप्टन सतीश शर्मा को 1996, संजय सिंह को 1998 और स्मृति ईरानी को 2019 में अवसर दिया। इतिहास है कि इन सभी को अमेठी की जनता ने दोबारा जीत का अवसर नहीं दिया। इनमें कैप्टन सतीश शर्मा तो कांग्रेस के ही टिकट पर जीते थे और गांधी परिवार के हनुमान कहे जाते थे, लेकिन जनता ने उन्हें भी दोबारा आम चुनाव में अवसर नहीं दिया। स्मृति इस किंवदंती को तोड़कर इतिहास रच सकती थीं। पर अपने ही कारणों से वे चूक गईं।

Social Media Corner

सच के हक में...

मेरे प्रिय मित्र का फोन पाकर खुशी हुई, @इमैनुएल मैक्रॉन महत्वाकांक्षी 'क्षितिज 2047' रोडमैप को पूरा करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता से अवगत कराया। भारत और फ्रांस के बीच मजबूत और भरोसेमंद रणनीतिक साझेदारी आने वाले समय में नई ऊंचाइयों को छूने वाली है।

(पीएम नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

सभी देशवासियों को शिवराज्याभिषेक दिवस की शुभकामनाएं। शिवाजी महाराज ने धर्म, राष्ट्रीयता, न्याय और जनकल्याण के स्तम्भों पर सुशासन की स्थापना कर हिन्दवी स्वराज्य के निर्माण हेतु अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए कठोर संघर्ष किए और आक्रांताओं के हौसले पस्त किए। छत्रपति शिवाजी महाराज की अमर गाथाएं अनंतकाल तक भारतीय जनमानस को गौरवान्वित करती रहेंगी। जय भवानी, जय शिवाजी।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक श्रद्धेय देवनारायण जी के निधन की दुखद सूचना प्राप्त हुई। देवनारायण जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र सेवा में समर्पित रहा। ईश्वर उनकी पुण्यात्मा को शांति प्रदान करें।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

प्रकृति को ओढ़ाते हरियाली की शाल

शिक्षक का ओहदा हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण होता है, जब वह छात्रों को प्रकृति के ऐसा जागरूक करे कि पूरा क्षेत्र ही हरियाली की चादर ओढ़ ले तो उसका स्थान अलग ही हो जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस पर हम आपको बता रहे हैं हरियाणा के भिवानी जिले के उपमंडल सिवानी के एक शिक्षक के बारे में जिनके पर्यावरण प्रेम ने छात्रों को इनता प्रोत्साहित किया कि क्षेत्र ने हरियाली की चादर ओढ़ ली। उनकी पर्यावरण की शिक्षा का ऐसा असर हुआ कि नगर के हजारों विद्यार्थी आज पर्यावरण के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इतना ही नहीं ये अपने शिक्षक कर्तव्य के साथ भी मन से न्याय कर रहे है तभी इनके कठिन विषय इतिहास में स्कूल के बच्चे टॉपर रहे है और शत प्रतिशत परिणाम हासिल करते हैं। इनकी खास बात ये भी है कि हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यम के बच्चों को पढ़ाते है। बिना प्रायोगिक विषयों में इनके छात्रों का शत प्रतिशत परिणाम प्राप्त करना कोई जादू नहीं इनकी अथाह मेहनत और समर्पण का परिणाम है। सिवानी के राजकीय संस्कृति मॉडल स्कूल में पदस्थ शिक्षक राजबीर बेनीवाल (इतिहास प्रवक्ता) के पर्यावरण प्रेम ने नगर सहित पूरे क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है। ये विद्यार्थियों के साथ वृहद स्तर पर पौधरोपण कर रहे हैं। बचपन से ही प्रकृति के प्रति राजबीर जी के बढ़ते तापमान और घट रही हरियाली के प्रति चिंतन को माता जी ने समझा और उन्हे पौधरोपण के लिए प्रेरित किया। फिलहाल मास्टर राजबीर पर्यावरण संरक्षण के लिए नगर पालिका के साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जिसका लाभ शहरवासियों को मिल रहा है। ये आज नगरपालिका सिवानी के स्वच्छता ब्रांड एम्बेस्डर है। राजकीय मॉडल विद्यालय सिवानी में पदस्थापना के बाद इन्हें प्रिंसिपल सुरेश कुमार और सभी अध्यापकों सहित सुबेसिंह और पूनमचंद बड़वा का विशेष सहयोग मिला, विद्यालय परिसर में ही इसकी शुरूआत हुई, परिसर में पौधरोपण के बाद स्कूल के चारों ओर तथा स्कूल के सामने मार्ग के दोनों ओर वृहद स्तर पर पौधा रोपण किया। शहर की विभिन्न सड़कों के साथ-साथ श्री कृष्णा प्रणामी स्कूल, बिश्नोई मंदिर और नगर की श्मशान भूमि जहां हरियाली नहीं थी, जैसे विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण किया। शिक्षक राजबीर बेनीवाल के पर्यावरण प्रेम ने धीरे-धीरे सभी का ध्यान खींचा। उनके पर्यावरण प्रहरी नामक महाअभियान से अब नगर के सामाजिक तथा धार्मिक संगठनों सहित प्रकृति प्रेमी जुड? लगे। लोगों के जुड़ाव का ही यह परिणाम है कि नगर से लगभग 7-7 किलोमीटर दूर तक हजारों पौधों का लक्ष्य रखकर वृहद स्तर पर पौधरोपण किया गया। सिवानी का पर्यावरण प्रहरी आज अभियान बन गया है। मास्टर राजबीर ने नियमित रूप से खुद के खर्च से खुद ही बीज या कलम से पौधे तैयार करके आते-जाते रास्ते में लगाने शुरू कर दिए। साथ-साथ निशुल्क लोगों को वितरित भी करते रहे। इसी प्रक्रिया को मास्टर राजबीर ने लगातार जारी रखा। राजबीर जी बताते हैं, शिक्षा विभाग में रहते हुए बार-बार स्थानान्तरण के चलते मुझे कई गांवों में सेवा का मौका मिला। इस दौरान मुझे प्रकृति के कई रूप देखने को मिले और मेरे प्रकृति प्रेम को जुनून में तब्दील होते देर नहीं लगी।' वर्तमान में मास्टर राजबीर खुद तो पेड़-पौधों का संरक्षण कर ही रहे हैं, साथ ही दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इसी जुनून के चलते आज वह सिवानी उपमंडल में कई जगह पौधे लगा चुके हैं। मास्टर राजबीर को जहां कहीं भी किसी संस्था द्वारा आमंत्रित किया जाता है, वहां पहुंचकर लोगों को विशेष रूप से बच्चों को प्रकृति के संरक्षण का पाठ पढ़ाते हैं। प्रकृति के प्रति अपने काम को ही अपने जीवन का कर्तव्य मानते हैं।

आगे देखने का समय

भारत में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच वोटों का अंतर काफी हद तक मिट चुका है। देश के दो प्रमुख राष्ट्रीय दलों- भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस को अगर देखें, तो जहां सत्तारूढ़ भाजपा का वोट प्रतिशत घटा है, वहीं कांग्रेस का बढ़ा है। पहले बात भाजपा की करें, तो पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को 37.3 प्रतिशत मत मिले थे, जिसमें इस बार एक प्रतिशत से कुछ ज्यादा की कमी आई है, पर सीटों की संख्या में तगड़ी गिरावट है। दूसरी ओर, 99 सीट जीतने वाली कांग्रेस का वोट प्रतिशत 19.5 प्रतिशत से बढ़कर 21.2 प्रतिशत हो गया है। वोट शेयर में बढ़त दो प्रतिशत भी नहीं है, लेकिन कांग्रेस की सीटों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। अगर हम राज्यवार जाएं, तो उत्तर प्रदेश में एनडीए और विपक्षी गठबंधन के मतों में अंतर एक प्रतिशत भी नहीं रह गया है, जबकि महाराष्ट्र में तो वोटों के मामले में इंडिया ब्लॉक मामूली अंतर के साथ एनडीए से आगे निकल गया है। पिछली बार उत्तर प्रदेश में विपक्षी गठबंधन कम से कम 11 प्रतिशत वोटों से पीछे था। वोटों के आंकड़े आने वाले दिनों में स्पष्ट होंगे, लेकिन यह तय है कि विपक्ष ने वोटों की एक बड़ी खाई को पाट दिया है। कांटे की यह टक्कर आखिर क्या इशारा कर रही है? शायद दलों के बीच का अंतर घट रहा है। आम आदमी पार्टी को ही अगर हम देखें, तो बड़े दावे के साथ यह पार्टी राजनीति में आई थी। इस बार भी चुनाव अभियान बहुत जोर-शोर से चलाया गया था, पर अपने राज्य पंजाब में वह महज तीन सीट पर जीत दर्ज कर सकी है। पिछली बार पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने विपक्ष पर बिल्कुल झाड़ू फेर दिया था। शायद आम आदमी पार्टी में लोगों को कुछ खास नहीं दिखा। दिल्ली में भी पार्टी ने बहुत मेहनत की थी, चुनाव प्रचार के लिए अरविंद केजरीवाल विशेष जमानत के साथ बाहर आए थे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Modi's grand dream turns sour

MARTIN Luther King Jr had a dream. Xi Jinping had a dream. Going into the campaign for this year's Lok Sabha elections, Narendra Modi, too, had a dream. He imagined 400-plus seats for the National Democratic Alliance (NDA). This week, the dream went sour. In 2014, Modi's major political contribution was to revive the Bharatiya Janata Party (BJP). In 2024, his biggest political contribution has been the revival of the Indian National Congress.Of course, Rahul Gandhi came into his own with his Bharat Jodo Yatra and Mallikarjun Kharge provided mature and wise leadership. But the policies of Modi's second term and the politics of his divisive and low-level electoral campaign played their part in the revival of the Congress' fortunes. Modi launched the 2014 election campaign declaring that he would make India 'Congress-mukt'. At the end of the 2024 polls, the party should thank him for doing his bit in its revival. A younger, youthful and energetic Congress has emerged from a decade of being on the back foot.

Modi is on course to make history with a third term as prime minister. The question is: What would a weaker Modi mean for the stability of a Modi-led NDA government? More importantly, what would an NDA government dependent on allies like N Chandrababu Naidu and Nitish Kumar mean for policy? Modi's 'guarantees' were for a Modi government. Neither Naidu nor Nitish are ideologically inclined towards that agenda, even if the pursuit of power keeps them on Modi's side. But, would it?June 2024 feels very much like May 2004. Every political analyst and pollster predicted victory for the NDA under the leadership of then Prime Minister Atal Bihari Vajpayee. When the results came in, the stock market took a deep dive. Within hours, a new alliance, the United Progressive Alliance, was cobbled together, and with the outside support of the Left Front, a government was formed under the leadership of Manmohan Singh. Modi is not a Vajpayee, even if Amit Shah is a Pramod Mahajan. Vajpayee stepped back. Will Modi and Shah step back? After all, the election campaign was about 'Modi ki Guarantee'. Is an NDA government willing to honour his guarantees?

The nation has thrust an important duty on Naidu and Nitish. Neither has proved to be a man of integrity or vision. Both have been self-serving and desperate for power. Yet, history has a strange way of demanding heroism from ordinary people. Recall how PV Narasimha Rao was assigned that role by fate and politics. On the verge of political retirement, packing his bags to become a pujari in a temple, Rao was not only made PM but also tasked with taking decisions that changed the course of the country's destiny. Can Nitish and Naidu play such a role as junior partners of a government dominated and controlled by Modi and Shah? Hardly. They would be kept in check on a daily basis by all the institutions at the command of the PM.

To avoid that danger to their personal and political careers and, more importantly, in the larger interests of the country and its federal structure, the least Naidu and Nitish should demand is that one of them gets the home ministry and the other gets finance. Surely, the INDIA parties, potentially with Kharge as the PM, may well be willing to give those two portfolios to these two gentlemen. Modi has been a lifelong hard political bargainer. Recall how he took charge of the BJP, wresting it away from Lal Krishna Advani, sidelining Sushma Swaraj and co-opting Arun Jaitley. The question is: Can Naidu and Nitish be as tough when they bargain?

There is a commonplace view within the commentariat that single-party majority governments are better than coalition ones. Facts support the opposite. In many ways, after the first post-Independence decade, the best period for the country in terms of economic development, poverty reduction, employment growth, global profile and domestic social stability was the quarter century from 1991 to 2014. It was a period in which three genial, consensual and wise gentlemen became prime ministers of India — Rao, Vajpayee and Manmohan Singh — heading coalition governments. In Rao's case, the Congress itself functioned like a coalition. Vajpayee and Singh headed explicit coalitions. India and Indians did well through their terms in office.

Inequality hindering India's march towards a developed nation

Amid rising inequality, India's growth potential and prospects of becoming a developed economy are bound to be adversely impacted.

INDIA is certainly going to become the world's third largest economy in the near future, for which the substrate has been created since Independence. The Indian economy has been evolving and transitioning to higher levels of growth and development. The economy grew at an average annual rate of 0.8 to 1 per cent, while the per capita income's (PCI) growth rate ranged from 0.04 per cent to 0.2 per cent between 1900 and 1947. From such a dismal base, the economy transitioned to an annual average growth rate of 4.1 per cent during 1951-64, a great achievement by any stretch of imagination.

A significant departure from the earlier phase (1951-64) was achieved during the 1980s (a growth rate of 5.7 per cent per annum during 1980-89 and 5.2 per cent per annum during 1990-2002). Clearly, the planned development strategy laid down strong foundations and created a formidable substrate for future growth and development. Even the foundations of space and atomic technology, about which the current political dispensation boasts so much, were laid down during the Nehruvian era. Nonetheless, ever since the NDA came to power in 2014, it has been mocking the previous governments (except the Vajpayee dispensation) and highlighting its own achievements. Such rhetoric often gives one the impression that it was only after 2014 that the Indian economy started developing. The post-Independence economic history of the country, however, does not support the claim.

ven the growth rate of the gross national income (GNI) and pre-capita income was higher during the 10 years of the UPA rule than in the decade of the NDA reign. The GNI (at 2011-12 prices) increased from Rs 50,43,422 crore in 2003-04 toRs 96,79,027 crore in 2013-14 and further to Rs 1,54,61,721 crore in 2022-23, according to the Economic Survey 2022-23. The estimated projected GNI for 2023-24 comes out to be Rs 1,63,10,753 crore. Clearly, the GNI increased by 1.92 times in 2013-14 over 2003-04, whereas it rose by 1.69 times in 2023-24 compared to that in 2013-14. The real PCI surged from Rs 42,995 in 2003-04 to Rs 68,572 in 2013-14 (a 1.60-fold increase) and increased to Rs 99,774 (projected) in 2023-24, a 1.46-fold rise over that in 2013-14. In 2022-23, the PCI was Rs 96,522.

The trend growth rate of the GNI in the UPA years (2004-14) was 2.7 per cent per annum. It was estimated to be 1.9 per cent per annum during the 10 years of the NDA government. The respective growth rates of the PCI were 1.9 per cent and 1.3 per cent per annum. The trend growth rate is a better measure of comparison than the compound growth rate (CGR) and year-on-year (Y-o-Y) growth rate as it takes into account each year's value while the CGR is based only on the initial year's and end year's values and the Y-o-Y growth rate is only for the preceding and succeeding years.

It is crystal clear that at the macro level, the economy performed significantly better during the UPA's two terms than during the NDA rule, even if we take into consideration the economic slowdown during the Covid-19 pandemic. Even the share of development expenditure in the Union budgets of the UPA was slightly higher (47.88 per cent compared to that of the NDA — 47.21 per cent).The economy got a shock due to the sudden and illogical decision of demonetisation in November 2016, which is visible from the slowdown during the succeeding years. The real growth rate of the GNI declined from 8.3 per cent in 2016-17 to 6.9 per cent in 2017-18 and further to 6.5 per cent in 2018-19, dwindling further to 3.9 per cent in 2019-20. The PCI growth rate dipped from 6.9 per cent in 2016-17 to 5.5 per cent in 2017-18 and further to 5.2 per cent in 2018-19. It nose-dived to 2.3 per cent in 2019-20 (all post-demonetisation but pre-Covid 19 years). The ever-increasing NPAs of banks and their very low recovery (up to 20 per cent) through a one-time settlement during the NDA rule is also a serious drag on public money and development.

The unemployment rate of 6.1 per cent in 2017-18 was at an all-time high in the previous 45 years, as per an NSSO survey. However, it recently registered a downward trend. The Periodical Labour Force Survey (PLFS) on employment and unemployment since 2018-19 is a poor substitute for the NSSO survey. What happened to unemployment and the quality of employment in the informal/unorganised sector is not being fully captured by the PLFS. The work participation rate — especially that of females — has also witnessed a significant decline in recent years. The ruling NDA's tendency of revealing less and concealing more — magnifying its own achievements and disparaging those of the earlier regimes — is also a new public discourse. Even the consumption data for 2017-18 was made public after great hue and cry by academia and civil society.

Private household savings are falling, and their debt burden is on the rise. In 2023, India was 111th out of 125 countries on the global hunger index, with its score of 28.7 indicating a serious hunger level. Paradoxically, it has been dismissed as an erroneous measure of hunger by the Indian government. And how can appropriate socio-economic policies be formulated and implemented in the absence of vital statistics such as the Census? It all shows that the government is not keen on sharing data with the citizens. Though basic issues like unemployment, hunger and inflation have been raised by the INDIA bloc, the election results show a mixed response from the voters.

However, amid rising income and wealth inequality, the country's latent growth potential and its prospects of becoming a developed and rich economy by 2047 are bound to be adversely impacted. As per the World Bank classification, India is currently a lower-middle-income economy, and according to former RBI Governor Raghuram Rajan, it will continue to remain so even in 2047. With a PCI of 10,123 dollars (PPP terms), India currently stands at the 125th place. The GDP of the US and China is, respectively, 7.53 and 5.31 times higher than that of India. The PCI (PPP terms) of the US and China, respectively, is 8.43 and 2.47 times higher than that of India. In view of this, India's goal to be a developed and rich economy by 2047 seems like a distant dream. The new government at the Centre would have to address these challenges.

India's message

Wins big in Arunachal, flops in Sikkim

LOUD and clear is the message conveyed by India's voters to Prime Minister Narendra Modi — never take us for granted. The BJP-led NDA has managed to get the better of the INDIA bloc in the 2024 General Election, but its victory was anything but emphatic. The landslide predicted by the exit polls failed to materialise; the ruling alliance's 'abki baar 400 paar' slogan remained just that — a slogan. The BJP's all-out attempts to bulldoze the Opposition into submission largely came a cropper as the Congress-spearheaded bloc put up a spirited fight. And at the end of the day, PM Modi didn't look all that mighty — for a change, he would have to rely heavily on regional satraps like Nitish Kumar and N Chandrababu Naidu to keep his government intact.

The BJP, in its heart of hearts, knew that a few influential allies would come in handy when the going got tough. No wonder Bihar CM Nitish's Janata Dal (United) returned to the NDA fold in January, while the Naidu-led Telugu Desam Party forged a tie-up with the BJP in March. The BJP has done well to upset Biju Janata Dal's applecart in Odisha and made major inroads in the South, but the reversals in Uttar Pradesh have left it shell-shocked. The inauguration of the Ram Mandir in Ayodhya was projected by the BJP as the high point of the PM's second term, but even this momentous event did not work wonders for the saffron party in UP, easily India's most important state in political and electoral terms. The Samajwadi Party-Congress combine turned the tables on the BJP with a remarkable performance. The beleaguered grand old party — which was in danger of losing its pre-eminence within INDIA — bounced back with a vengeance to nearly double its 2019 nationwide tally.The good news for Indian democracy is that the country is in no danger of becoming Opposition-mukt. The BJP is likely to be kept on its toes not only by its allies but also Congress and Co. Socio-economic issues such as unemployment, inflation and growing inequality, which played a significant role in influencing voters' choices, will have to be addressed on priority by the new government.

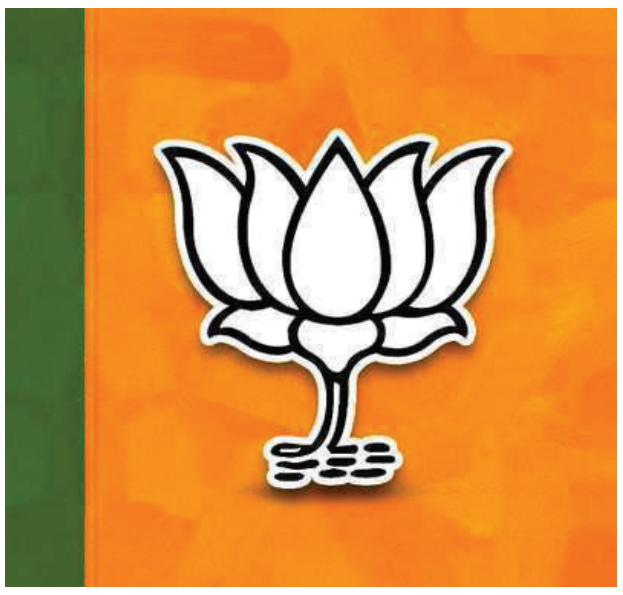

UP shows the way for a resurgent Opposition

The Opposition's ability to function as an effective counterpoint in Parliament and outside will depend on its cohesiveness and willingness to work on a common agenda.

IN 2004, Uttar Pradesh scripted the downfall of the Atal Bihari Vajpayee government, flattening the trumpeted 'India Shining' slogan crafted by the BJP to reveal the underbelly in the quotidian lives of people coping with hunger and unemployment. Twenty years later, it fell on UP again to rewrite the denouement of a saga whose beginning and middle seemed predestined. Few were ready for the last chapter of the elections that changed course after Uttar Pradesh, Maharashtra and West Bengal threw up unexpected outcomes. Together, these states send 170 MPs to the 543-member Lok Sabha.

The Opposition is not about to displace the BJP-led NDA. Narendra Modi will be there as the PM for a third term. But he is likely to preside over a dispensation with a shrunken majority, which will subject him to the checks and balances that a diminished mandate carries, especially if he is held to account for his claim in Parliament of 370 seats for the BJP and 400 for the NDA.

UP has been the BJP's 'karmabhoomi' since 2014. The seeds of its revival were sown in a western town, Muzaffarnagar, in the sugar belt, populated dominantly by the Jats. Muzaffarnagar was scarred by a bloody bout of communal violence in 2013, the likes of which was seen in UP after years. The resulting Hindu-Muslim divide paid dividends to the BJP the state over, but its aftermath persisted in every election thereafter until 2022. Hindus and especially Jats smiled sweetly at visiting journalists, celebrated their 'bhaichara' (brotherhood) with Muslims in poetry, voted the BJP and retrospectively explained their decision as born out of insecurity for Hindus. Muslims were pragmatic and admitted that they had no hope either from politicians or civil society.Yet, this year, Muzaffarnagar — of all places — turned its back on the BJP, voting out two-time BJP MP Sanjeev Kumar Balyan and voting in Harendra Singh Malik of the Samajwadi Party (SP), accused in these parts of 'appeasing' Muslims. So did Saharanpur, where the BJP had thrived on religious polarisation. It went to the SP's ally, the Congress. A change of heart? Fatigue with communal politics? Why did UP vote the way it did?

Every issue, be it reservation, welfare politics or even a leader's charisma, has a shelf life. So too does the 'communal card' — it can't be overplayed. Muslims have not retaliated against provocations and incitements during the BJP rule. They have remained unprovoked by the BJP's incessant baiting and dares from the Yogi Adityanath government. If they don't react, what's in it for the Hindus to act? Issues of livelihood, especially for the young who used to get swayed by the Bajrang Dal school of proactivism but bore the brunt of the economic paralysis following the Covid pandemic, preoccupied the voters.UP's Opposition, led by the SP's Akhilesh Yadav and the Congress' Priyanka Gandhi Vadra, were reticent about Hindutva and the caste factor. Indeed, while choosing candidates, Akhilesh nominated only five Yadavs from his family lest he was accused of pandering to his caste. If caste figured in their discourse, it was contextualised in the threat to the Constitution and statutory reservation by the BJP which persuaded many Dalits to abandon the BSP and vote for the SP.

Most of all, it was the subterranean tension between Adityanath and the BJP's central command that beset the UP BJP, fuelled by the speculation that his days as the CM were numbered and he would go the way of Shivraj Singh Chouhan and Vasundhara Raje because Modi allegedly perceived him as a threat to himself.

Will Adityanath become the first casualty of the BJP's reversals? A pushback is not easy because UP is not the only state that turned against the BJP. Would the CMs of Rajasthan and Maharashtra and the feisty Suvendu Adhikari of West Bengal be similarly penalised for the below-par showing in their states?

It is tantalising to speculate if Modi's writ would be allowed to prevail over such matters like before. Bitten more than once — and there are instances to demonstrate that the paterfamilias, the RSS, was overruled when tickets were distributed in these elections — the Sangh will see an opportunity to reassert itself, subtly or proactively, as KS Sudarshan, a former 'sarsanghchalak', did when Vajpayee was the PM.

Of immediate worry to a weaker BJP would be the equation between the Centre and the states ruled by the party, which Modi recast in the Indira Gandhi template of dumping leaders at will and replacing them with rootless wonders.

The allies, who lay low for the past five years, might get a fresh lease of life, especially N Chandrababu Naidu -- who steered Andhra Pradesh and the NDA to victory on his own steam -- Nitish Kumar, whose Janata Dal (United) bagged more seats than the BJP in Bihar and even the breakaway Sena and NCP factions in Maharashtra which did the BJP's bidding in the elections and delivered a patchy performance.

The past five years also saw the denigration of institutions, examples of which are too many to be recounted. The Election Commission's conduct of the elections elicited scrutiny and disapprobation from the Opposition and watchdog groups. Yet, there was no accountability of the political executive. robust Opposition is just what is required to fill a much-needed vacuum. The INDIA bloc hangs together as a loose coalition which seems to have come into own now. Its ability to function as an effective counterpoint in Parliament and outside will depend on its cohesiveness and willingness to work on a common agenda. Is that too much of an expectation?

Nvidia overtakes Apple to become world's second-most valuable company

The increase in Nvidia's market value, surpassing Apple's, highlights a significant shift in Silicon Valley's hierarchy.

New Delhi Nvidia's shares surged to record highs on Wednesday, lifting the AI chipmaker's market valuation to $3 trillion and surpassing Apple to become the world's second most valuable company.This rise in valuation comes as Nvidia prepares for a ten-for-one stock split on June 7, aimed at broadening its appeal to individual investors.The increase in Nvidia's market value, surpassing Apple's, highlights a significant shift in Silicon Valley's hierarchy.Apple, co-founded by Steve Jobs, has dominated the tech landscape since the launch of the iPhone in 2007. Meanwhile, Microsoft remains the world's most valuable company with a market value of $3.14 trillion, supported by a 1.5% increase in its shares.Nvidia's stock has climbed 147% so far in 2024, driven by high demand for its advanced processors. Companies such as Microsoft, Meta Platforms, and Alphabet are rapidly expanding their AI computing capabilities, boosting Nvidia's growth.The stock has risen nearly 30% since May 22, when Nvidia released an impressive revenue forecast.During Wednesday's trading session, Nvidia's stock briefly reached an intra-day high of $1,223.59, giving it a market value of $3.010 trillion, just ahead of Apple's $3.005 trillion.

By the end of the session, Nvidia's stock settled at $1,221.51, up 4.9%, with a market value of $3.004 trillion, while Apple's stood at $3.00 trillion, climbing 0.7%.Optimism about AI technology also boosted chip stocks broadly on Wednesday, with the PHLX chip index rising about 4%. Super Micro Computer, which sells AI-optimized servers using Nvidia chips, saw its stock increase nearly 5%.

Nvidia CEO Jensen Huang has been in the spotlight recently, receiving extensive coverage on Taiwanese television and drawing significant attention at the Computex tech trade fair in Taipei, where he was born before moving to the United States.

While Nvidia benefits from AI enthusiasm on Wall Street, Apple faces challenges with weak demand for iPhones and tough competition in China, the world's largest smartphone market.Some investors also view Apple as lagging behind other tech giants in integrating AI features into their products and services.

Sensex, Nifty continue recovery rally as PSU stocks rebound; BHEL jumps 12%

New Delhi Benchmark stock market indices continued to gain on Thursday as volatility dipped further in early trade.

The S&P BSE Sensex was up 247,23 points at 74,629.47 at 9:50 am, while the NSE Nifty50 rose 78.40 points to trade at 22,698.75.A sharp rebound in PSU stocks across sectors provided a much-needed boost on Dalal Street, with stocks such as BHEL, PFC and GAIL surging sharply as some brokerages backed their long-term potential to gain, despite the Lok Sabha election outcome.Nifty PSU Bank, Nifty Realty and Nifty IT were top gainers among sectoral indices.

The top five gainers on the Nifty50 were Coal India, NTPC, ONGC, SBI and Shriram Finance.

On the other hand, the top losers were Hero MotoCorp, HUL, Hindalco, Divi's Laboratories and Nestle India.

rashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities Ltd, said, "Nifty surged in yesterday's trade with all sectoral indices closing in green, as investors shrugged off election jitters, showing confidence in the long-term potential of the Indian market. India VIX tumbled 29%, signaling reduced volatility. Key catalysts include increased expectations for Federal Reserve interest-rate cuts, record-high closes for the S&P 500 and Nasdaq 100, and all-time highs for AI stocks like NVIDIA, with Apple nearing a $3 trillion market cap."

Meanwhile, Deven Mehata, research analyst at Choice Broking, said, "We have seen a sharp bounce back in the markets yesterday after news of NDA forming a government for the 3rd consecutive time. Global markets were also strong yesterday. Market can stay in a range for some days and we can witness some consolidation after high volatile days."

Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services also highlighted the fact that market seems to be coming back to normalcy after abnormal volatility of the last three days.The global construct has turned favourable with rising possibility of rate cuts by the Fed. Clear signs of weakening labour market in the US has led to sharp decline in the US bond yield to 4.29%. Even though this is favourable for foreign capital inflows, the FIIs continue to sell on high valuations in India particularly in comparison to the cheap valuations of Chinese stocks," Vijayakumar said.

SpiceJet looking to raise $250 million to boost ops

NEW DELHI. Cash-starved SpiceJet Chief Ajay Singh on Wednesday said the airline will be raising around $250 million in the next couple of months to boost operations. The airline is tackling multiple headwinds, including lessor and debt woes, with Singh saying the carrier has faced "significant black swan events".

"It is difficult to kill SpiceJet....and we are trying to fix the problems," he said and asserted that the airline's balance sheet will be cleaned up over the next two quarters. Recently, the airline raised $ 150 million, and is looking for more funds to grow its fleet and clear its various debt obligations.Meanwhile, IndiGo said that they are looking at various financing options for the wide-body planes that are expected to join the airline's fleet in 2027. Speaking at a session at the CAPA India Aviation Summit 2024 here, IndiGo CEO Pieter Elbers on Wednesday said having a strong balance sheet is an asset.In April, IndiGo announced placing a firm order for 30 A350-900 aircraft and also the option to buy 70 more such planes. Air India said that they will be retrofitting more than 100 planes, including 40 wide-body planes, and has ordered around 25,000 aircraft seats as part of revamping the fleet.

Air India chief Campbell Wilson also announced that the highly anticipated merger between Air India and Vistara is expected to be finalised by the end of the year. CAPA India had estimated $400 million to $600 million losses for the airlines in India in Fy25.

Not just spectrum auction, other telecom reforms likely to be delayed

NEW DELHI. After the postponement of the spectrum auction, other initiatives within the telecom ministry, such as rolling out regulations for the Telecommunication Act 2023 and implementing other telecom reforms, are likely to be delayed.

According to Department of Telecommunication (DoT) officials, the auction was deferred due to a lack of clarity within the government. Therefore, no decisions will be made on the auction until the situation becomes clearer. The DoT had planned several reforms, including curbing pesky calls and developing regulations for the Telecommunication Bill."We don't want to conduct the spectrum auction until a new government is formed," said an official. "Initially, we considered deferring the auction for 10 days, but with no clear timeframe for government formation, we've delayed it for 20 days. This delay will impact not only the spectrum auction but also other telecom-related work," the official added.The DoT has postponed the spectrum auction to June 25. This marks the second postponement, with the previous delay attributed to the election model code of conduct. The government plans to auction eight spectrum bands for cellular services at a base price of about R96,317 crore.The available spectrum includes bands in the 800 MHz, 900 MHz, 1,800 MHz, 2,100 MHz, 2,300 MHz, 2,500 MHz, 3,300 MHz, and 26 GHz ranges.

Will populism triumph fiscal consolidation in full budget Details here

New Delhi The Lok Sabha election results were a farcry from the predictions given by the exit polls and have paved the way for a coalition government to come to power.With the BJP led by Prime Minister Narendra Modi, failing to secure a majority, a coalition government at the Centre is the most likely outcome and which in turn may affect the upcoming Union Budget expected to be announced in July.Experts believe that a coalition government may turn to populist measures to woo the general masses and garner further political support.Christian de Guzman, senior vice president, sovereign risk group, Moody's, said that PM Modi's reduced mandate could lead to an increase in populist spending aimed at strengthening political backing.

He further said that the July budget is expected to incorporate the government's strategy for utilising the Reserve Bank of India's substantial Rs 2.11 lakh crore surplus transfer.

This surplus could either help solidify the fiscal position or be used to gain political support."Given the uncertain political scenario, there might be a higher likelihood of the latter," said Guzman.Rating agency Fitch on Wednesday said that the reduced majority of PM Modi-led NDA alliance might create obstacles for the more ambitious parts of the government's reform plans.

Moody's stated on Wednesday that a weak NDA government might hinder

reforms that could have enabled more aggressive fiscal consolidation.

"A narrow victory for the NDA may slow down the progress on fiscal consolidation," said Moody's.

But, the question then that needs to be asked is, how populist measures will affect the economy.Aditya Khemka, Fund Manager, InCred Asset Management said, "We do not expect any material adverse impact of the coalition government on corporate earnings and GDP growth. However, there is a reasonable probability that the upcoming budget in July 2024 may allocate higher sums to welfare schemes. This could in turn impact the fiscal deficit and hence the exchange rate for Rupee."A stable government in power has an edge when it comes to implementing economic reforms and ensures continuity of economic policies.However, the Lok Sabha election results have made it clear that a coalition government will come to power with support from the likes of TDP's N Chandrababu Naidu and Bihar Chief Minister Nitish Kumar.

Ratings agencies expect the upcoming government to maintain a consistent policy approach, with a focus on increased capital expenditure and gradual fiscal consolidation.owever, they also said that achieving reforms and meeting fiscal targets may pose significant challenges.

Kronox Lab Sciences IPO allotment: Step-by-step guide to check status

New Delhi The initial public offering (IPO) of Kronox Lab Sciences Limited concluded on Wednesday, garnering significant interest from investors.

The Kronox Lab Sciences IPO saw an overall subscription of 117.25 times. The retail section was subscribed 54.24 times, while Qualified Institutional Buyers (QIB) subscribed 89.03 times.The Non-Institutional Investors (NII) lead the public issue with a subscription of 301.92 time by June 5, 2024 (Day 3).The ronox Lab Sciences IPO offered 9,570,000 shares at a price band of Rs 129 to Rs 136 per share but received bids for 78,54,73,700 shares at the end of the final day of subscription.

Investors who have bid for the Awfis Space IPO can check their allotment status online. They can log in to either the BSE website or the KFin Technologies website and follow a few simple steps.Steps to check allotment through the BSE website:

Go to the BSE website by clicking here.

Click on 'Equity'.

Choose 'Kronox Lab Sciences Limited' from the list.Put in your application number and PAN card ID.Confirm that you're not a robot and submit.Steps to check allotment through KFin Technologies Limited

Visit the KFin Technologies website.

Select 'Kronox Lab Sciences Limited'.

Choose the Application Number/Demat Account/PAN option and enter the details.

Enter the Captcha.

Click on the 'SUBMIT' option.

Kronox Lab Sciences IPO latest GMP

The IPO's grey market premium (GMP) stands at Rs 40 as of June 6, 2024, at 10:59 AM.

Based on the upper price band of Rs 136 per share, the estimated listing price is projected to be Rs 176, indicating a potential gain of 29.41% per share.Kronox Lab Sciences IPO details

Kronox Lab Sciences is looking to raise Rs 130.15 crores. This IPO is a book-built issue, consisting entirely of an offer for sale of 96 lakh shares.

he bidding for the Kronox Lab Sciences IPO commenced on June 3, 2024, and concluded on June 5, 2024. The shares are expected to be listed on both BSE and NSE, with the tentative listing date set for Monday, June 10, 2024.

Pantomath Capital Advisors Pvt Ltd is serving as the book-running lead manager for the Kronox Lab Sciences IPO, and Kfin Technologies Limited is the registrar for the issue.

Sebi plans raising demat account threshold to Rs 10 L

MUMBAI. Sebi is planning to raise the limit of the value of securities held in basic service demat account (BSDA) by five times to R 10 lakh. Currently, an individual can hold debt securities worth up to R 2 lakh and other than debt securities worth up to R2 lakh in a single demat accounthe Securities and Exchange Board had introduced the BSDA facilities in 2012 to promote financial inclusion. In a consultation paper issued on Wednesday, the regulator has proposed to increase these limits to R10 lakh. The Sebi has also asked if the R10-lakh limit should be across debt and other-than-debt securities or if separate limits should be retained for the two categories."Keeping in view the growth of benchmark indices in the previous decade and to further enhance participation of retail investors in the securities market, including participation of investors holding

securities in physical form, the facility for BSDA has been reviewed and it is proposed to enhance the limit for a demat account to be categorised as BSDA," the paper said. The regulator is also reviewing the account maintenance charges (AMC) for BSDA and the services that will be provided through it.Currently, there is no AMC for accounts that hold up to R1 lakh in debt securities and R50,000 in other-than-debt securities. This limit has been proposed to be revised to R4 lakh. AMC for accounts holding between R4 lakh and R10 lakh worth of securities has been proposed as R100. Accounts holding more than R10 lakh have been proposed to be considered as a regular account, and therefore be charged the regular AMC.The changes are to further drive financial inclusion and also to further improve the ease of investing, Sebi said. "The proposed changes are aimed at achieving wider financial inclusion, encourage holding of demat accounts and to reduce the cost of maintaining securities in demat accounts for retail individual investors," the paper said.Sebi has sought public comments on the following key proposals in the draft paper: a) whether the BSDA limit should be enhanced over and above the proposed limit of R10 lakh and if yes, why; and b) whether, instead of a combined limit which shall be fungible across debt and other than debtsecurities as proposed, separate limits should be retained .

EV sales boom in Nepal, helping to save on oil imports, alleviate smog

KATHMANDU. Nepal's abundant hydroelectric power is helping the Himalayan nation cut its oil imports and clean up its air, thanks to a boom in sales of electric vehicles.Nearly all of the electricity produced in Nepal is clean energy, most of it generated by river-fed hydro-electricity. Thanks to that abundant source of power, the country is quickly expanding charging networks and imports of EVs have doubled in each of the past two years, according to customs data.The Nepal Electricity Authority estimates use of EVs has reduced oil import costs by $22 million a year, and the savings are increasing.Access to electricity in Nepal has soared in the past three decades as hydroelectric projects were completed. Now all but 6% of the population can reach the country's fast-expanding grid. That is enabling the country to leapfrog its neighbors in adopting EVs.

Nepal so far has the peak capacity to produce 2,600 megawatts of power and that is increasing as new hydropower plants are completed. A very small amount of power is also generated by solar plants."Our electricity in the grid is from hydropower so it is clean energy. And so Nepal is ideally placed to use electricity to run our vehicles in the best way it should be, which is that the energy source itself is clean. It is not coal, gas or nuclear or petroleum," said Kanak Mani Dixit, a leading environment and civil rights activist.Official data on sales were not available, but Chinese automaker BYD's Atto 3 and Indian maker Tata's Nexon appear to dominate sales of electric passenger sedans.Nepal has made boosting use of EVs part of its national commitments to curbing climate changing emissions, pledging to raise EVs to 25% of all auto sales by 2025 and 90% by 2030.To help drive more sales, the government is charging lower duties on imported EVs, ranging from 25% to 90%. The import duties on gas and diesel-fueled vehicles are 276% to 329%.

Nepal also has been quickly adding charging stationsSagar Mani Gnawali, who head the agency's department in charge of Electric Vehicle Charging infrastructure Development, said Nepal now has 400 charging stations and the number is expected to double within a year.Jyotindra Sharma, a cardiac surgeon

who has been driving an EV, a 2019 KIA Niro, for four years, says he is glad to know he is helping reduce the smog that poses severe health hazards in the Kathmandu valley."I am extremely happy using an electric vehicle because I could contribute to the environment compared to the petrol cars," he said. "The electricity cost for charging and everything is much less and I got a much, much more luxurious car for the same price compared with gas-fueled cars," Sharma said.EV enthusiasts also include drivers of small public vans who make their living ferrying passengers around the city and beyond."It is very easy to drive, there is no pollution, and it's good for the environment. Not only that, it's good for the country as the nation's money does not go to foreign land to buy oil. There are benefits all round," said Bhakta Kumar Gupta who has drives people from Kathmandu to southern Nepal and back everyday.Gupta replaced his diesel-run van with an EV the same size that can carry 10 passengers. It cost him $40 to buy diesel every day. Now, he says it costs about $6 to charge his van.But while hundreds of small EV vans ferry passengers on short routes, Kathmandu has very few EV buses and none connect the capital with other cities. Pollution from buses and other vehicles and from burning fuels for cooking and heating made Kathmandu one of the world's worst polluted cities for several days in April, as the government warned people to stay indoors.Shifting to more EVs is crucial, said Dixit, the environmental activist."We desperately need that for the sake of our health and for the sake of our economy's health, individuals' health and our lungs as well as our national health," he said.

"Hard Times Ahead": Adhir Chowdhury After Losing Bengal's Baharampur

Baharampur, West Bengal: A day after his defeat from the Baharampur parliamentary constituency, veteran Congress leader and five-time MP Adhir Ranjan Chowdhury on Wednesday said he wasn't certain of what his political future would look like.

The party's prime mover in West Bengal and the state Pradesh Congress president was stunned by Trinamool Congress's star candidate and cricketer-turned-politician Yusuf Pathan who comprehensively defeated Chowdhury by a margin of over 85,000 votes.With Mr Chowdhury vanquished, Congress lost its political grip over Baharampur, which was among the last standing Congress bastions of the state, and was reduced to a party with just the Malda Dakshin seat from Bengal.

Speaking to a Bengali TV channel at his Baharampur residence, Mr Chowdhury said he was apprehending "hard times" for himself in the days ahead."In my endeavour to fight this government, I have neglected my sources of income. I call myself a BPL MP. I have no other skills apart from politics. So I will have difficulties for myself in the days ahead and I have no clue how to overcome them," the 68-year-old leader said.Mr Chowdhury confirmed he would be visiting the Capital soon to vacate his MP residence. "My daughter is a student and uses the place sometimes for her studies. I will have to find a new place there since I don't have one," he said.Speaking on Mamata Banerjee's post-poll proximity to the INDIA bloc, Mr Chowdhury said he never objected to the TMC's presence in the opposition platform but agreed that he held his ground before the party's high command in resisting an alliance with Ms Banerjee which he felt would be tantamount to committing a political hara-kiri.Asked whether he would continue as state PCC chief, the leader said, "I have accepted my defeat in the polls and had previously wanted to relinquish my post urging my leaders to find someone more able than me for the job. I stayed back on the requests of Sonia Gandhi. I have received no calls from my leaders yet. I will repeat my will to my party once I get that call." Mr Chowdhury said it was the party's discretion to not send any leader to campaign in Baharampur and that he had no comments to make about that.

"We took part in Rahul Gandhi's East-West Bharat Jodo Yatra when it reached Murshidabad. Our party president Mallikarjun Kharge campaigned in Malda once but never came to Baharampur. That was a call of our central leadership about which I have nothing to say," he said.Casting serious apprehensions of post-poll violence and backlash on Congress workers in the state from Trinamool, Mr Chowdhury urged Mamata Banerjee to ensure the security of his supporters."The state is now conquered. What's the point in targeting our workers now? Punish me all you want for opposing you, but leave my workers alone. They don't deserve to be punished for supporting the Congress," Mr Chowdhury said in a pleading tone.An MP from Baharampur since 1999 this was

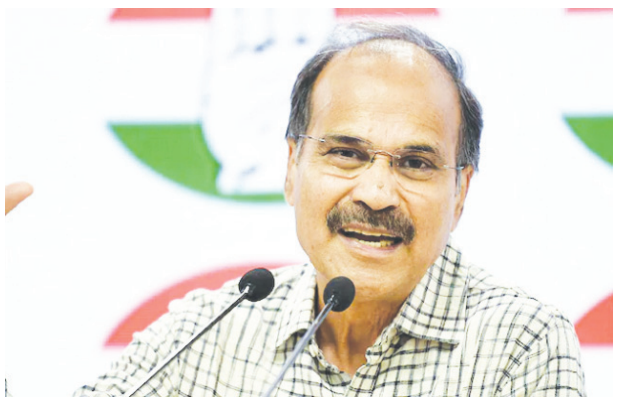

perhaps Mr Chowdhury's toughest electoral challenge which came in the form of Mr Pathan, the non-resident TMC candidate from Gujarat.Believed to be in defiance of the wishes of the Congress high command, Mr Chowdhury was instrumental in stitching a seat-sharing arrangement with the Left in Bengal to take on the Banerjee-led ruling dispensation in the current elections despite Congress and TMC remaining stakeholders in the opposition's INDIA bloc at the national level.A vociferous critic of Banerjee since the Congress's alliance with the TMC fell through after the 2011 Assembly polls and subsequent erosion of the former's political foothold in the state bolstered by large-scale defections to the Trinamool, Chowdhury has consistently built his political narrative advocating for an alliance with the Left to simultaneously fight BJP and TMC in Bengal.That alliance, forged in the 2016 and 2021 state polls and which partially materialized into a seat-sharing arrangement in the 2019 general elections, was believed to be working better in the current edition of the Lok Sabha polls.

However, with both the vote share and the number of seats of Left-Congress combine sliding further in Bengal compared to its 2019 figures, that perception turned out to be a myth that the hard ground reality of poll turf has now busted.

Uttarakhand missing trekkers: Toll reaches 9, choppers roped in for rescue ops

New Delhi: Search and rescue operations that started yesterday to trace missing trekkers in Uttarakhand's Uttarkashi continued for the second day on Thursday. The death toll reached nine and 13 trekkers were rescued as the operation continued. However, only five bodies have been recovered so far.On Tuesday, a group of 22 trekkers en route to Sahastra Tal in Uttarakhand went missing after being stranded on top of a hill at an altitude of 15,000 feet on the Uttarkashi-Tehri border.

Uttarkashi District Magistrate Meharban Singh Bisht said that the trekking team comprising 18 members from Karnataka, one from Maharashtra and three guides from Uttarkashi had gone on a trekking expedition to Sahastra Tal on May 29 and were to return on June 7.At around 4 pm on Tuesday, they found themselves stranded at the Kufri top due to extremely bad weather, he added.The Uttarkashi and Tehri Disaster Management Centre was alerted about the incident and the State Disaster Response Force (SDRF) teams were sent for rescue and relief to the Kush Kalyan base camp, where the trek commenced.

Five deaths were reported yesterday, which increased to nine on Thursday and 13 have been rescued. NDRF personnel and two helicopters have been deployed to carry out the rescue operation. An ambulance has also been stationed at Matli helipad.Uttarakhand Chief Minister Pushkar Singh Dhami expressed remorse over the incident and said that appropriate relief will be provided. The Air Force was also being roped in for help, he told India Today TV.

Delhi gets brief rain respite, heatwave to prevail for next 4 days

New Delhi: Delhiites were in for a pleasant surprise when a sudden spell of rain lashed the city on Wednesday evening, bringing the soaring temperatures several notches down. The city recorded maximum temperature at 44 degrees Celsius, which had constantly ranged around the same temperature for much part of the day.The India Meteorological Department (IMD) has forecast partly cloudy skies that may accompany dust storm or thunderstorm, with light rain and wind speeds ranging from 30 to 40 kmph on Thursday.he temperatures on Thursday are likely to stay btween 30 and 42 degrees Celsius, respectively.

Several other parts of the country, including Guwahati in Assam, parts of Himachal Pradesh, several parts of Mumbai as well as some cities in Karnataka also

witnessed rain, providing much-needed relief from heatwave conditions.However, the weather department has said that heatwave-like conditions were likely to prevail over the next three to four days in several parts of north, north-west and central India.

"Heat wave conditions are very likely in isolated pockets of East Madhya Pradesh, Jharkhand, and Bihar during June 5–9 in Punjab, Haryana-Chandigarh-Delhi, Rajasthan on June 5; Odisha on June 5 and 6, 2024," the weather department said in a morning bulletin on Wednesday.

Despite a slight dip in temperatures lately, the maximum temperatures have hovered between 43-45 degrees Celsius in some parts of north Rajasthan, south Haryana, north Madhya Pradesh and southeast Madhya Pradesh, and in the range of 41-43 degrees Celsius in many parts of Punjab, remaining parts of Haryana, Delhi, south Rajasthan, parts of west Uttar Pradesh, Chhattisgarh, Vidarbha, Telangana and south interior Odisha over the past week.

Gang War Continues Inside Delhi's Tihar Jail, Rivals Stab Another Prisoner

New Delhi: A prisoner was stabbed in a fight that broke out inside the Tihar Jail allegedly between members of rival gangs, police said today.The injured, Hitesh, a murder case undertrial, was taken to Deen Dayal Upadhyay Hospital, where he is being treated, they said.The fight had allegedly broken out around 11:15 am on Wednesday between Hitesh, a member of Gogi gang, and two others from Tillu Tajpuriya gang, an officer said.

A police source said that Hitesh was stabbed with a weapon similar to an ice-pick."On Wednesday, a matter was reported in Hari Nagar Police Station from DDU that an injured man from Tihar jail has been brought to the hospital. Based on that, the local police reached the hospital and inquired about the matter," Deputy Commissioner of Police (west) Vichitra Veer said."The names of the persons who attacked Hitesh have come as Gaurav Lohra and Gurinder. As of now, the confirmation about the identity of the attackers is a matter of investigation. Hitesh sustained injuries and was shifted to the DDU hospital," he said.

The officer said Hitesh has been in jail since 2019, while Gaurav and Gurinder are undergoing trial in cases of murder and attempted murder."Based on the nature of injuries, a case under Section 307 of the Indian Penal Code (IPC) has been registered and the investigation is being conducted," the DCP added.Gangster Tajpuriya was stabbed to death by several members of a rival gang in the same jail in May last year.

'They won in land of secularism, has to be examined critically': As BJP breaches Kerala fortress, an admission from CM Pinarayi

New Delhi: A day after the Lok Sabha elections results came out, Kerala Chief Minister Pinarayi Vijayan Wednesday said the verdict will be examined and required corrections will be made in the functioning of the Left government.The CPI(M)-led Left Democratic Front won only one of the 20 seats in Kerala and could not improve its 2019 tally. During campaigning, the CPI(M) had refrained from considering the elections as a referendum on the eight-year-old Vijayan regime despite a strong anti-incumbency factor behind the Kerala outcome.In an official communication, Vijayan said the LDF did not get the expected victory: "Drawbacks will be rectified. Efforts to counter the wicked campaign against the government and to clear people's misconceptions will be strengthened."

Vijayan said the victory of the BJP in Thrissur is being seen seriously. "That BJP has won in a land of democracy and secularism (and it) has to be examined critically. All people believing in secularism and democracy should be ready for such a review. The government would take comprehensive and micro-level steps to keep people close to it," he said.

Referring to the overall Lok Sabha elections results, Vijayan said it is a blow to BJP's efforts to subvert democracy and constitutional values.

"The result shows people have rejected all the propaganda with the backing of the media, the administration, central agencies and money power. People of India have shattered BJP's illusion that they can go ahead by raising communalism and sectarianism," he said.

How food inflation played part in NDA's Lok Sabha poll reverses

New Delhi: If there's one economic variable that could be held most responsible for the ruling Narendra Modi-led National Democratic Alliance's (NDA) losses in the current national elections, it is food inflation.Annual inflation based on the Consumer Food Price Index (CPFI) averaged a mere 0.03 per cent in the 12 months from May 2018 leading to the 2019 Lok Sabha polls. But in the 12-month run up (May 2023-April 2024) to this year's elections, retail food inflation has averaged 7.88 per cent.All the three basic foods – roti (cereals), dal (pulses) and sabzi (vegetables) – have registered double-digit inflation in the last 12 months, which would have definitely weighed on the ordinary voter's mind. During this period, the average annual CFPI increase in cereals was 10.39 per cent, while 16.07 per cent for pulses and 18.33 per cent for vegetables.In contrast, the May 2018-April 2019 period saw retail average just 1.98 per cent for roti, minus 7.24 per cent for dal and minus 4.80 per cent for sabzi.Modi A look at numbers during the two tenures of Prime Minister Narendra Modi.

The Modi government's entire first term (Modi 1.0) was, in fact, marked by benign inflation. Overall consumer price index (CPI) inflation averaged 4.39 per cent and CFPI inflation even lower at 3.38 per cent. CFPI inflation ruled above CPI inflation in only 21 out of the 60 months from May 2014 to April 2019.It has been the opposite in the Modi government's second term (Modi 2.0) from May 2019 to April 2024 (see charts). General CPI inflation has averaged 5.69 per cent, more than the Reserve Bank of India's medium-term target of 4 per cent. The average retail food inflation has been even higher at 6.48 per cent. And CFPI inflation has exceeded CPI inflation in 30 out of 58 months (comparative data for the two Covid months of April and May 20202 isn't available).The low inflation during Modi 1.0 had primarily to do with international prices — not only of crude petroleum, but also agri-commodities.The United Nations' widely-tracked food price index crashed from an average of 119.1 points in 2013-14 to 90 points by 2015-16. The index – a weighted average of the world prices of a basket of food commodities over a base period value (taken at 100 for 2014-16) – was at 96.5 points even in 2019-20, before soaring thereafter to record levels of 133.2 points and 140.8 points in 2021-22 and 2022-23 respectively.

India a strong market for US firms regardless of which party in power: USISPF CEO

President and CEO of US-India Strategic Partnership Forum (USISPF), Mukesh Aghi shares his thoughts on the India general election results, how it will impact US-India economic ties, and why India remains a strong market for US investors, in an exclusive interview with India Today TV's Executive Editor, Geeta Mohan.

New Delhi: In the aftermath of the general elections of India, which have been nothing but a thriller, there are questions about how it would impact India-US economic ties. To answer that and more, Mukesh Aghi, President and CEO of US-India Strategic Partnership Forum (USISPF) joined India Today's Executive Editor Geeta Mohan in an exclusive interview.

A: Good to be talking to you. When you look at the election result, you have the Prime Minister's (Narendra Modi) party, BJP, not getting an absolute majority. But I think they will soon form a coalition government and come back. The question is the impact or the interest of international investors in India. I think that does not deplete at all because you have to look at it from a broader perspective. One is that geopolitically, India is in a very strong position vis-a-vis China, and it's an economy that is growing substantially from $4 trillion to $5 trillion by 2027 and then (would) continue to grow. That attracts a lot of companies to come into India and be able to gain the market share of the growing economy.

Two, from a China perspective, US companies are looking at de-risking the supply chain, so that process continues. I think it's important to understand that regardless of who comes to power in

India, India will keep on playing a very critical role, both from a market opportunity perspective and also from a geopolitical perspective.I don't think there's any diminishing of interest. I think more important, what is going to be critical is that the sense of reform continues, a sense of stability continues, a sense of transparency continues. And I think that, regardless of who comes in and drives the agenda, those few items which I mentioned will continue because India is going to play a critical role, a pivotal role, and that process continues.

Having said that, when you woke up and looked at the numbers, did you imagine this could be the result in India?

A: I think after the Ram Mandir there (in Ayodhya, Uttar Pradesh) you had a very strong Modi wave, and everybody expected that the numbers would be much, much higher. We believe that there was a sense of comfort and complacency in the BJP. A lot of people didn't turn out to vote because they felt that the Prime Minister would win anyhow. But that's democracy. You have to adopt and adjust to the changes of the people.And that's what the US has to learn.

Changes that happen in Indian democracy are accepted and people move on. And I think from our perspective, when you look at the strength of Indian democracy, a people's board is critical, people's power is critical. And when you have a coalition government coming in, you will see a much more centrist approach to the domestic agenda.

NEWS BOX

Israeli strike targeting Gaza school 'housing' Hamas militants kills 27

World Around 27 people were killed in an Israeli airstrike on a Gaza school, with Israel claiming that the compound housed Hamas militants, Reuters reported. However, local media said the school compound was sheltering people displaced due to the ongoing war.

Israel claimed the United Nations school in Nuseirat, in central Gaza, had a hidden Hamas command post. It said the compound housed Hamas fighters involved in the October 7, 20023, attack on Israel that triggered the war, which is now in its eighth month.Israel's military said that before the strike by fighter jets, steps were taken to reduce civilian casualties.However, Ismail Al-Thawabta, the director of the Hamas-run government media office, rejected Israel's claims."The occupation uses lying to the public opinion through false fabricated stories to justify the brutal crime it conducted against dozens of displaced people," Thawabta told Reuters.The development comes as Israel said there would be no halt to fighting during ceasefire talks.On Wednesday, Hamas leader Ismail Haniyeh said the group would not agree to anything less than a permanent end to the war in Gaza and Israeli withdrawal as part of a ceasefire plan.

"The movement and factions of the resistance will deal seriously and positively with any agreement that is based on a comprehensive ending of the aggression and the complete withdrawal and prisoner swap," Reuters quoted Haniyeh as saying.The remark by Haniyeh was seen as a response to US President Joe Biden's three-phase plan to end the war in Gaza. The plan includes an "enduring ceasefire" and Israeli withdrawal from Gaza if Hamas releases all hostages.Meanwhile, talks between Hamas and the Fatah party of Palestinian President Mahmoud Abbas for a post-war order in the Palestinian territories will likely be held in China in mid-June, Reuters reported. Two rounds of reconciliation talks have already been held in China and Russia.

US court pauses Trump's 2020 election interference case

World A Georgia appeals court on Wednesday paused the criminal case accusing Donald Trump of seeking to subvert the 2020 election while it considers the former president's bid to disqualify lead prosecutor Fani Willis, a court order showed.The order prevents the sprawling case against Trump and 14 co-defendants from moving toward trial while Trump appeals a judge's ruling allowing Willis, the Fulton County district attorney, to remain on the case.It is another indication that the case, one of four facing Trump as he seeks to unseat President Joe Biden and return to the White House, will not go to trial before the Nov 5 election.A New York jury last week found Trump guilty of trying to cover up a hush money payment to a porn star, a verdict that Trump has vowed to appeal. The two federal cases against him, for trying to overturn his defeat and mishandling classified documents after leaving office, have also been bogged down by legal challenges.In the Georgia case, Trump and eight co-defendants are seeking to disqualify Willis' office over allegations that a romantic relationship with a former top deputy posed a conflict of interest.Prosecutors have also signaled they will appeal a prior ruling that tossed out some criminal counts in the indictment.Fulton County Judge Scott McAfee, who is overseeing the case, previously signaled he would address some pre-trial legal issues during the appeal, but Wednesday's order prevents him from taking any action.The appeal is likely to take several months to resolve. The court earlier this week scheduled oral argument in October.Trump and the 14 co-defendants have pleaded not guilty to racketeering and other charges stemming from what prosecutors allege was a scheme to overturn Trump's narrow defeat in Georgia in the 2020 election.

4 dead, 26 injured after two trains collide in Czech Republic

World At least four people died while 26 others were injured after a passenger train collided with a cargo train in the Czech Republic's Pardubice on Wednesday evening, the regional governor said.After the incident, rescue teams reached the spot and started evacuating the passengers.

In a post on microblogging site X, Czech Republic's Prime Minister Petr Fiala expressed condolences on the

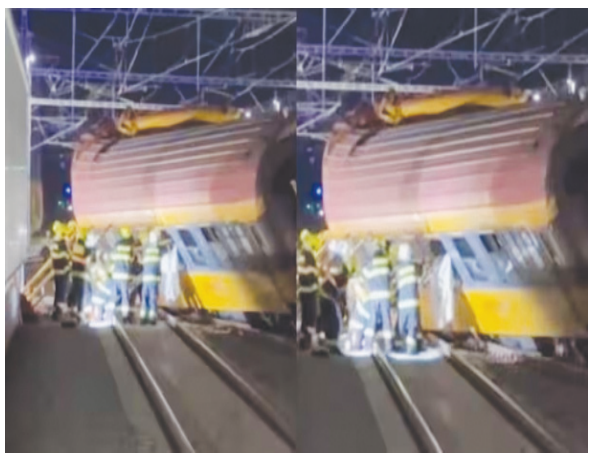

incident and said, "The collision of two trains in Pardubice is a great misfortune. We are all thinking of the victims and the injured. My sincere condolences to all the bereaved."According to news agency Reuters, the crash occurred in Pardubice, part of the country's main rail corridor from Prague to the east

Sharing details about the passenger train, Pardubice region's Governor Martin Netolicky said that it was operated by rail company RegioJet."A head-on collision between a RegioJet train and a freight train claimed several lives and left dozens injured," he said in a post on Facebook.Footage after the crash on news website idnes.cz showed at least one carriage off the track, while police showed on their X handle a line of emergency service vehicles and a helicopter.

A spokesperson for the railway departent's firefighters told Czech TV that several passengers were also seriously injured.

26 year old Russian-Ukrainian in France detained on suspicion of violent act after blowing himself up

World France's National Anti-Terrorism Prosecutor's Office said on Wednesday that a 26-year-old Russian-Ukrainian was held on suspicion of planning a violent act after he injured himself in an explosion.

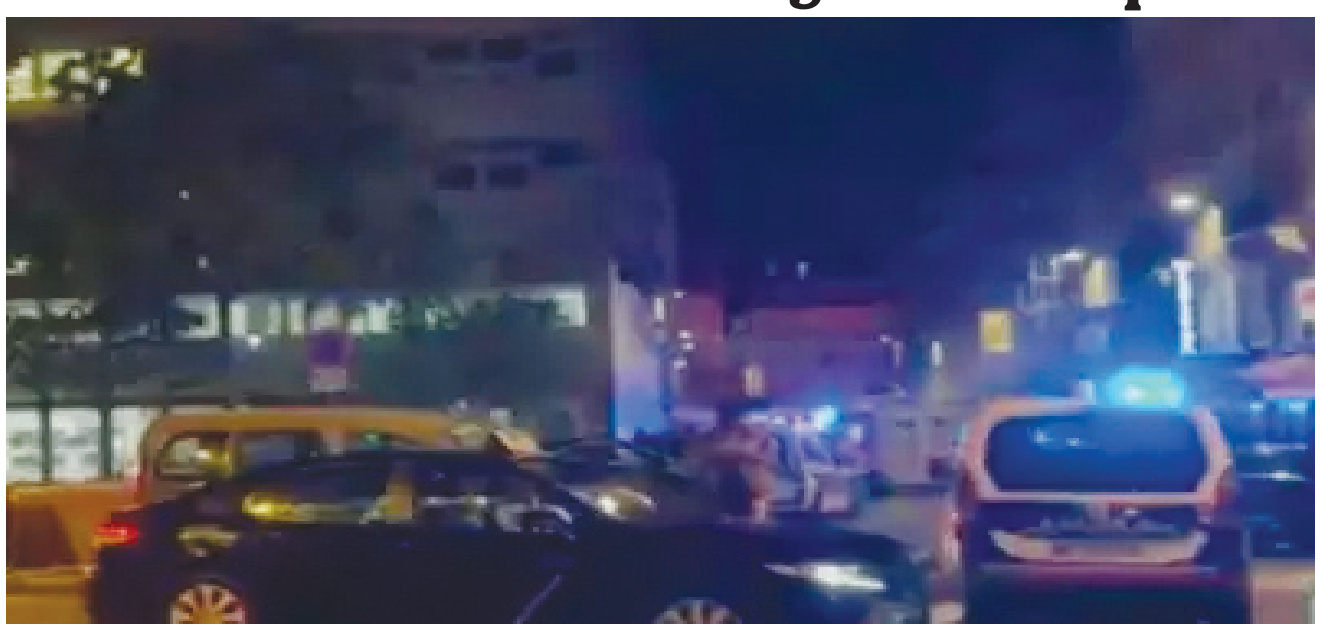

The individual suffered " serious burns after the explosion" and was treated by a fire brigade, said the prosecutors.A subsequent search of his room led to the discovery of products and materials intended for the manufacture of explosive devices. A stash of guns and fake passports were also found at the hotel, situated in the commune of Roissy-en-France, according to AFP."Products and materials intended to manufacture explosive devices" have been found at his hotel room, AFP quoted the prosecutor's office (PNAT) as saying."One of these devices had exploded," the prosecutors said. The man suffered head injuries.On Tuesday, the prosecutor's office initiated an investigation into suspected plans to commit a violent act.Given the gravity of the situation, the man is being detained by France's domestic intelligence agency, General Directorate for Internal Security (DGSI), instead of the regular police. Specialist anti-terror prosecutors are handling the case instead of criminal prosecutors.France has heightened its security alert to the highest level in preparation for the Olympic Games in Paris, scheduled from July 26 to August 11.This week, France is also hosting significant commemorations for the 80th anniversary of D-Day in Normandy, with US President Joe Biden, Ukraine's Volodymyr Zelensky, and other leaders expected to attend the main event on Thursday.

Brazil braces for severe drought after historic floods killed 172 people

Brazil has recently been hit by extreme weather events, most recently historic flooding in the state of Rio Grande do Sul that killed at least 172 people.

Brasilia, After torrential rains that sparked historic flooding in southern Brazil, the country expects a swing to severe drought in parts, the environment minister said Wednesday.Brazil has been battered by a series of extreme weather events, most recently once-in-a-century flooding in the state of Rio Grande do Sul that left 172 people dead.

Environmental Minister Marina Silva said the flooding was due to a mash-up of natural phenomena such as El Nino and climate change, a double-whammy also seen elsewhere."We have the same thing happening in the Pantanal, the Amazon," she said, referring to climate extremes in one of the world's largest tropical wetlands, and its largest rainforest.She said the northeastern Caatinga - a unique and biodiverse semi-arid biome - was "already

experiencing moments of severe drought, and in the case of Rio Grande do Sul we are going to have severe drought".Silva, who was speaking at an event with President Luiz Inacio Lula da Silva, warned of more fires after record blazes in the first few months of the year.A rapid study done by global scientists after the flooding in Rio Grande do Sul determined that climate change made the event twice as likely, with El Nino playing as big a role in the catastrophe.

El Nino, which alters rainfall patterns around the world, making parts more susceptible to torrential showers or drought, is currently weakening.After a brief neutral period, La Nina - which can lead to drought conditions in parts of Latin America - is expected to return.

A renowned activist in her field, Silva returned to head the environment ministry and oversee Brazil's climate change policies when Lula returned to power in January 2023.She had good news for Brazil's Cerrado region, a vast tropical savanna renowned for its rich biodiversity where deforestation soared 43 percent in 2023 while it halved in the Amazon.Silva said that between January and May, deforestation had reduced 12.9 percent in the Cerrado but "it is too early to say that this is a lasting inflection in the curve".

Pro-Palestine protesters storm US university president's office, arrested

World More than a dozen people were arrested at Stanford University in California on Wednesday after pro-Palestinian student protesters barricaded themselves inside the office of the school president, the latest clash between US students and authorities over the Israel-Gaza conflict.

Approximately 10 students entered the administrative offices building around 5.30 am on the last day of classes for the spring quarter, according to the student newspaper The Stanford Daily, while about 50 students linked arms and surrounded the building, chanting, "Palestine will be free."In a post on Instagram, the group Liberate Stanford said an "autonomous group of students" had occupied the office of university President Richard Saller. The students have called on the school to divest from companies linked to Israel's war in Gaza, among other demands.Police used a crowbar to

enter the building about two hours after the demonstration began, according to the Stanford Daily. The university said 13 people had been arrested, one officer was injured, and the building had suffered "extensive" damage.Arrested students will be suspended, and any seniors will not be permitted to graduate, the school said.

In a statement, Saller and the school's provost, Jenny Martinez, said they were "appalled and deeply saddened" by the students' actions.The university also removed a pro-Palestinian encampment that had stood on campus since April and a pro-Israel display honoring the victims of Hamas' attack on Oct. 7, citing public safety concerns.The situation on campus has now crossed the line from peaceful protest to actions that threaten the safety of our community," the school leaders wrote.The arrested students included a reporter for the Stanford Daily, the newspaper said.Hundreds of students have been arrested in recent months after staging demonstrations, setting up encampments and in some cases taking over buildings to protest Israel's assault on Gaza, which has killed more than 36,000 Palestinians, according to Gazan health authorities.

The Israeli campaign began after Hamas, the militant group that rules Gaza, attacked southern Israel on Oct. 7, killing around 1,200 people and taking more than 250 hostages, according to Israeli tallies.

Putin warns Russia could supply long-range weapons to strike West

World President Vladimir Putin warned on Wednesday that Russia could provide long-range weapons to others to strike Western targets in response to NATO allies allowing Ukraine to use their arms to attack Russian territory.Putin also reaffirmed Moscow's readiness to use nuclear weapons if it sees a threat to its sovereignty.

The recent actions by the West will further undermine international security and could lead to "very serious problems," he said, taking questions from international journalists — something that has become extremely rare since Moscow sent troops into Ukraine.That would mark their direct involvement in the war against the Russian Federation, and we reserve the right to act the same way," Putin added.The United States and Germany recently authorized Ukraine to hit some targets on Russian soil with the long-range weapons they are supplying to Kyiv.

On Wednesday, a Western official and a US senator said Ukraine has used US weapons to strike inside Russia under newly approved guidance from President Joe Biden that allows American arms to be used for the limited purpose of defending Kharkiv, Ukraine's second-largest city. The official was not authorized to comment publicly on the sensitive matter and spoke on condition of anonymity.Putin claimed that using some Western-supplied weapons involves military personnel of those countries controlling the missiles and selecting targets, and therefore he said Moscow could take "asymmetrical" steps elsewhere in the world. The US military said it does not control the missiles it provides to Ukraine or the targets."If they consider it possible to deliver such weapons to the combat zone to launch strikes on our territory and create problems for us, why don't we have the right to supply weapons of the same type to some regions of the world where they can be used to launch strikes on sensitive facilities of the countries that do it to Russia?" he said."We will think about it," he told the journalists on the sidelines of the annual St. Petersburg International Economic Forum.Asked whether Russia could resort to using nuclear arms, Putin said the conditions for utilizing that arsenal are clearly spelled out in Moscow's security doctrine.

"For some reason, they believe in the West that Russia will never use it," he said."Look at what is written there," he said of Russia's nuclear doctrine. "If somebody's actions threaten our sovereignty and territorial integrity, we consider it possible to use all means at our disposal."Even Russia's battlefield nuclear weapons are much more powerful than what the US used against Japan in World War II, Putin said.Speaking to senior news leaders of international news agencies, including The Associated Press, for more than three hours.

WHO confirms world's first human bird flu death in Mexico

The world health body said that the 59-year-old man had been hospitalised in Mexico City and died on April 24 after developing a fever, shortness of breath, diarrhoea, nausea and general discomfort.

Mexico City, A person with prior health complications who had contracted bird flu died in Mexico in April and the source of exposure to the virus was unknown, the World Health Organization said on Wednesday.WHO said the current risk of bird flu virus to the general population is low.The 59-year-old resident of the State of Mexico had been hospitalised in Mexico City and died on April 24 after developing a fever, shortness of breath, diarrhoea, nausea and general discomfort, WHO said."Although the source of exposure to the virus in this case is currently unknown, A(H5N2) viruses have been reported in poultry in Mexico", WHO said in a statement.It was the first laboratory-confirmed human case of infection with an influenza A(H5N2) virus globally and the first avian H5 virus reported in a person in Mexico, according to the WHO.Scientists said the case is unrelated to the outbreak of H5N1 bird flu in the United States that has so far infected three dairy farm workers.Mexico's Health Ministry also said in a statement the source of infection had not been identified.

The victim had no history of exposure to poultry or other animals but had multiple underlying medical conditions and had

been bedridden for three weeks, for other reasons, prior to the onset of acute symptoms, the WHO said.Mexico's health ministry said the person had chronic kidney disease and type 2 diabetes."That immediately puts a person at risk of more severe influenza, even with seasonal flu", said Andrew Pekosz, an influenza expert at Johns Hopkins University.But how this individual got infected "is a big question mark that at least this initial report doesn't really address thoroughly".

In March, Mexico's government reported an outbreak of A(H5N2) in an isolated family unit in the country's western Michoacan state. The government said the cases did not represent a risk to distant commercial farms, nor to human health.

After the April death, Mexican authorities confirmed the presence of the virus and reported the case to the HO, the agency said.Mexico's Health Ministry said there was no evidence of person-to-person transmission in the case and farms near the victim's home were monitored.

Other people in contact with the person tested negative for bird flu, the health ministry and the WHO said.Bird flu has infected mammals such as seals, raccoons, bears and cattle, primarily due to contact with infected birds.Scientists are on alert for changes in the virus that could signal it is adapting to spread more easily among humans.The United States has reported three cases of H5N1 human infection after exposure to cows since an outbreak was detected in dairy cattle in March. Two had symptoms of conjunctivitis, while the third also had respiratory symptoms.Although the death in Mexico was not the same strain as the one that is currently infecting cattle in the United States, they are both H5 avian viruses.Pekosz said that since 1997, H5 viruses have continuously shown a propensity to infect mammals more than any other avian influenza virus."So it continues to ring that warning bell that we should be very vigilant about monitoring for these infections, because every spillover is an opportunity for that virus to try to accumulate those mutations that make it better infect humans", Pekosz said.Australia reported its first human case of A(H5N1) infection in May, noting there were no signs of transmission. It has, however, found more poultry cases of H7 bird flu on farms in Victoria state.

NEWS BOX

Special win for special set of fans: Uganda captain proud of T20 World Cup milestone

New Delhi. Uganda captain Brian Masaba reflected on years of hard work after his team won their first-ever men's T20 World Cup match, scripting history in their maiden appearance in the tournament. Uganda defeated fellow debutants Papua New Guinea in a battle of associates in Group C at the Providence Stadium in Guyana. Uganda scraped through a victory, successfully chasing down 78 in a low-scoring thriller against PNG on Thursday, June 6.

Brian Masaba also highlighted the huge group of travelling fans who cheered for the team throughout the contest. Masaba said the group of fans didn't come to the World Cup expecting a victory, but said it was a special feeling to make them proud.Uganda were hammered by Afghanistan by 125 runs in their first match of the T20 World Cup earlier in the week, but the African nation fought back to surprise PNG with a disciplined bowling attack, led by their 43-year-old spinner Frank Nsubuga who bowled the most economical spell in a men's T20 World Cup match. It was a gritty effort from Brian Masaba's side as they tasted success in their first appearance in the showpiece event.

Pretty special win for us. Our first win at the World Cup, doesn't get more special than this. I am super proud of the work they put in. To get a win for their country at a World Cup, it is pretty special. It has been quite a journey. Three to four years of very, very hard work, by the players and the board back home. Getting to the World Cup was special, but this is more special," Masaba said on Thursday.Notably, Uganda came through to the World Cup after beating the likes of Test-playing Zimbabwe and 2003 World Cup semifinalists Kenya in the African qualifiers. Most of the players from the Ugandan side are from humble backgrounds, but the bunch of 15 have rallied together over the last 15 years.

MIYAGI MAGIC FOR UGANDA

In fact, the fast bowler Juma Miyagi comes from Naguru, located on the outskirts of Kampala, their capital city. Nothing has deterred the passion of these cricketers and it has led to an incredible following back in Uganda, which is predominantly a football-loving country.

It was only poetic that Juma Miyagi played a crucial role in their first-ever win at the World Cup as he picked up 2 wickets for just 10 runs in 4 overs and chipped in with a crucial 13 when Uganda were reduced to 26 for 5 in their successful chase of 78 against PNG.

Hardik Pandya finds form with 'special' motivation and urge to perform for pride

New Delhi. India vice-captain Hardik Pandya played his first match in national colours since his injury in the ODI World Cup 2023. Pandya, who was injured while bowling against Bangladesh, was out of the national side for several months. The all-rounder made a thundering comeback in the T20 World Cup, with a statement spell against Ireland.

Pandya picked up 3 wickets in the match, giving away just 27 runs from his four overs. In the first three overs that he bowled, Pandya was nearly unplayable, taking 3 wickets for 13 runs, including a maiden over. The pacer was whacked in his final over, but by that time, he had already bowled a match-changing spell.The all-rounder had shown promising signs with the bat in the warm-up match against Bangladesh itself, but India will be glad that Pandya bowled brilliantly well against Ireland in the first innings of the match.

Hardik flips a switch after IPL 2024

Pandya seems to have flipped a switch after the conclusion of the Indian Premier League. The all-rounder was in horrible form in the IPL 2024 and his relationship with the fans nearly fell down after he was constantly booed throughout the tournament. Pandya went into a shell and simply smiled his way through whenever he was in front of the camera. However, there were some moments where Pandya could be seen sitting on his haunches, burying his face, trying to shut everything out.

That seems to be a distant dream for Pandya now. Speaking at the mid-innings interview during the India vs Ireland game, Pandya explained how he made the turnaround. The all-rounder admitted to having found extra motivation in playing for his country and the urge to prove himself once again.

"Always special to play for the country, always good to play for pride. I have been able to contribute in the World Cups, God has been kind," Pandya told the broadcaster during the match.On the day, Hardk Pandy's first wicket came just outside the powerplay in the 7th over of the match. Pandya bowled a lovely inswinger to Lorcan Tucker which sneaked through the batter's defence to crash into his stumps. The India vice-captain's second wicket was against Curtis Campher in the 9th over.

Uganda celebrate historic T20 World Cup win vs Papua New Guinea with special dance

- Uganda defeated PNG by 3 wickets
- Uganda players celebrated the win with a special dance
- This is not the first time Uganda has brought out the special dance

New Delhi. Uganda players were over the moon as they celebrated their historic T20 World Cup win against Papua New Guinea with a special dance after the match was done on June 6, Thursday.

This is the first time that Uganda has been a part of a major ICC event and they had faced defeat in the first game against Afghanistan a few days ago. However, Thursday was their day as they got on the board in the T20 World Cup 2024.In what was a low-scoring thriller, Uganda defeated Papua New Guinea by 3 wickets to get their first win in an ICC event.

After the game was over, the Uganda players showed their dancing skills as the backroom staff also joined in. You can see the full video below:This is not the first time that Uganda have pulled out the dance moves as they did it after getting qualified for the T20 World Cup 2024.

How did the Uganda vs PNG game unfold?

Uganda won the toss and opted to field in Guyana on Thursday. In the very first over of the match,

PNG lost their captain Assad Vala for 0 to Alpesh Ramjani.PNG were reeling at 19 for 3 in the powerplay as Cosmas Kyewula and Juma Miyagi joined the party, dismissing Tony Ura and Sese Bau, respectively. Hiri was the only man who showed some resistance as he top-scored with 15 for PNG.Left-arm orthodox bowler Frank Nsubuga scripted history as he bowled the most economical spell in the history of the men's T20 World Cup. The left-arm spinner picked up 2 wickets and conceded just 4 runs in his four-over spell.

Rohit Sharma recalls World Cup final heartbreak: 'Asked my wife if it was a bad dream'

New Delhi. India captain Rohit Sharma recalled the heartbreaking feeling after India's loss in the ODI World Cup final to Australia last year in Ahmedabad, saying he had asked his wife the following day morning whether it was all "a bad dream". Rohit Sharma said he did not want be in the cameramen's radar moments after the final, revealing that he had run outside the field of play and given himself a couple of moments to reflect.Speaking in a promotional video, Rohit Sharma revealed he felt frustrated and was angry at himself after India lost to Australia by 7 wickets in the World Cup final at the Narendra Modi Stadium on November 19, 2023. Rohit said the team badly wanted to lift the trophy and were confident after having been on a 10-match winning run in the lead-up to the final.

"When I woke up the next day after the World Cup Final, I had no idea what happened last night. I was discussing it with my wife and told 'Whatever happened last night was a bad dream, right? I think the final is tomorrow," Rohit said in an interaction with Adidas

India."It took me two to three days to realise that we lost the final and that we will get another chance only four years later," Rohit added.

WAS IN NO MOOD TO STAND THERE: ROHIT

The captain said he wanted to finish the post-match routines as quickly as possible and get out of the field."Before the final, the thought of losing did not even occur to us. Everyone believed we will run through and keep going in the same direction because we were playing very good cricket."I ran. I was in no mood to stand there in the middle. Honestly, I just wanted this so badly. When you want something that desperately and you don't get it, you get frustrated, you get angry and you get all this negative things. At that time, you won't even understand what's happening in your life," Rohit added.India headed into the World Cup final as favourites at home. However, Pat Cummins-led Australia completely outplayed India on a sluggish pitch at the Narendra Modi Stadium. Rohit hit 47 off 31, giving India a great start after they were sent into bat. However, his wicket in the 10th over sucked the momentum out of India's innings. The hosts were bundled out for 240 in their quota of 50 overs. Travis Head then went to score a hundred to help Australia lift the World Cup for the sixth time in men's cricket history.Having put behind the disappointment, Rohit Sharma is leading India in the T20 World Cup in the USA and the West Indies. Rohit's men began their campaign against Ireland with a convincing 8-wicket win in New York.

AUS vs OMN: World Cup-winning captain Pat Cummins carries drinks for teammates

New Delhi. Australia's ODI World Cup winning captain Pat Cummins had a new role on June 6, Thursday during the match against Oman as he was carrying drinks for his teammates in Barbados. Cummins, who doesn't have the captaincy role in the T20I format, wasn't selected for the game as Australia decided to go with Nathan Ellis.Despite not being in the playing XI, Cummins showed his commitment to the side as he carried the water to his teammates, along with a few important messages during the break. Australia would end up winning the match by 39 runs to start their campaign on a high.Cummins was coming into the T20 World Cup on the back of a successful IPL 2024 campaign. The all-rounder led SRH from the front and helped them reach the final against KKR. Despite finishing as runners-up, Cummins and Co. played some entertaining cricket.Cummins picked up 18 wickets and scored 136 runs in 16 matches in the IPL 2024 season.

How did the AUS vs OMN match unfold?

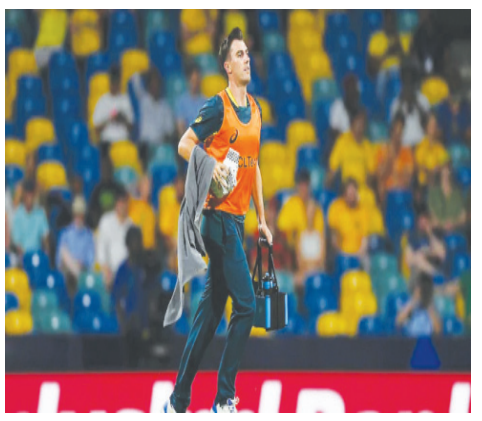

Cummins' absence wasn't felt on the bowling front as Australia cruised to the win in the end against Oman. Having been asked to bat first, the Aussies found themselves in trouble as they were reduced to 50 for 3 in 8.3 overs.rcus Stoinis and David Warner would then steady the ship and launch a counter-attack with the former being the aggressor. Stoinis flipped a switch in 15th over when he hit Mehran Khan for 4 sixes as the Aussies found momentum.Stoinis remained unbeaten on 67 and Warner scored 56 as Australia posted 164 in the end.Oman's chase never got off the blocks quickly as they lost wickets at regular intervals. Stoinis starred with the ball as well and picked up 3 wickets to round off a perfect night. Australia will now face England on June 8 in a high-profile clash in the tournament.

AUS vs OMN: Mitchell Starc injury update provided by captain Mitchell Marsh after win

- Starc went off the field in the 15th over
- Marsh said they didn't want to take a risk with Starc
- Starc picked up 2 wickets in the Oman win

New Delhi. Captain Mitchell Marsh has allayed the fears of Australia fans as he said that Mitchell Starc was suffering from cramps after going off the field during the win against Oman on June 6, Thursday. Starc had started off his T20 World Cup campaign in perfect fashion as he claimed a wicket in his first over and ended with figures of 2 for 20. However, the left-arm pacer would leave the field towards the end of the Oman innings.

In the 15th over, Starc bowled the first ball which went for a wide and immediately started to limp. The pacer was seen stretching a bit and decided to go off the field, as Maxwell was given the ball to finish the over. Speaking after the win, Marsh said they didn't want to take a chance with Starc and decided to let him sit out the rest of the game. The Aussie skipper said that when Starc says he wants to go off, they would let him do that."Starcy was just a cramp so didn't want to take a chance. When Starcy says I am okay to go off you let him go off," said Marsh.

\Going to the old style in T20 World Cup 2024

Australia were given a test by Oman's bowling early on as they were struggling at 50 for 3 in 8.1 overs. Marcus Stoinis and David Warner's partnership helped them get to 164 in the end, which proved to be a winning total.Marsh said it was a close game in the end and they were happy with the win. The Aussie skipper feels that 200-plus scores could be a rarity in T20 World Cup 2024 and they will be using the old style in the tournament."Close game. Good to get the win. It's not going to be the 200 types in this tournament. We are kind of going to the old T20 style here in this tournament," said Marsh.Australia will face England in their second game on June 8 and Marsh said that they were up for the contest against their arch-rivals.

AUS vs OMN: Marcus Stoinis stars as Australia secure convincing win against Oman

New Delhi. Marcus Stoinis and Mitchell Starc were the stars of the show as Australia registered a convincing 39-run win over Oman to start their T20 World Cup campaign off in perfect fashion on June 6, Thursday. Stoinis scored 67 runs and picked up 3 crucial wickets to be the star performer of the match and carry his form from IPL 2024 into the ICC event. Chasing 165 to win, Oman's came to an end at 125 for 9 as they suffered their second defeat of the campaign.After being put into bat, the Aussies didn't have a great start with the bat as they lost Travis Head early. The wicket was doing its fair share of tricks as Mitchell Marsh and Warner struggled to get going. Mehran Khan would then come into the attack and picked up two wickets to completely rock the Australian innings. First, he dismissed Marsh and followed it up by sending Glenn Maxwell back to the pavilion after Aqib Ilyas took a stunning catch.Stoinis and Warner steadied the ship before the all-rounder flipped the switch in the 15th over as he took apart Mehran for 26 runs, which also included 4 sixes. Stoinis and Warner continued to counter-attack as the Oman bowling started to fall apart under pressure. Stoinis scored 67 off 36 balls and got support from Warner who got 56 off 51 as Australia posted 164 in the end.

The Oman chase got off to the worst possible start as they lost Pratik Athavale for a duck as Starc bowled an incredible yorker. Nathan Ellis came in and applied the squeeze which led to the wicket of Kashyap Prajapati. Ilyas provided some entertainment with a few lusty blows, but his wicket sort of ended the chase for Oman.

Stoinis would add to his tally after dismissing Ilyas with the wicket of Zeeshan Maqsood as Starc also came in to grab another one.

Adam Zampa reached the landmark of 300 T20 wickets when he yorked Shoaib Khan. Australia were made to sweat on the fitness of Starc, who had to go off the field after picking up a niggle.

Ayaan Khan and Mehran provided some late entertainment with cameos but Australia would ensure they got all the points in the end.

All-round Stoinis key for Australia

Stoinis was a match-winner for LSG in the recently-concluded IPL when he scored a fine hundred in a chase against CSK at Chepauk. He has always been a tricky customer with the ball and his all-round skills would be key for Australia, if they're to go the distance in the tournament.

On a sluggish wicket, where others struggled for timing, Stoinis rode on his luck and started to take the attack to the Oman bowlers. This was the right approach as Australia seemed to be lost in Barbados at that time.He would then come in and picked two big wickets to cap off a fine night. With Glenn Maxwell struggling for form and Mitchell Marsh yet to be ready to have a bowl, Stoinis seems to be the leading all-rounder in the side at the moment.

Tejasswi Prakash

Makes Fans' Hearts Skip a Beat With Her Stunning Photos

Tejasswi Prakash never fails to impress all with her gorgeous looks. Each time she drops photos of herself on social media, she leaves everyone gasping for breath. On Wednesday too, Tejasswi took to her Instagram handle and shared a series of pictures which are now setting fire online.In these latest clicks, Tejasswi Prakash was seen posing in a sequin outfit which had a long black tail. She opted for golden heels with minimal accessories and kept her tresses open. Needless to say, the Naagin actress looked breathtakingly gorgeous. Check out the photos here:

Soon after the pictures were shared, Tejasswi Prakash's fans rushed to the comments to shower love on the actress. "Omg..stunning always spreading those Sparkle ✨ ," one of the fans wrote. "Full on Fire Girl ," added another. "WOW…you just stunned me beyond limits. Ohhhh really sweety, Glowing through, Sooo glamorous, Fabulous. You're flawless❤ ," a third comment read.Tejasswi Prakash is a popular television actress who is known for shows like Swaragini, Rishta Likhenge Hum Naya, Pehredaar Piya Ki and Karn Sangini among others. She also emerged as the winner of Salman Khan's Bigg Boss 15. Tejasswi was also seen in the sixth season of Ekta Kapoor's popular show, Naagin. In 2022, Tejasswi Prakash also made her Marathi movie debut with Mann Kasturi Re. It was a suspense romantic drama directed by Sanket Mane and also starred Abhinay Berde in the lead.ecently, Tejasswi Prakash also made headlines after a video of the actress from an event went viral in which she was seen making way for Nawazuddin Siddiqui. As Siddiqui was exiting and Prakash was entering, she stepped aside and waited patiently until he left. The video caught the attention of netizens, who were then praising her for being respectful.

Nikki Tamboli

Goes Bold In Busty Gown, Hot Photos Go Vira

Nikki Tamboli is no stranger to turning heads! The former Bigg Boss 14 contestant frequently grabs attention for her bold fashion statements. Known for her stunning beauty, radiant smile, and flawless style, Nikki always manages to impress with her outfit selections. Continuing her trend, she recently caused a stir online with a glamorous photo showcasing her impeccable fashion sense.Recently, Nikki Tamboli took to her Instagram handle and shared pictures of herself, dressed in a busty, sheer gown. She sizzled the feed as she struck several poses for the shutterbug. She captioned the post, "Kise de haath na aavan…✨♥ ."

Although Nikki Tamboli became a big name after her stint in Bigg Boss 14, she has done numerous films as well. She played prominent roles in Tamil and Telugu movies and was even seen in the television show Sirf Tum in 2021.In a recent interview with News18 Showsha, Nikki Tamboli spoke about how she is happy that the perception about her being just 'a pretty face' is slowly changing. "Earlier, I had to skirmish the stereotype of primarily being more of a pretty face. Filmmakers and producers are grasping at the fact that I'm a lot more than that," Nikki Tamboli told us.

"Slowly and steadily, all thanks to the work opportunities I've been bestowed with, I've been able to paint the fact that there's a lot of finesse in my craft as a performing artist. I'm glad that the people in the industry who matter are acknowledging the performer in me and are bringing work offers to me accordingly," the 26-year-old actress added.Since her stint in Bigg Boss 14, Nikki has been featured in several music videos. She often makes headlines for her stylish and bold outfit choices from time to time.

Ananya Panday Congratulates Varun Dhawan, Natasha Dalal On Becoming Parents: 'Baby No 1'

The newest parents in town, Varun Dhawan and Natasha Dalal, welcomed their first child, a baby girl, on Monday evening. Ever since the news came out, congratulatory messages and best wishes have been pouring in from fans and celebrities alike. The Badlapur actor's close friend, actress Ananya Panday, also extended a heartfelt greeting with a "lot of love" for their daughter. Taking to her Instagram Stories, Ananya shared Varun's announcement video and wrote, "Baby no. 1!! Awesome people make awesome babies and you guys are really awesome VD and Nats. So much love for your baby girl."arun also reshared Ananya's pot on her stories and thanked her for the lely wish. Natasha delivered a baby girl at Mumbai's Hinduja Hospital on June 3. Right after the baby's arrival, Varun's father, director David Dhawan, met the paparazzi stationed outside the hospital and confirmed the news. Later, Varun Dhawan also stepped out, looking all happy and grateful as he greeted the media.Sharing the news with his Instagram family, the actor shared a special video and wrote, "Our baby girl is here. Thank u for all the good wishes for the mama and the baby."

Celebrities instantly took to their respective social media handles and sent warm wishes. From Varun's close buddy Arjun Kapoor to his Student Of The Year co-stars Sidharth Malhotra and Alia Bhatt, and debut director Karan Johar among others, the couple received heartwarming messages throughout the evening. "My baby had a baby girl!!!! I am over the moooooooon!!!! Congratulations to the proud mama and papa!!! Love you Natasha and Varun," Johar wrote on Instagram.Alia Bhatt seemed overjoyed as she reposted Varun's announcement video and wrote, "Joy, joy and pure joy. Another little girl who is going to rule the world. Congratulations dearest Nat and VD."For the unversed, Varun Dhawan and Natasha Dalal got married in an intimate ceremony in 2021, after years of dating. Earlier this year, they announced Natasha's pregnancy through an adorable maternity picture.

Will Jaya Bachchan Allow Amitabh Bachchan to Work with Rekha? Actress Once Said 'Why Should I...'

Bollywood veteran actress Jaya Bachchan had once said that she would not mind her husband, actor Amitabh Bachchan working with Rekha. Amitabh and Rekha set the screen on fire several times in the 1970s. The actors worked together in films such as Namak Haraam (1973), Do Anjane (1976), Khoon Pasina (1977), Muqaddar Ka Sikandar (1978), Mr Natwarlal (1979) and Suhaag (1979). However, one of their most memorable film to date remains Silsila (1981) which also starred Jaya Bachchan. Over 40 years since the film released, Amitabh and Rekha have never shared the screen since.hile they have not opened up about the rason behind not working together anymore, the growing speculation of their relationship off-camera is often said to be the reason they stopped collaborating. Jaya, however, once had said that she would have no issues if they would work together. However, she pointed out that their collaboration would be sensationalised and will overshadow their work.s quoted by Rediff in October 2008, in an interview with Peope magazine, Jaya was asked, "Would youmind if they worked together again?" The actress replied, "No, why should I mind? But I feel it will be more like a sensation than actual work. And that's a pity because one will miss the opportunity of seeing them together. Both of them probably realise it will go beyond work."Amitabh and Jaya have been married for 51 years now. The couple tied the knot on June 3, 1973. The couple welcomed two kids, Shweta Bachchan and Abhishek Bachchan. While Shweta is married to businessman Nikhil Nanda, Abhishek is married to Aishwarya Rai.

Last year, when Amitabh and Jaya celebrated their 50th wedding anniversary, Abhishek penned a sweet post for them. "Adding to the list of the many Golden Jubilees to their credit…But this is by far the most special one. Happy 50th wedding anniversary Ma and Pa!" he wrote.